



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्रापिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 381 नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 19, 1981 (भाद्रपद 28, 1903)  
No 38] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 19, 1981 (BHADRA 28, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

## [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 अगस्त 1981

सं. ए -35014/2/80-प्रशा -11—इस कार्यालय की सभ-संस्थक अधिग्रचना दिनांक 27-8-80 के अनुकूल में मन्त्रिमंत्री के संवर्ग में को संघ लोक सेवा आयोग, एतद्वद्वाग संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में को संघ लोक सेवा आयोग अधिकारी श्री एम. पी. जैन को 10-9-81 में एक वर्ष की अवधि के लिए अधिकारी के संवर्गदाहण पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री एम. पी. जैन लेखा अधिकारी के संवर्ग दाह्य पद पर प्रतिनियुक्त पर रहेंगे और उनका वेतन समय-समय पर यथासंशोधित वित्त मंत्रालय (व्यव विभाग) के का. ज्ञा सं. एफ.-10(24)/ई. 111/60 दिनांक 4-5-61 में सन्तुष्टि अन्दरें के अनुसार दिनांकित होगा।

दिनांक 24 अगस्त 1981

सं. पी /1744-प्रशा -11—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वद्वाग संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के गठारी अनुसंधान सहायक (हिन्दी) श्री कुन्द किण्ण को 1-8-1981 से नीन शास्त्री की अवधि के लिए अधिकारी आयोगी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कार्यालय अनुसंधान अधि-

कारी (हिन्दी) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2 श्री कुन्द किण्ण कार्यालय अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर प्रतिनियुक्त पर रहेंगे और उनका वेतन समय-समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय, व्यव विभाग के का. ज्ञा सं. एफ. 1 (11) ई 111/75 दिनांक 7-11-1975 की गती के अनुसार विनियमित होगा।

पी. एस. राणा  
अनुभाग अधिकारी,  
कृते सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 अगस्त 1981

सं. ए -38013/7/80-प्रशा -11—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1 में अवधि सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री वेद प्रकाश को, राष्ट्रपति द्वारा 31 जुलाई, 1981 के अप्राह्न से निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की महर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

य. रा. गांधी  
अवधि सचिव (प्रशासन)  
संघ लोक सेवा आयोग

## गृह मंत्रालय

कार्यिक एवं प्रशासनिक संधार विभाग  
(केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो)

नई दिल्ली, दिनांक 28 अगस्त 1981

सं. ए.-19035/1/81-प्रशा.-5---दिनांक 13-7-1981  
से छुट्टी रिक्ति में कार्यालय अधीक्षक के रूप में तदर्थ आधार  
पर प्रोन्नत श्री एस. रामामूर्ति का दिनांक 24-8-1981 पूर्वाह्न  
से अपराध सहायक के पद पर परावर्तन किया जाता है।

की. ना. प्रेसर

प्रशासनिक अधिकारी (स्था.)  
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो।

## महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 26 अगस्त 1981

सं. ओ. दो.-1583/81-स्थापना—राष्ट्रपति जी, डा.  
(कुमारी) राजाश्री नायक को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी  
होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी. डी. ओ. प्रेड-1।  
(डी. एस. पी./कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 1-8-1981  
के पूर्वाह्न से, डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर,  
नियुक्त करते हैं।

सं. ओ. दो. 1596/81-स्थापना—राष्ट्रपति जी, डा.  
राजेन्द्र प्रसाद को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक  
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी. डी. ओ. प्रेड-1। (डी.एस.  
पी./कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 17-8-81 के पूर्वाह्न से  
डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर, नियुक्त करते  
हैं।

सं. ओ. दो. 1580/81-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ  
चिकित्सा अधिकारी (जी. डी. ओ. प्रेड-1) डा. इन्द्र मोहन  
ठाकुर 19 बाह्नी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को केन्द्रीय सिविल  
सेवा (अस्थामी सेवा नियमावलि) 1965 के नियम 5(1) के अनु-  
सार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 11-7-81 के  
अपराह्न से कार्य भार मुक्त कर दिया है।

सं. ओ. दो. 1597/81-स्थापना—राष्ट्रपति जी, डा.  
एच. डी. सोमनाथ को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी  
होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी. डी. ओ. प्रेड-1।  
(डी. एस. पी./कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 17-8-81  
के पूर्वाह्न से, डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर  
नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 अगस्त 1981

सं. ओ. दो. 1455/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय  
रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर अनिल कौशल को 17 अगस्त,  
1981 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए उच्चाय तम पद  
पर नियमित नियकित होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस  
तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा  
अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियकित किया है।

सं. ओ. दो. 1598/81-स्थापना—राष्ट्रपति जी, डा.  
नरेन्द्र नाथ गवर्ह को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने  
तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी. डी. ओ. प्रेड-1।  
(डी. एस. पी./कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 17-8-81  
के पूर्वाह्न से, डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर,  
नियुक्त करते हैं।

ए. के. सूरी  
सहायक निदेशक (स्थापना)

## विस्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

दंवास, दिनांक 22 अगस्त 1981

म. डी. पी. सी. 5/81—विभागीय एडोलन्टि सीमित  
(समूह "ब") की सिफारिशों के आधार पर बैंक नोट मुद्रणालय,  
दंवास में भौंडा अधिकारी के पद पर स्थानापन रूप में कार्यरत  
श्री डी. ओ. सकमेना को दिनांक 31-8-1976 से उसी पद पर  
मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

म. वै. चार  
महा प्रबंधक

## भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षा का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 28 अगस्त 1981

सं. 37 वा. ने. प. 1/299-61—सबस्य लेखा परीक्षा  
बोर्ड एवं पदने निदेशक, वाणिज्यिक लेखा-परीक्षा, परिषदी,  
क्षेत्र, बम्बाई के कार्यरत श्री एम. आर. भावे, लेखा-  
परीक्षा उधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी उधिवर्षिता आय प्राप्त  
करने पर दिनांक 31-7-1981 (अपराह्न) से सरकारी सेवा  
से सेवा निवृत हो गये हैं।

एम. ए. सोमेश्वरराम  
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

## कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 26 अगस्त 1981

सं. प्रशासन-। कार्यालय आवेदा/199—श्रीमान निदेशक  
लेखा-परीक्षा (केन्द्रीय राजस्व) इस कार्यालय के निम्नलिखित  
स्थायी अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन लेखा-परीक्षा उधि-  
कारी के वेतनकम 840-1200 में 24-8-1981 के पूर्वाह्न  
में अगले आदेश आने तक नियुक्त करते हैं :—

क्र. मं. नाम

सर्वश्री

1. एम. पी. माध्व
2. वाई. एस. गृष्णा
3. के. के. अग्रवाल

विष्णु सहाय,  
संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

## कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा

वाणिज्य, नियमण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1981

सं. प्रशासन-1/101—इस संगठन के निम्नलिखित  
लेखा परीक्षा अधिकारी उनके नाम के आगे वर्णित गई  
तिथि से मूल रूप से स्थाई पद पर नियुक्त किए जाते हैं।

क्र. नाम

पुष्टि की तारीख

सं०

सर्वश्री

1. डी० डी० गुप्ता 1-10-1980
2. बचन चिंह 1-10-1980
3. डी० के० चटर्जी 1-1-1981

एम० एम० चरना,  
निदेशक लेखा परीक्षा

## महालेखाकार का कार्यालय

बैंगलोर-560001, दिनांक 18 अगस्त 1981

सं. स्था. ।/ए. 4/81-82/524—महालेखाकार ने स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री. वी. पृष्ठ. पराणवे, को केवल, स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में उनके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव ढाले, उनके कार्यभार भ्रष्ट करने की तारीख से पदोन्नत किये हैं।

हस्ताक्षरित

वि. अ. महाजन

वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

## रक्षा लेखा विभाग

## कार्यालय, रक्षा लेखा नियंत्रक

प्रण-411001, दिनांक 25 अगस्त 1981

सं. प्रशा./111/11310—श्री एस. नारायण चारी के पुत्र श्री एन. माधवन्, स्थायीवृत्त लेखा परीक्षा, बिना पूर्व सूचना को 9-4-80 से अनुपस्थित है। उनके ज्ञात पते पर भैंसारे पत्र इस कार्यालय में लौटकर वापस आये हैं। उनके ज्ञात पते पर आरांप-पश्च भी भैंसा गया था जो कि डाक प्राधिकारियों द्वारा टिप्पणी के साथ कि ‘छोड़ दये हैं’ वापिस लौटाया गया है। श्री एन. माधवन् विभागीय जांच के समय भी अनुपस्थित रहते हैं। अतः जांच एकपक्षीय की गई। अतः उन्हें फरार समझा जाता है। और इसलिए अनुशासनिक प्राधिकारी द्वारा उन्हें विनांक 18 अगस्त 1981 से सरकारी सेवा से अलग करने का निर्णय लिया गया है।

(श्रीमती) डॉ. लिवहान  
संयुक्त रक्षा लेखा नियंत्रक  
दक्षिण कमान

## वाणिज्य मंत्रालय

## मुख्य नियंत्रक, आयात तथा निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 अगस्त 1981

## आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

## स्थापना

सं. 6/428/56/प्रशा. (राज.)/5045—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री डी. के. सोसला ने 31 मार्च, 1981 के अपराह्न से संयुक्त मुख्य नियंत्रक-आयात एवं निर्यात के कार्यालय बम्बई में उपमुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 27 अगस्त 1981

सं. 6/744/65-प्रशा. (राज.)/5041—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री पी. सी. एस. पिसरलेंकर ने संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय बम्बई में 31 जूलाई, 1981 के अपराह्न से उपमुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ए. एन. कौल  
उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात  
मृत्ति मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## वस्त्र विभाग

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1981

सं. ए. 12025 (1)/6/80-अनुभाग ।। (ए)—राष्ट्रपति, श्री प्रेम चन्द्र जैन को 10 अप्रैल 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये बूनकर सेवा केन्द्र विजयवाडा में सहायक निदेशक ग्रेड-। (प्रोसेसिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी. शंकर

अतिरिक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

## उद्योग मंत्रालय

## आंतरिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 अगस्त 1981

सं. ए.-19018/512/80-प्रशासन (राज.)—राष्ट्रपति जी, लाइयर एवं पोषाहार बोर्ड, पूर्वी क्षेत्र, कलकत्ता के सहायक तकनीकी परामर्शदाता श्री अमररेख कमार मिश्रा को विनांक 24 जूलाई, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में उप निदेशक (खाल्य) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. ए-19018/540/81प्रशा. (राज.)—राष्ट्रपति जी, श्री फल सिंह को विनांक 7 अगस्त, 1981 (पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में प्रोफेसर के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी. सी. राय  
उप निदेशक (प्रशासन)

## पूर्ति विभाग

## पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 25 अगस्त 1981

सं. ए-17011/196/81-प्र. 6—महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान ने, जमशेदपुर निरीक्षणालय में भंडार परीक्षक (धातु) श्री एस. गनाना नन्द राव को दिनांक 15 जूलाई, 1981 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी निरीक्षणालय के अधीन भिलाई उप कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद पर तबर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं. ए-17011/197/81-प्र. 6—महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान वर्णपर निरीक्षण मंडल में भंडार परीक्षक (धातु) श्री डी. के. सेन गुप्ता को दिनांक 27-7-1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी निरीक्षण मंडल में तबर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक, 28 अगस्त 1981

सं० प्र० 6/57(8) भाग-10—महानिवेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से सहायक निरीक्षण अधिकारी (धारु रसायन) के पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं :—

क्र०	अधिकारी का नाम	स्थायीकरण की
सं०		तारीख

## सर्वश्री

1. आर० के० चक्रवर्ती	4-८-1977
2. शावलेन्दु वास्थ	1-७-1979
3. पी० एस० एन्थोनी	1-२-1980
4. हरीपद ताराफदर	1-८-1980
5. ए० के० चटर्जी	20-१-1980

पी० छी० सेठ,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
इसे महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और सान मंत्रालय

(सान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 24 अगस्त 1981

सं. 5091 वी./ए.-32013 (एस. ओ.)/80-19 ए.—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भण्डार अधीक्षक (तकनीकी) श्री एच. सी. श्रीवास्तव को भण्डार अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810 द. रो.-35-880-40-1000- द. ए.-40- 1200 रु. के वेतनमात्र में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 25-6-1981 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 25 अगस्त 1981

सं. 5108बी/2339(जेकोएस)/19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकीविद् श्री जयन्त कृष्णर सरकार ने इस विभाग के सहायक भूभौतिकीविद् के पद का कार्यभार 30-9-80 (अपराह्न) से स्थाग-पत्र द्वेकर छोड़ दिया है।

सं. 5115बी/ए-19012(1-एस सी)/80-19ए—श्री समिर चौधरी को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु. प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40 1200 रु. के वेतनमात्र में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 1 जून, 1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं. 5128बी/ए32013(एओ)/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री एन. चटर्जी को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमात्र में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक

9-7-1981 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 5140 बी/ए-32014 (1-सहायक भूवैज्ञानिक)/80-19 ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूवैज्ञानिक) को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000 द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमात्र में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है :—

## सर्वश्री

f. एम० एस० रमन	1-6-1981 (पूर्वाह्न)
2. अनिल कुमार काकोर	26-5-1981
3. दिनेश कुमार श्रीवास्तव	26-5-1981 (पूर्वाह्न)

वी० एस० कृष्णस्वामी,  
महा निदेशक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 अगस्त 1981

सं. का. 12-2/(ए)/81-स्थापना—उनकी प्रतिनियूक्ति से वापस आने पर अभिलेख निवेशक, भारत सरकार एतद् द्वारा श्रीमती ससीकला एम. परमबाथ, स्थायी सहायक प्रस्तकालयाध्यक्ष को प्रस्तकाध्यक्ष के पद (श्रेणी 2) (ग्रप बी) (राजपत्रित) पर नियमित अस्थायी आधार पर दिनांक 17 अगस्त, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

भीम सेन कालडा  
प्रशासन अधिकारी  
कृते अभिलेख निवेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 अगस्त 1981

सं. ए-19018/20/81-के. स. स्वा. यो.-।—स्वास्थ्य रोका महानिदेशालय ने डा. के. के. चौधरी, रिसर्च और स्टॉट परियार कल्याण एवं स्वास्थ्य मंत्रालय को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में दिनांक 2 जलाई, 1981 पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर होमोपैथिय फिजिझियन के एवं पर नियुक्त किया है।

टी. एस. राय  
उपरिनदेशक प्रशासन

## कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

## विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1981

सं. मि 5-43/81-स्था(1)—अवकाश प्राप्ति की आद्. के होने पर श्री आई. एस. चावला विस्तार निदेशालय, कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय में स्थानापन्न सहायक प्रशासन अधिकारी, ग्रुप "बी" (राजपत्रित) 31 जूलाई, 1981 के अपराह्न में सरकारी सेवा से अवकाश प्राप्त कर चुके हैं।

के. जी. कृष्णमर्ति  
निदेशक प्रशासन

## सिचाई मंत्रालय

## महाप्रबंधक का कार्यालय

## फरक्का बांध परियोजना

फरक्का वैरेज, दिनांक 21 अगस्त 1981

सं. ई/पी०-(पार्ट) 2/9173(8)—निम्नलिखित सिविल/बिजली/यात्रिक ओवरसियर तदर्थं आधार पर एक साल या जब तक नियमित रूप से इन पदों को नहीं भरा जाता इसमें जो भी पहले हो, के लिए फरक्का बांध परियोजना, सिचाई मंत्रालय, भारत सरकार, में सहायक अभियंता (सिविल) सहायक अभियंता (बिजली)/सहायक अभियंता (यात्रिक) के पद पर पदोन्नति उनके सामने दर्शाई सारीख से किया गया है।

क्र. पदनाम	पदोन्नति की तारीख
सं.	

## सर्वश्री

1. टी० एन० राय, सहायक अभियंता (सिविल)	30-10-80
2. एस० हाजरा,	27-10-80 (अपराह्न)
3. के० सी० बसाक	27-10-80
4. आई० के० पाल	27-10-80
5. ए० के० पाल	21-10-80
6. पी० के० चौधरी	27-10-80
7. एस० हालदार	27-10-80 (अपराह्न)
8. एस० के० बनर्जी	5-3-81 (अपराह्न)
9. पी० के० राय	5-3-81
10. ए० पी० शश्वाल	5-3-81 (अपराह्न)
11. एस० सी० मित्रा	27-10-80 (बिजली)
12. एस० के० हाजरा	24-6-81 (बिजली)
13. के० पी० पाल चौधरी	24-6-81 (यात्रिक)

सं. ई/डी-8(डाक्टर)/9174(9)—डा. एन. सी. रेड्डी और डा. (श्रीमती) रुपूर्ण देवेश कुमारसार दिनांक 15-12-80 पांच 8-6-81 के प्रत्राह्न से भारत सरकार, सिंचाई मंत्रालय, फरक्का बांध परियोजना में तदर्थं आधार पर, एक साल की अवधि के लिए, निकित्सक के पद पर नियुक्त किया गया है।

आर. वी. रथीदेवन  
महा प्रबंधक  
फरक्का बांध परियोजना

## भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

## कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 13 अगस्त 1981

सं. पीए/76(3)/80 आर 3 (1)—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री तिरुनीलालडी कल्याणसंदर्भ समर्मित स्थानापन्न सहायक लेखाकार को तदर्थं रूप से सहायक लेखा अधिकारी पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 1 जून, 1981 पूर्वाह्न में अधिग्राम आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

म. पीए/76(3)/80 आर 3 (1)—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री जयतीलाल बनमालीदास पंथाल स्थानापन्न सहायक लेखाकार को तदर्थं रूप से सहायक लेखा अधिकारी पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 9 जून, 1981 पूर्वाह्न से अधिग्राम आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 अगस्त 1981

संदर्भ पी० ए०/79(4)/80 आर 3—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को तदर्थं रूप से उनके नाम के सामने अंकित समयावधि के लिए स्थानापन्न सहायक कार्यकारी (स्पष्ट 650-960) के पद पर इस अनुसंधान केन्द्र में नियुक्त करते हैं:—

क्रमांक	नाम	वर्तमान पदनाम	समयावधि
			से तक

## सर्वश्री

1. पी० बी० कर-	सहायक	1-7-81	11-8-81
दीकर			
2. ए० के० कात्रे	सहायक	27-5-81	14-8-81
3. एस० आर०	सल० ग्रे०	1-7-81	11-8-81
पिंगे	लिपिक		

ए० शान्ता कुमारा मेनोन  
उप स्थापता अधिकारी

## पर्यटन एवं नगर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 27 अगस्त 1981

सं. स्थापना (1) 05323—श्री के. के. मंडल, सहायक मौसम विज्ञानी, प्रादीपिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली, भारत मौसम विज्ञान विभाग, दिनांक 31-5-81 अपराह्न से सरकारी सेवा से स्वेच्छा से सेवानिवृत्त हुए।

के. मंडल  
मौसम विज्ञानी (स्थापना)  
कृत मौसम विज्ञान के महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 26 अगस्त 1981

सं० ए० 32013 (सी० भ०)/4/80—स्था० 1—भारत के राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित श्रेणी I के मौक्कम विज्ञानियों को इसी विभाग में स्थानापन्ननिदेशक के रूप में उनके नामों के सामने दर्शाई गई तारीख से प्रागामी आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

1. डा० सी० पी० राव	27-7-1981 (अपराह्न)
2. श्री ए० के० सैन शर्मा	28-7-1981 (अपराह्न)
3. डा० वी० वैकटश्वरलू	27-7-1981 (अपराह्न)
4. डी० वी० सुब्रह्मण्यम	27-7-1981 (अपराह्न)
5. श्री एस० आर० पुरी	28-7-1981
6. श्री एस० जे० मस्के	27-7-1981 (अपराह्न)

एस० के० दास,

मौसम विज्ञान के अपर महानिदेशक (उपकरण)

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 अगस्त 1981

सं. ए. 12025/1/80-ईएस—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश के आधार पर महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित दो अधिकारीयों के उनके नाम के सामने दी गई तारीख से अन्य आदेश होने तक, निदेशक, रैंडियो नियाण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तदर्थ आधार पर अनुशापित इंजीनियर के पद पर नियुक्त किया है।

1. श्री पी. आई. जैनी---4-8-1981 (अपराह्न) से।
2. श्री गेंटर्ट माइकल आर्थस्ट्रॉग---1-8-1981 (अपराह्न) से।

जगदीश चन्द्र गर्ग  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1981

सं. ए. 32014/1/81-ई.डब्ल्यू—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री विश्वाम सिंह, वरिष्ठ अग्निशमन फोर्मैन को दिनांक 1-3-1981 से 31-8-1981 तक छ. मास की अवधि के लिए या सहायक अग्निशमन अधिकारी के ग्रेड में नियमित नियुक्त होने तक, इन में से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर सहायक अग्निशमन अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है।

उपरोक्त नियुक्ति के आधार पर उन्हें नियमित नियुक्ति का दावा करने का हक नहीं होगा और न ही उनकी सेवा ग्रेड में वरिष्ठता के प्रयोजन के लिए तथा अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति की पात्रता के लिए गिनी जाएगी।

ई. ए. डैसलर  
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शूलक समाहर्ता का कार्यालय

पूना-2, दिनांक 1981

सं. 2/3-19/स्था. 1/81/3641—केन्द्रीय उत्पाद शूलक समाहर्तालय पूना के समूह 'स' के अधीक्षक श्री पी. जे. पारसी का दिनांक 18-4-1981 को देहावसन हो गया।

ए. एम. सिंह  
समाहर्ता  
के. उ. शूलक—पूना

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशक

बम्बई-400001, दिनांक 25 अगस्त 1981

(वारिणीय पोत परिवहन)

सं. 6 (3) सी आर ए/81—नौवहन महानिदेशक, बम्बई श्री सुभाष चन्द्र गुप्ता को दिनांक 24-7-1981 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक सहायक निदेशक, नाविक नियोजन कार्यालय, बम्बई, के रूप में नियुक्त करते हैं।

भा० कू० पदार  
नौवहन उप महानिदेशक  
कृत नौवहन महानिदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 28 अगस्त 1981

सं. 22/1/81—प्रशासन-1(बी)—प्रधान केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, एतद्वारा, तकनीकी सहायक ग्रेड के निम्नलिखित प्रधिकारियों को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर (ग्रुप बी) मेवा में प्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक प्रभियंता के ग्रेड में, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में, उनके नामों के सामने लिखी

तारीखों से, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी प्रादेश होने तक नियुक्त करते हैं :—

क्रं सं०	नाम	जिस घेड़ के हैं	कार्यभार संभालने की तारीख
	सर्वश्री		
1.	एस० पी० चन्द्र	तकनीकी सहायक	13-7-1981 (पूर्वाह्न)
2.	ए० के० मितल	—वही—	27-6-1981 (पूर्वाह्न)
3.	एस० एम० ए० उम्मानी	—वही—	29-6-1981 (पूर्वाह्न)
			संतोष विष्वास, अवर सचिव

## केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1981

सं० ए-19012/914/81—स्थापना-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित अधिकारियों को रु० 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 के बेतनमान में प्रतिरिक्षित सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के घेड़ में उनके नाम के सामने दिखाई गई तारीखों से छ महीने की प्रवधि के लिए प्रथम पदों को नियमित आधार पर भरे जाने सक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं :—

क्रं सं०	अधिकारी का नाम	प्रतिरिक्षित सहायक	जहां पदस्थापित निदेशक/सहायक किए गए
	तथा पदनाम	इंजीनियर के रूप में कार्यभार संभा- लने की तारीख	

## सर्वश्री

1.	एस० के० क्षमी, पर्यवेक्षक	8-6-1981 (पूर्वाह्न)	पी० एंड एम० निदेशालय
2.	योगेश कुमार हाँडा, अधिकारी सहायक	10-7-1981 (पूर्वाह्न)	सी० एम० डी० डी०-एक निदे- शालय
3.	कवकन साम्बार्ति, अधिकारी सहायक	13-7-1981 (पूर्वाह्न)	बी० एंड सी० डी०-दो निदे- शालय
4.	जोगिन्द्र सिंह (दो), पर्यवेक्षक	29-7-1981 (पूर्वाह्न)	जी० एंड डी०-दो निदेशालय

ए० भट्टाचार्य,  
अवर सचिव  
केन्द्रीय जल आयोग

पूर्ति एवं प्रनवासि मंत्रालय (पूर्ति विभाग)

राष्ट्रीय परीक्षण ग्रह, अलीपुर,

कलकत्ता-27, दिनांक 1 जूलाई 1981

सं. जी-65/बी (गो.)—महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण ग्रह, अलीपुर, कलकत्ता, श्री एन. राधाकृष्णन, विज्ञान सहायक (यानिकी), राष्ट्रीय परीक्षण ग्रह, अलीपुर, कलकत्ता की राष्ट्रीय परीक्षण ग्रह शासा मद्रास में विज्ञान अधिकारी (यानिकी) के पद पर 21-5-81, किसी दूसरे आदेश के न निकलने तक, तदर्थ नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 अगस्त 1981

सं. जी-65/बी (गो.)—महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण ग्रह, अलीपुर, कलकत्ता, श्री एस. एन. भगवत, वैज्ञानिक सहायक (रसायन), राष्ट्रीय परीक्षण ग्रह, कलकत्ता की तदर्थ नियुक्त वैज्ञानिक अधिकारी (रसायन), के पद पर राष्ट्रीय परीक्षण ग्रह, मद्रास (शासा) मद्रास में 10-7-81 (पूर्वाह्न) से करते हैं।

ए. बैनर्जी

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महा निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण

ग्रह, कलकत्ता

विधि, न्याय तथा कंपनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 हिमावरी फूड्स प्राइवेट लि. के विषय में :—

दिनांक 8 मई 1978

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1978

सं. 666/5898—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदवारा सूचना दी जाती है कि हिमावरी फूड्स प्रा. लि. का नाम रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नवयन (एजेंसीज)

प्रा. लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1981

सं. 5695—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदवारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नवयन सेल्स (एजेंसीज) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दरित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जायेगी।

जी. बी. सक्सेना  
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,  
दिल्ली एवं हरियाणा

## आयकर आयुक्त का कार्यालय

कोटीन-682016, दिनांक 4 अगस्त 1981

आदेश

विषय: संस्थापना—आयकर अधिकारी श्रेणी-बी—पदोन्नति का आदेश—जारी करना।

सी० सं० 2/एस्ट/कोण/81-82—निम्नलिखित पदोन्नति, तैनातियों और तबादलों का आदेश एतद्वारा दिया जाता है:—

## 1. पदोन्नतियां :

निम्नलिखित आयकर निरीक्षकों को उनके कार्यभार लेने की तारीख से और आगामी आदेशों तक ८० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० औ०-३५-८८०-४०-१००० ई० औ० ४०-१२०० के वेतनमात्र में आयकर अधिकारी, श्रेणी-बी, के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए एतद्वारा नियुक्त किए जाते हैं:—

1. श्री टी० एन० श्रीधरन नायर

2. श्री मी० डी० हरिहरन

वे दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षा पर होंगे।

2. उपर्युक्त पदों की नियुक्ति बिल्कुल अस्थाई और सामयिक है, जो किसी सूचना के बिना ही समाप्त करने सायक है। इनकी नियुक्ति, उच्च न्यायालय केरल में फयल किए हुए मूल याचिका सं० 4023/1978 के फल पर आधारित है।

## II. स्थानान्तरण और नियुक्तियां

क्रम	नाम	से	पर	प्रभ्युक्तियां
सर्वश्री				
1.	टी० एन० श्रीधरन नायर	आयकर निरीक्षक (आयकर अधिकारी, श्रेणी-बी के रूप में पदोन्नति पर)	आयकर अधिकारी, श्री एन० के० विजयराधवन के स्थान पर	स्थानान्तरण किए गए।
2.	मी० डी० हरिहरन	आयकर निरीक्षक (आयकर अधिकारी, श्रेणी-बी के रूप में पदोन्नति पर)	आयकर अधिकारी, तिवृनन्त-पुरम के अधीन तैनात किया गया है।	आयकर निरीक्षक तिवृनन्त-पुरम के स्थान पर

एम० एस० उष्णनायर,  
आयकर आयुक्त,  
कोचीन

## आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 27 अगस्त 1981

मं. एफ 48-एडी(एटी)/81 (11)—श्री अ० गमाकृष्णन, अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई जिन्हें तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहाय एंड इंजी नायर के पद पर आयकर अपील अधिकरण, अमरितसर न्यायपीठ, अमरितसर में दिनांक 26-6-1981 (पूर्वाह्न) से तीन महीने तीन अवधि सक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, वर्षभिंगे, इस कार्यालय के दिनांक 20-6-1981 की अधिसूचना क्रमांक एफ 48-एडी(एटी)81 को अब आयकर अपील अधिकरण, अमरितसर न्यायपीठ, अमरितसर में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर 26-9-1981 से तीन महीने की अवधि तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हटें तियमित नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नहीं की जाती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपर्युक्त नियमित तदर्थ आधार पर है और यह श्री अ० रामाकृष्णन को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएँ न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेगी और न वूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

सं. एफ 48-एडी(एटी)/81--1. श्री एम. के. वलवी, आयकर अपील अधिकरण के अधीक्षक के वैयक्तिक सहायक, जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, पूणे न्यायपीठ, पूणे में दिनांक 2-5-1981 (पूर्वाह्न) से तीन महीने की अवधि तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, वर्षभिंगे, इस कार्यालय के दिनांक 5-5-1981 की अधिसूचना क्रमांक एफ 48-एडी(एटी)81, को अब आयकर अपील अधिकरण, पूणे न्यायपीठ, पूणे में तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 2-8-1981 से तीन महीने की अवधि तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हटें नियमित नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नहीं की जाती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एम. के. वलवी की उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएँ न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेगी और न वूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

2. श्री आर. के. घोष, सहायक अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई जिन्हें तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, अहमदाबाद न्यायपीठ, अहमदाबाद में दिनांक 6-5-

1981 (पूर्वाह्न) से तीन महीने की अवधि तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, दौरीख्य, इस कार्यालय के दिनांक 5-5-1981 की अधिसूचना क्रमांक एफ 48-एडी(एटी)81 को अब आयुकर अपील अधिकरण, अहमदाबाद न्यायपीठ, अहमदाबाद में तदर्थ आधार पर अस्थायी भमता में सहायक पंजीकार के पद पर 6-8-1981 से तीन महीने की अवधि तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नहीं की जाती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री आर. के. शोष को उसी श्रेणी से नियमित नियुक्ति के लिये कोई दाता नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएँ न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिणित की जायेगी और न उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

टी. डी. शर्मा  
, अध्यक्ष

प्रलेप आइ०.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती जुधिका रानी दे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) लान्ड एण्ड कन्स्ट्रक्शन कं.

(अन्तरिती)

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 17 अगस्त 1981

निदेश सं. 933/एसीक्यू. आर-111/81-82—यह:  
 मुझे, आइ०. वी. एस. जुनेजा,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 8 है, तथा जो अभय सरकार लेन, कलकत्ता  
 में स्थित है (और इससे उपावहव अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
 तारीख 8-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
 फल निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहीहारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

अनुसूची

8, अभय सरकार लेन, कलकत्ता। 6 के--1रीएच--35 वर्ग  
 फीट, जमीन पर मकान। (2/वां शेयर) दरिल सं. 6916।

आइ०. वी. एस. जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-111, कलकत्ता-16

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् है—

तारीख: 17-8-1981

मोहर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सुशान्त वे।

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(2) लान्ड एड कन्स्ट्रक्शन कं.।

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेश सं. 934/एसीक्यु. आर-111/81-82—यतः  
मुझे, आई.वी.एस. जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 8 है, तथा जो अभ्य सरकार लेन, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से अर्णित  
है), रजिस्टरिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 8-12-1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके हस्यमान प्रतिफल से ऐसे हस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है।--

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
ष्वास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से है किसी आय को बाबू, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के सिए; आई/या

अनुसूची

8, अभ्य सरकार लेन, कलकत्ता । 6 के--1 सी.एच--35 वर्ष  
फीट, जमीन पर मकान। (1/7वां शेयर)। दलिल सं. 6914

(ख) ऐसीं किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के सिए;

आई.वी.एस.जुनेजा  
सहम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-111, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)  
की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षातः--

तारीख: 17-8-1981

मोहर:

प्रृष्ठ पाइंटी एन.एस.

(1) अभियुक्त सूचना दे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(2) लान्ड एंड कस्टक्षन का।

(अन्तरित)

## आयकर विभाग

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 अगस्त 1980

निम्नेत्र सं 935/एसीकू. आर-111/81-82— यतः  
मझे, आई. वी. एस. जूनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. 8 है, तथा जो अभय सरकार लेन, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावध अनुभूति में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 8-12-1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

'(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

'(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आर्सेटरी  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट भहीं किया  
गया था या किया जाना लाइए था छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अंकितयों अनुसार—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के द्वितीय  
कार्यवाहीहर्या कहता हूँ॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के दायपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अंकितयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अंकितयों में से किसी अंकित इवारा।

(ब) इस सूचना के दायपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य अंकित इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही वर्त होंगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है॥

अनुसूची

8, अभय सरकार लेन, कलकत्ता । 6 के--1 सी.एच--35 वर्ग  
फीट पर, जमीन पर मकान, (1/7वां शेयर)। दलिल सं.—  
6951।

आई. वी. एस. जूनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-11, कलकत्ता-16

तारीख : 17-8-1981  
मोहर :

प्रकृत प्राईंटी एन० एस०-----

(1) सुधीर दे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) लाल्ड एंड कंस्ट्रक्शन कं.

269-ग(1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. 936/एसीकू. आर-111/81-82—यह:  
मुझे, आई. वी. एस. जुनेजा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्रम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- इ० से अधिक है  
और जिसकी सं. 8 है, तथा जो अभय सरकार लेन, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावदाध अन्सूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 8-12-1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रहूं प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए  
तथा पाया जाय प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण सहुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन बर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनावें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
प्रभुतरण में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रष्ठा।—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरावाली अधिकारी पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी अधिकता;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तवय  
किसी अन्य अधिकारी, अधिकारी के पास  
लिखित प्रैंटिंग में किए जा सकेंगे।स्पष्टात्मक—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
हैं, वहाँ प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

8, अभय सरकार लेन, कलकत्ता। 6के—1सीएच—35वर्ग  
फीट, जमीन पर मकान। (1/7 वां भाग)।  
दलिल सं.—6913।आई. वी. एस. जुनेजा  
सक्रम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़-111, कलकत्ता-16तारीख : 17-8-1981  
माहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री सुलिल दे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. 937/एसीकू. आर-111/81-82/केल.---  
यतः, मुझे, आई. वी. एस. जूनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 8 है, तथा जो अभ्य सरकार लेन, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
दर्शित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,  
राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 11-12-1980

को 'वैरोंक्त संपत्ति' के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

(अन्तरिती)

(2) लैण्ड एंड कंस्ट्रक्शन कं.

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लॉइ भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ इन किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

8, अभ्य सरकार लेन, कलकत्ता । 6 के--1सीएच--35 वर्ग  
फीट जमीन पर मकान। (1/7वां भाग)।  
संलिल सं. --6967।

आई. वी. एस. जूनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-111, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :-

तारीख 17-8-1981  
मोहर ।

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) कमर्शियल प्रोडक्ट्स लि. ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) टिटागढ़ पेपर मिल्स क. लि. ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 अगस्त 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आशेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1 ए बालीगंज सकुलर रोड, कलकत्ता-19, में अब स्थित तिवाली कोट्टे में 178 वर्ग मीटर प्लाट और गैरेज जो 30-12-80 तारीख में 7428 डीड नं. अन्सार रजिस्ट्रार आफ एश्यूरेंस के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई. वी. एस. जनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-3, कलकत्ता-16

तारीख : 25-8-1981  
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १--

प्रसूप आई. टी. एन. एस. —————

(1) कामरियल प्रोडक्ट्स लि. ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) दिटागढ़ मिल्स कं. लि. ।  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 25 अगस्त 1981

निदेश सं. 940/एसीक्यू. रैंज-3/81-82/कैल.—  
मुझे, आई. वी. एस. जनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1ए है तथा जो बालीगन्ज सकुलर रोड,  
कलकत्ता-19 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 30-12-80  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पांच गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्बिति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्बिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**सम्बन्धी:**—इसमें प्रदूषित गांठों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित  
हैं, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

**अन्तरक**

1ए बालीगन्ज सकुलर रोड, कलकत्ता-19 में अब स्थिति  
तिवाली कोट्ट में प्लाट नं. 39 और एक गैरेज जिसका परिमाप  
178 वर्ग मी. और जो 30-12-80 तारीख में डीड नं. 7427  
अनुसार रजिस्ट्रार आफ एस्ट्रेस के बफ्टर में रजिस्ट्री हुआ।

आई. वी. एस. जनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज-3, कलकत्ता-16

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्मक—

तारीख : 25-8-1981  
माहूर ॥

प्रस्तुत आई. टी. एन्. एस.—

(1) लेक को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि.

(अन्तरक)

(2) मिसेस रोमा निओगी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 अगस्त 1981

निदर्श सं. 941/ए सी क्यू. आर-3/81-82/कैल.—  
यतः, मुझे, आई. टी. एस. जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्रमे, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. में अधिक है

और जिसकी सं. 2-सी है तथा जो 95, साउर्वन् एवेन्यू  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबृध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 24-12-80  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क, अनुसरण  
में, या, सक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3—246 GI/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

95 साउर्वन् एवेन्यू, कलकत्ता में अब स्थित, मकान का तिन-  
तल्ला में 2-सी प्लाट नं. जिसका परिमाप 873 वर्ग फीट है  
और जो 24-12-80 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एश्यूरेन्स,  
कलकत्ता के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई. टी. एस. जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-3, कलकत्ता-16

तारीख : 25-8-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 अगस्त 1981

निम्नें सं. 942/ए सी क्यू. आर-3/81-82/कैल.—  
यहः, मुझे, आई. बी. एस. जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं. 6-इ० है तथा जो 95 साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
घण्ठित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में  
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 24-12-80  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तर्रक्ती (अन्तर्रक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्रक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लेक को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि.

(अन्तरक)

(2) श्री के. सेनगुप्ता

(अन्तर्रक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

95 साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता में अब स्थित, मकान का सात  
तला में प्लाट नं. 6-इ० जिसका परिमाप 1102 वर्ग फीट और  
जो 24-12-80 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एश्योरेन्स, कलकत्ता  
के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई. बी. एस. जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-3, कलकत्ता-16

तारीख : 25-8-1981

मोहर :

प्रलूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) लेके, को-आपरेटिव हाउसिंग नि.।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अन्मलि चटजी।

(अन्तरीती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 अगस्त 1981

निर्देश सं. 943/एक्वी. आर-111/81-82/कल.—  
यतः मुक्ते, आई. वी. एस. जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 9 प्लाट नं. है तथा जो 95 साउदर्न एमिन्य  
कल. स्थित है (और इसमें उपावृक्त अनुसूची में और, पृष्ठभूमि  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 24-12-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति ना उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हड्डी किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाया  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहाया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यदाहियों शूल करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मृत्युजी

95 साउदर्न एमिन्य कल. में अस्थित स्थान का दस तला  
पर प्लाट नं. 9ब जो 24-12-80 तारीख में रजिस्टर आफ  
एम्युरेन्स के दफ्तर में रजिस्ट्र हुआ।

आई. वी. एस. जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-3, कलकत्ता-16

तारीख : 25-8-1981

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----  
**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थस्टैट  
नई दिल्ली-110002  
नई दिल्ली-11002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. सं. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/12-80/1925—यतः मुझे, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी मूल्य भूमि है एवं जो सतबाही, मैं स्थित है,  
(जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुमूली में दिया गया  
है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली मिथ्या कार्यालय में  
दिनांक दिसंबर 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करना का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया ग्रीत-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ नहीं किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहीए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मनोहर लाल अन्नी, सुपुत्र पं. लीला राम, नं.  
279 मरजीव मठ, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एच. के. कपूर, सुपुत्र स्वर्गीय ठाकुर दास  
कपूर, मास्टर राजीव कपूर (माइनर) यु/जी, श्री  
एच. के. कपूर, सी-12, ग्रेटर कैलाश-1, नई  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्वां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया  
है ॥

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 1 विधा और 2 विधे, लम्हा नं. 663/1  
(1-02), ग्राम-सतबाही, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, विकास भवन एच ब्लाक इन्ड्र  
प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली-1

दिनांक : 18-8-1981  
माहेश :

प्रस्तुत आइंटी-एन-एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) मैं श्रीलोक चन्द शर्मा एण्ड कं. मस्जीद मठ, नहर्दिल्ली

(अन्तर्भुक्त)

(2) श्रीमती सुनिता आर. दास, पत्नी श्री राम चन्द्रदास,  
डीफेन्स कालोनी, नहर्दिल्ली

(अन्तरिती)

भाइप दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, 'एच' ब्लाक

विकास भवन, इन्डप्रस्था,

नहर्दिल्ली-110002

नहर्दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवाय—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवृद्धि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से दिक्षित व्यक्ति द्वाया;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितुबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थानीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापक भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन ।/एस. आर.-111/12-80/1960—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या कृपि भूमि है एवं जो ग्राम सतवारी, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अव्याप्त प्रतिफल से, ऐसे अव्याप्त प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यान्वयन किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ दिक्षिती की आवत्ता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कर्मी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/वा

अनुसूची

(छ) ऐसी दिक्षिती आय या दिक्षिती धन या अन्य आस्तर्यां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाएगा था छिपाने में सुविधा के लिए।

कृषि भूमि क्षेत्र 3 बिघे और 10 बिघे, समरा सं. 774 मीन (3-10), ग्राम सतवारी।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, नहर्दिल्ली

तारीख: 18-8-1981  
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अनुरूपः—

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री हुकम चन्द, त्रीलोक चन्द, धरम सिंह, चेत-  
राम, प्रेम राज और मनोहर लाल सुपुत्र पं. लीला  
राम, नं. 279 मस्जीद मठ, नई दिल्ली

• (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

### फार्यालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज-१, 'एच' ब्लाक

विकास भवन, इन्द्रप्रस्था,

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एकीजीशन ।/एस.आर.-111,  
12-80/1945 चूंकि मैं, आर. बी एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी संस्था कृषि भूमि है एवं उस ग्राम स्थावारी, में  
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16वाँ) के अधीन पंजीकरण' अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्या-  
लय में दिवांकि दिसंबर 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
बन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उदाहरण में उक्त ३ तरफ़, दोषों ३ एवं ५  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पालिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसन्धान

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

कृषि भूमि क्षेत्र 12 बिधे और 4 बिश्वे खसरा नं. 497  
 मीन (1-09), 499 मीन (1-09), 502 मीन (1-09),  
 510 मीन (1-10), 511 मीन (1-18), 512 मीन (0-  
 13), 807 मीन (0-13), 817 मीन (0-13), 813 मीन  
 (1-06), 815 मीन (1-00) और 128 मीन (0-04), ग्राम  
 सत्त्वारी।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूल्यवाद के लिए;

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-१, नई दिल्ली

तारीखः 18-8-1981  
मोहरः

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस.—

(1) श्री हुकमचंद, प्रेम राज और भोनोहर लाल अजी,  
सुपुत्र प. लीला राम, नं. 279 मस्जीद मठ, नहर  
दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) सतवारने फर्म ऑनर्स एमोसिंग्शन, 115 अंशल  
भवन, 16 के. जी. भारा, नहर दिल्ली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण

अर्जन रॉज-1, 'एच' ब्लाक

विकास भवन, इन्ड्रप्रस्था,

नहर दिल्ली-110002

नहर दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

मंदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन ।/एस.आर.-111/  
12-80/1936—चूक्कि मै, आर. बा. एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी मस्त्या कृपि भूमि है एवं जो ग्राम सतबारों, में  
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण अनुसूची में दिया  
गया है कों पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के  
अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिनली स्थित कार्यालय में दिनांक  
विसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वर्तने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बर्बने से सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) नागी निम्नी आय या किसी अन्य आयियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
दें जिता;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि वा तारीखनी व्यक्ति। पर सूचना  
की तारीख गे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र 5 विघ्ने और 7 विघ्ने, लखनऊ नं. 680/1  
मीन (1-09), 687 मीन (0-01), 678 मीन (0-13),  
679 मीन (1-18), 672 मीन (0-13) और 671 मीन (0-  
13) ग्राम सतबारा।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्रम प्राधिकारी  
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज-1, नहर दिल्ली

तारीख: 18-8-1981  
मोहर:

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 110002, विनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. सं. आ आ./एक्वीजीशन. 1/एस. आर.-3/12-80/1932—चूंकि मैं, आर. बी एल. अग्रवाल, आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-व के प्रधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक और जिसकी संस्था कृषि भूमि है एवं जो ग्राम भत्तारी, में स्थित है, (जिसका अधिक प्रतिक्रिया विस्तृत विवरण मंत्रन अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिन्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसंबर 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रत्यक्तर (प्रत्यक्तरों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपर्युक्तने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री विश्वन साहनी सुपुत्र पं. तनसुख राम एलीयस मन-सुख राम नं. 279 मस्तीव मठ, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री स्तवारी फार्म ओनर्स एसोसीएशन, 115 असल भवन, 16 के. जी. मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

क्वे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदब्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिल्डे और 2 बिल्डे, ससरा नं. 811 मीन (0-15), 812 मीन (0-13), 814 मीन (0-05), और 816 मीन (0-09) ग्राम-स्तवारी, नई दिल्ली

तारीख: 18-8-1981  
मोहर

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

प्रलेप आई० टी० एन० ८८०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा

269-व (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-१, 'एच' ब्लॉक विकास भवन, हैदरप्रस्था  
नई दिल्ली-110002

'नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन ।/एस.आर.-111/  
12-80/1918—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

मैं जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो साम सतबारी, मे-  
र्खत है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में  
दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित  
कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
उनका कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
न्यून प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
शत निम्नलिखित उदाहरण स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाँ किसी भाग की बाबत उक्त अधि-  
क्रियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री सेम चन्द्र सुप्रत पं. शिव सिंह हृ-69, गौतम  
नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमुम अशन पत्नी श्री सुशिल अशन एन-  
148, पंचशिल पार्क, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त के  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उक्त के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोषित करने के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्थावरीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र 1 बिभा और 2 बिभा, खसरा नं. 702/  
3 मीन (1-02) भास सतबारी दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज़-१, नई दिल्ली

मत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 23-ए के उण्ठारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

4—246GI/81

तारीख: 18-8-1981

माहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी टी.एन.-एच.—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

नईदिल्ली-110002, विनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन ।/एस.आर.-111/12-80/2002—चौकि मौ, आर.बी.एल.अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के प्रधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसना उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या कृपया भूमि है एवं जो आया नगर, महरौली  
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में विद्या गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्या-  
लय में विनांक दिसंबर 1980

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
वृथयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे प्रतिफल के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उम्मेदवाने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन  
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री चतर सिंह सुपुत्र मान सिंह आया नगर मेहरौली,  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) दी विलेंज हट, एच-39, ग्रीन पार्क एक्स., नई  
दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधिकारी के पात्र विविध में किये जा सकेंगे।

**उपलब्धकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस प्रध्याय में दिया जया है।

### अनुसूची

कृपया भूमि का 1/6 हिस्से, क्षेत्र 38 बिधे और 11 बिश्वे, लासरा नं. 1460/2(2-3), 1463/1(3-10), 1484/1(2-2), 1485(3-4) 1486(4-16), 1496/1(3-11), 1509(4-16), 1519(3-0), 1520/1(2-9), 1521(2-18), 1579(2-4), 1877/3(1-0), 1879/1(1-0), 1870/2(1-18), ग्राम आया नगर, महरौली, नई दिल्ली।

आर.बी.एल.अग्रवाल  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण  
अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

तारीख 18-8-1981  
मोहूड

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्था,  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन ।/एस.आर.-111/  
12-80/1979—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम सतबारी, मेरे  
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची मेरे  
द्वाया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय  
मेरे दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मेरे वास्तविक  
रूप मेरे कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व मेरे कमी करने या उससे बचने मेरे सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हे भारतीय आये-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मेरे  
सुविधा के लिए;

अतः क्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
मेरे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों व्यक्ति:-

(1) मैं, आकाश भटा कं., ग्राम सतबारी, महरौली,  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमर्ला नरला पत्नी श्री सुख दयाल नरला,  
इ-158, ब्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घोषणा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 10 विधे और 19 विधे, खसरा नं. 723  
(1-07), 724(4-16), और 728(4-16), ग्राम सतबारी,  
दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, नई दिल्ली

तारीख: 18-8-1981  
माहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, "एस" ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट,  
नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्सीजीशन ।/एस.आर.-111/  
12-80/1955—चूकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. कृषि भूमि है एवं जो ग्राम सत्रारी, मैं स्थित  
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा)  
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में  
दिनांक 1 दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे इह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चेत्  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ये हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

कृषि भूमि का क्षेत्र क्रेत 3 विधे, खसरा नं., 819/1  
(3-00), ग्राम सत्रारी, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की व्यवस्था (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हुकम चन्द, ग्रीलोक चन्द, धरम सिंह, चंत-  
राम, प्रेम राज और मनोहर लाल सपूत्र स्वर्गीय पं.  
लीला राम, नं. 279 मस्तीव मोठ, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री डी. एस. अरोड़ा, सपूत्र जे. एम. अरोड़ा,  
सी-7 डी.डी.ए. फ्लैट्स भीमनागरी, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्राप्तन्त्र में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

तारीख: 18-8-1981  
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट,  
नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संवर्ख 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन 1/एस.आर.-111/  
12-80/1914—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व(1)  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि  
स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से  
अधिक है।

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम सत्रारी, मे-  
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय  
में दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में  
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने  
या उससे अधिने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या हिंसा जाना चाहिए या तिपाने  
में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व(1) की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित अपत्तियों अर्थात् :—

(1) श्री लेम चन्द्र सुपूत्र पं. शिव सिंह, इ-69, गौतम  
नगर, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) सतबारी फार्म ओनर प्रोसीयशन, 115, अंशल  
भवन, 16 के. जी. मार्ग, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए  
कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में  
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी प्रवधि व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास  
विक्रिय में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्याय 20 के यथापरिभाषित  
हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अन्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 12 बिल्डे और 8 बिल्डे, लखनऊ नं. 711  
माइन. (1-09), 795 माइन. (0-13), 800 माइन.  
(0-13), 806 माइन. (0-13), 808 माइन. (0-13),  
704 माइन. (1-09), (0-13 बाहरी 706/1 माइन. (1-  
16), और 706/2 माइन. (3-00), 708 माइन. (1-18),  
707 माइन (0-13), 709 माइन. (1-19), 794 माइन.  
(0-16), 791 माइन. (0-09), और 793 माइन. (0-13)  
ग्राम सत्रारी, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, नई दिल्ली

तारीख: 18-8-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

**कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेज-1, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एकीजीशन ।/एस.आर.-111/12-80/1952—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम सतबारी, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक चित्रस्मरण 1980 को खुर्वाकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरुपण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण लिखित में दातव्यता से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अनुरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्ताव के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अनुस्तितो द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ८—

(1) श्री हुकम चन्द, ग्रीलोक चन्द, धरम सिंह, चंत-राम, प्रेमराज और मनोहर लाल सुपुत्र स्वर्गीय फैलीला राम, नं. 279 मस्जीद मोठ, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री सतपाल महेरा सी/ओ श्री रतन चन्द महेरा, डब्ल्यू-64, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित लिए कार्यकालियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्टाक्टरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**संहारीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र 9 बिल्डे और 2 बिल्डे, खसरा नं. 505 (4-06), और 509(4-16), ग्राम सतबारी, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख: 18-8-1981  
मोहर नं.

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस.-----

(1) श्री धनी गाम, सुपूर्व श्री रणजीत, ग्राम राजोकी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री भगत राम मपूर श्री धनी गाम, ग्राम राजोकी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

## आइल चारकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स आ.आ /एक्यूजीशन 1/एस आर -111/  
12-80/2043—चूकि में, आर बी एल अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मांग कृषि भूमि है एवं जो ग्राम मेहरानी में  
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसृती में  
दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित  
कार्यालय में दिनांक विसम्बर 1980

को दूर्वालित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और माफ़े यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हीं किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बदलने में समिक्षा को लिए;  
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
समिक्षा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 9 बिल्डे और 12 बिल्डे, एम नं. 18, किला  
नं. 16(4-16), एम. नं. 19, किला नं. 20(4-16),  
स्थापित ग्राम मेहरानी, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, नई दिल्ली

तारीख: 18-8-1981  
मोहर :

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अन्तरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट,  
नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन ।।/एस.आर.-111/  
12-80/1946—चूक्ति में, आर. वी. एल. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम सतबारी, में स्थित  
है, (जिसका अधिक दिस्तृत विवरण मंलग्न अनुसूची में दिया  
गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)  
के प्रारीत पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में  
दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री हुकम थन्ड, श्रीलोक चन्द, धरम सिंह, चेत-  
राम, प्रेम राज और मनोहर लाल, सूपूर्ण स्वर्गीय मं.  
लीला राम, नं. 279 मस्जीद भोठ, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै. अंसल हाउसिंग और इस्टेट प्रा. लि., 115,  
अंसल भवन, 16 के. जी. मार्ग, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र 5 बिल्ड और 12 बिल्ड लसरा नं. 803  
(1-04), और 804(4-08) ग्राम सतबारी, नई दिल्ली।

आर. वी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-।, नई दिल्ली

तारीख: 18-8-1981

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री चाहर मिह सुपुत्र श्री मान मिह, आया नगर, महराजी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) दी विनेज हट, पंच-39 ग्रीन पार्क, एम्स. नई दिल्ली

(अन्तर्भिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन ।/एस.आर.-3/12-80/2003--चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धरा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मौज्हा कृषि भूमि है एवं जो आया नगर, महराजी में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसंबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं भी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, एक्से इसमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अनुसूची

1/6, भाग, कृषि भूमि का क्षेत्र, 38 क्षेत्रे और 71 विष्व, खसरा नं: 1460/2 (2-3), 1463/1 (3-10), 1484/1 (2-2), 1485 (3-4), 1486 (4-16), 1496/1 (3-11), 1509 (4-16), 1519 (3-0), 1520/1 (2-9), 1521 (2-18), 1579 (2-4), 1877/3 (1-0), 1879/1 (1-0), 1870/2 (1-18). आम आया नगर, महराजी, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धतः—

प्रूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री खेम चन्द्र सुपुत्र पं. शिव सिंह, ई-69, गौतम नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री डी. के. हिमत सिंह सुपुत्र श्री नथमल सिंह, सी/ओ-श्री पी. डी. अग्रवाल, ए-13, वसंत मार्ग नई दिल्ली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संन्दर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन ।/एस आर.-111/12-80/1916—चूकि मैं, आर. वी. एल. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम सतावारी, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रार्थित सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हड्ड किमी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कृषि भूमि क्षेत्र 8 बिंबे और 3 बिंबे खसरा नं. 710 (4-16), और 711 माइन. (3-07), ग्राम सतावारी।

आर. वी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रँज-1, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों व्रथात्:—

तारीख: 18-8-1981

माहूर द्वा

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.म.आ.आ./एकीजीशन ।/एम.आर.-111/12-80/1995—यतः मूर्ख, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिमठी सम्ब्या कृपि भूमि है एवं जो आया नगर, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अन्मूल्यी में दिया गया है का पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिस्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री चतर सिंह सूपूर्ण श्री मान सिंह, ग्राम आया नगर, महरौली, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) विलेज दट, एच-39 ग्राम पाक एक्स., नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रघावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि का 1/6 हिस्से थेन्ड्र 38 विघ्ने और 11 बिघ्ने लमग नं. 1460/2 (2-3), 1463/1 (3-10), 1484/1 (2-2), 1485 (3-4), 1486 (4-16), 1496/1 (3-11), 1509 (4-16), 1519 (3-0), 1520/1 (2-9), 1521 (12-18), 1579 (2-4), 1877/3 (1-0), 1879/1 (1-0), 1870/2 (1-18), ग्राम आया नगर, महरौली, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 18-8-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन ।/एस.आर-111/  
12-80/1228—यतः मुझे, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सख्त कृषि भूमि है एवं जो ग्राम सत्रारी, में स्थित  
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग अनुसूची में दिया  
गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में  
दिनांक दिसम्बर 1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एन्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
कृप से दर्श धरत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

यतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मनोहर लाल अंग्री, सुकुम नं. लीला राम, नं.  
279 मस्जीद मठ, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सुरीन्द्रा सिंह पैन्टल सुप्रत्य स्वर्गीय श्री जगजाष  
सिंह सी/ओ भै आश्रम काफट, न. 5, पचकुह्यां  
रोड, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्बति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ द्तेगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

कृपि भूमि का क्षेत्र 2 विधे और 16 विश्वे, खसरा नं.  
668/1 (2-16), ग्राम सत्रारी, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
अमर ग्राम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 18-8-1981  
मोहर:

प्रलूप श्राई० टी० एन० एस० -----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन 1/एस.आर.-111/  
12-80/1996—यतः मुर्के, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विष्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में प्रधिक है  
और जिसकी सं. कृषि भूमि है एवं जो आया नगर, मैहराली  
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अन्मूली में  
दिया गया है) जो कि पंजीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई  
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दि. 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है और  
प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
संनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों प्रथोतः—

(1) श्री चातर सिंह सुप्रद मान सिंह  
ग्राम आया नगर, नई दिल्ली, मैहराली।

(अन्तरक)

(2) दी विलेज हट, एच-39, ग्रीन पार्क  
एक्स्टेनशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तस्वीरी अवित्यों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से  
किसी अवित्य द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों ना, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/6 हिस्से क्षेत्र फल 38 बिघे और 11  
विश्वे खसरा नं. 1460/2 (2-3), 1463/1 (3-10),  
1484/1 (2-2), 1485(3-4), 1486(4-16), 1496/  
1 (3-11), 1509 (4-16), 1519 (3-0), 1520/1  
(2-9), 1521(2-18), 1579(2-4), 1877/3(1-0),  
1879/1(1-0), 1870/2(1-18),

ग्राम-आया नगर, नई दिल्ली, मैहराली

आर. बी. एल. अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख : 18-8-1981

मोहर :

प्रेस बाईं. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, विनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एकवीजीशन-1/एस-आर-111/  
12-80/1997—यतः मझे, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी मात्रा कृषि भूमि है एवं जो आया नगर, मेहराली  
में स्थित है, जिसका अधिक विमुक्त विवरण संलग्न अनु-  
मती में दिया गया है को रजिस्टरिकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, रजिस्टरिकरण अधिकारी के नई  
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दि. 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उक्ते दृश्यमान प्रतिफल में एम्पेर दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दो पाठ्य गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में व्यक्तिवक्त रूप से कार्यसंहीन किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1).  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बारात :—

(1) श्री चातर सिंह सूपत्र श्री मान सिंह, ग्राम-आया  
नगर, मेहराली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) दी विलेज हट, एच-39, ग्रीन पार्क एक्स्टेनशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध विस्तीर्ण अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

1-6हिस्सा कृषि भूमि का क्षेत्रफल 38 दिघे और 11 बिश्वे,  
खसरा नं. 1460/2(2-3), 1463/1(3-10), 1484/1  
(2-2), 1485(3-4), 1486(4-16), 1496/1(3-11),  
1509(4-16), 1519(3-0), 1520/1(2-9), 1521  
(2-18), 1579(2-4), 1877/3(1-0) 1879/1(1-0),  
1870/2(1-18), ग्राम-आया नगर, मेहराली, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, नई दिल्ली

तारीख : 18-8-1981

मोहर :

प्रृष्ठप्राइंटी टी. एन. एस.---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-111/  
12-80/1998—अतः म.भौमि, आर. बी. एन. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्तम प्राविकारी को, यह विश्वास करने,  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं. कृषि भूमि है एवं जो आया नगर, महरौली  
में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है को रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, नई दिल्ली स्थित  
कार्यालय में दिनांक विसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
दरेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
किया गया है :—

(1) श्री चातर सिंह सूपत्र श्री मान सिंह, ग्राम आया नगर,  
तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) दी विलेज हट, एच-39 ग्रीन पार्क एक्सटेनशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
मूल्य की तारीख स 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे,स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कमी करने या उसमें बचतें में सुवधा  
का लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
मुविधा के लिए;1/6, हिस्से कृषि भूमि क्षेत्रफल 38 बिघे और 11 बिघे,  
लखरा नं. 1460/2(2-3), 1463/1(3-10), 1484/1  
(2-2), 1485 (3-4), 1486(4-16), 1496/1(3-  
11), 1509(4-16), 1519(3-0), 1520/1(2-9),  
1521(2-18), 1579(2-4), 1877/3 (1-0), 1879/  
1(1-0), 1870/2(1-18), स्थापित ग्राम—आया नगर,  
तहसील---महरौली, नई दिल्ली।आर. बी. एन. अग्रवाल  
सक्तम प्राविकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख : 18-8-1981.

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकितः—

प्रसूप आइ<sup>१</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-।/एम-आर-।।।/12-80/1922—यतः मूर्ख, आर. बी. एन. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवेचन करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो शाम-सत्रावारी, में  
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में  
दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के विली स्थित  
कार्यालय में दिनांक दि. 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(1) श्री पं. हुकम चन्द, सुपुत्र पं. लीला राम,  
नं. 279, मस्जीद मठ, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री अरबिन्द शर्मा सुपुत्र पं. हुकम चन्द,  
नं. 282, मस्जीद मठ, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगसारे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

कृषि भूमि का क्षेत्रफल-7 बिल्डे लसरा नं.  
488 मीन (3-18) और 487 मीन (3-04), पूर्वी भाग,  
ग्राम सत्रावारी, दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
पहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज-।, नई दिल्ली

तारीख : 18-8-1981  
माहूर :

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई० टी० एन०एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-111/  
12-80/1923—यतः मुझे, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है एवं जो ग्राम सत्रारी में  
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में  
दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्या-  
लय में दिनांक दि. 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापवाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की बावत; उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ल) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के शब्दोंमात्रे प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, किसान में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

6-246GI/81

(1) श्री हुकम चन्द्र सुप्रबंध पं. लीला राम,  
नं. 279 मस्तीद मठ-नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश शर्मा, सुप्रबंध पं. हुकम चन्द्र  
नं. 282 मस्तीद मठ, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारीयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारीयों में से किसी अधिकता द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद  
किसी अन्य अधिकता द्वारा अधोहस्ताकारी के पास  
निवित में किए जा सकेंगे।

स्थावरकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

मनुष्याची

कृषि भूमि का क्षेत्रफल 7 विघ्ने और 2 विघ्ने, उसका नं. 484 भीन (4-16), और 487 भीन (2-06) प्रदिव्यामी भाग,  
ग्राम-सत्रारी, नई दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल

सक्तम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, नई दिल्ली

तारीख : 18-8-1981

माहूर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. सं. आ. आ./एकदीजीशन-1/एस-आर-111/  
12-80/1924—यतः मूल्य, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम सतबाही, में  
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में  
दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के विली स्थित कार्या-  
लय में दिनांक दि. 1980

का व्यावृत्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल 5, एस इष्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितिया) के बीच 1% में अन्तरण के निए सब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में आसानीक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपायारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री मनोहर लाल अंत्री, सुप्रत पं. लीला राम,  
नं. 279 मस्तीव मठ, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्री सतवीर फार्म ऑनर्स एसोसियेशन,  
115 अंसल भवन, 16 के. जी. मार्ग, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पास सिसित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रमुख घट्टों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
भावी रूप से दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्रफल 1 बिधा और 17 बिस्ते लसरा  
नं. 514 मीन (0-14), 656 मीन (0-07), 657 मीन  
(0-03), 658 मीन (0-13), ग्राम—सतबाही, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सधम् अधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 18-8-1981  
मोहर :

प्रधान पाई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्डप्रेस्ब  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1981

संख्या 3 नि. स. आ. आ./एक्चीजीशन-1/एस-आर-111/  
12-80/1934—यस: भूमि, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के प्रधीन संक्षेप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है एवं जो ग्राम सतबारी में स्थित  
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के प्रधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में  
दियांक दिसम्बर, 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्य प्रतिशत से अधिक  
है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों)  
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य धार्सितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री किशन सहय सपूत्र पं. तनस्ख राम एलीयस  
मनस्ख राम, नं. 279, मस्जीद मठ, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) श्री प्रभुदयाल अग्रवाल और गोविन्द अग्रवाल सपूत्र  
श्री सत्य नारायण अग्रवाल, बी-13, वसंत बिहार,  
नई दिल्ली।  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर मूल्यानुकूल  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रदोहस्ताक्षरी के पास स्थित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र 1 बिघे और 17 बिस्ते धनरा नं. 816  
माइन. 0(1-17) ग्राम सतबारी, दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, नई दिल्ली

दिनांक : 18-8-1981  
मात्र : ३

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ,  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-1, विनोक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 वि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एस.-आर.-3/  
12-80/1959—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. कृषि भूमि है एवं जो भार सतबारी में स्थित  
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में  
दिनांक दिसम्बर, 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्के यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्तवेद्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(1) श्री हुकम चन्द, श्रीलोक चन्द, धरम सिंह, चेते  
राम, प्रेम राज और मनोहर लाल सुपत्र स्वर्गीय श्री  
पंडीत लीला राम, नं. 279, मस्जीद मठ, नई  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गोविन्द अग्रवाल और प्रभुदयाल अग्रवाल, बी-13,  
बसंत मार्ग, बसंत बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम, को भारा 269-ग के अनुसरण  
प्रें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

### अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र 2 बिल्डे और 12 बिल्डे लसरा नं. 821  
माहन. (2-12) भार सतबारी, दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, नई दिल्ली

दिनांक: 18-8-1981  
मंहूर:

प्रारूप आई० टी० पृ० १० एस०--  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ,  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्युजीशन-1/एस.-आर.-3/  
12-80/1917—कूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ५८०  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है एवं जो ग्राम सतबाही में स्थित  
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में  
दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, तेज़  
दृश्यमान प्रतिफल का परम्परा ह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
बद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या  
ब्लक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वारा  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;—

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सेम चन्द्र सुप्रति पं. शिव सिंह, इ-69, गौतम  
नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती दिव्य अंशल, पत्नी श्री दीपक अंशल, 57,  
जोर बाग, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड भी आक्षेप ॥—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि का अन्तरण—17 बिघे और 18 बिघे, लसरा  
नं. 795 भीन (4-03), 796 (-16), 799 (4-4-16,  
और 8090 भीन (4-03), ग्राम—सतबाही, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 18-8-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-१, “एच” ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ,  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-१/एस.-आर.-३/  
12-80/1850--चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
परवाने ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ए के  
अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

मीर जिसकी सं. एम-74 है, एवं जो ग्रेटर कैलाश-१। में स्थित  
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में  
देनांक दिसम्बर, 1980

फो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपषारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कनवाल कुमारी पत्नी स्वर्गीय श्री जे. डी.  
गोरेवारा, श्री मोहनीन्द्र कुमार और श्री दीपेन्द्र कुमार  
सपत्र श्री जे. डी. गोरेवारा, डी-120, ब्रेस्ट पटेल  
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं. दीपार कल्पकशन (दिल्ली) प्रा. लि., दिल्ली  
द्वारा श्री सुरदीप सिंह सूपत्र स्वर्गीय श्री अजब सिंह,  
ए-30-डी, डीडीए प्लॉट भुविंका, नई और श्रीमती  
परबीन कार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 74, ब्लॉक-एम, थेनेफल-247 वर्ग गज, निवासी  
पता-ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-१, नई दिल्ली

दिनांक : 18-8-1981

मोहर :

प्रख्य प्राई० टी० एम० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, विनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एस.-आर.-3/  
12-80/1872—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. सी-50 है, एवं जो ग्रेटर कैलाश-1, में स्थित  
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई छिल्ली स्थित कार्यालय में  
विनांक विसम्बर, 1980

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (पत्रकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण ह कि उन्हें गण्य गण्य प्रतिफल निम्नलिखित  
बदेश से उक्त वस्तुरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण में हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसार में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के व्यायीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधौतः:—

(1) श्री भनराज सुपुत्र श्री ए. आर. गुप्ता, सं.50,  
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री रनजन राव सुपुत्र श्री ए. के. राव, सं.162,  
डिफेन्स कैलाशी, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरिंशी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि औ भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित हैं वही  
प्रथम होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

7/8 अविभाजित हिस्से प्लाट नं. सी-50, ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली, क्षेत्रफल-500 वर्ग गज।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, नई छिल्ली

विनांक : 18-8-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एकीजीशन-1/एस.-आर.-3/  
12-80/1842—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. सी-50 है, एवं जो ग्रेटर कैलाश-1, में स्थित  
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक  
दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और पूर्व यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एस दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अनुरिती  
(अनुरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायिल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्रस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री धन राज सुप्रति श्री ए. आर. गृष्णा, सी-50,  
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रीन राव पत्नी श्री रंजन राव, सी-162,  
डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आमोदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी के पास लिखित  
प्रम्य अनुसृत द्वारा, प्रधानस्ताकरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिवारित  
है, वहे पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

1/8, अविभाजित हिस्से प्लाट नं. सी-50, ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली, क्षेत्रफल-500, वर्ग गज।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सकाम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रँज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 18-8-1981  
माहेः

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
प्रछोन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

प्रखण्ड प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-।/एस-आर-3/  
12-80/1871—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं. 3/15ए है, एवं जो न्यू डी/एस, लाजपत नगर,  
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय  
में दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूँड़ि किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के असरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री हासा राम सूप्रति श्री करन चन्द गुलबानी, 11-0/  
19, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस. जगमोहन सिंह सूप्रति एस. भगवन्त सिंह,  
3/151, न्यू डब्ल्यू स्टोरी, लाजपत नगर, नई  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में  
समाप्त होती हो, के भीन्हर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 5/15 और 15ए, न्यू डब्ल्यू स्टोरी, लाजपत नगर,  
नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-।, नई दिल्ली

दिनांक : 18-8-1981  
महर : ३

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-ए की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—  
7-246GI/81

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/  
12-80/1875—चूकि में, आर. बी. एन. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.  
से अधिक है

और जिसकी में 2/28 है, प्रवं जो कालका जी एक्स में स्थित  
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में  
दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
भूल्म, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिविक  
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) श्री केदार नाथ सुप्रति श्री लभा राम, 2/28,  
कालका जी, एक्स., नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) डा. के. के. बाबेजा सुप्रति श्री शीमन लाल बाबेजा,  
2/28, कालका जी एक्सटेन्सन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

निवास मकान-28, ब्लॉक नं. 2, कालका जी. एक्स.,  
नई दिल्ली-19, क्षेत्रफल-200 वर्ग गज।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, नई दिल्ली

दिनांक : 18-8-1981  
माहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सुडूकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-।/एस-आर-111/  
12-80/2060—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. 11-डी/33 है, एवं जो लाजपत नगर, नई  
दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न  
अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली  
स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृई किसी आय की आबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे दृश्यमें सूचिता के लिए;  
आर/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

भकान नं. 11-डी/33, घोट 200 वर्ग गज, स्थापित  
लाजपत नगर, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-।, नई दिल्ली

दिनांक : 18-8-1981

माहर :

(1) श्री दयाल दास कालरा सुप्रति श्री नेम राज कालरा,  
11-ई/14-ए, लाजपत नगर, नई दिल्ली, अट्टनी  
श्री आत्मा राम, सीरीराम, मदन लाल।  
(अन्तरक)

(2) मैं. केलाश ओप्टीकल्स, 1464-कोटला मंबारकपुर,  
नई दिल्ली, हिस्सेदार श्रीमती कन्चन कालरा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्य-  
वाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
आदि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्स-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्टों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अतः मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज़, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ,  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/12-80/1852—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बी-71, है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से है इसकी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपर्याप्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३—

(1) श्री बीर सेन आनन्द सुप्रति स्वर्गीय श्री लाजपत राय आनन्द, नं. 9 कन्तु रोड, जम्मू द्वारा अटलीं श्री कनवार सेन आनन्द, सुप्रति श्री बीर सेन आनन्द, नं. 9 कन्तु रोड, जम्मू।

(बन्तरक) (2) श्री एल. एन. जाकी, सुप्रति गुरदास राम, कूलदीप सरना जीया राम सरना, लाल मल्ली, श्री नागर और राजेश गुलाटी सुप्रति जगवीश गुलाटी, 32, बंगला रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रो. नं. बी-71, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रौज़-१, नई दिल्ली।

तारीख: 18-8-1981

मोहर

प्रसूप. आई. टी. एन. एस. -----

(1) मे. प्रेमीयर अपार्टमेंट प्रा. लि. 1205, नई दिल्ली हाउस, 27, बाराखान्दा रोड, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) कोट्टन एस. पी. आनन्द, सूपत्र श्री एम. आर. आनन्द, 1238 सेक्टर-18-सी, चंडीगढ़।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ,

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, विनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/12-80/2054—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बी-270 है, तथा जो प्रेटर कैलाश में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक चित्रम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का एन्ड्रू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अनुसरक कानूनित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करुता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पिले का हिस्सा ग्राउन्ड फ्लोर हाउस नं. बी-270, प्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोड-1, नई दिल्ली

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

तारीख : 18-8-1981  
मौहर :

प्रस्प आई. टी. एन्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, 'एच' ब्लॉक, विवास भवन, इन्ड्रप्रस्थ,  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एस-आ-  
3/12-80/2055—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बी-270 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश में स्थित  
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में  
दिनांक दिसंबर, 1980

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य पश्च विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरान्तर्यां) के बीच एंग इन्टरग्रेंड के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उदादेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अस्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिस्तरों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत हैं:—

- (1) मैं. प्रेमियर अपार्टमेंट, प्रा. लि., न्यू दिल्ली  
हाउस, 27 बाराष्टम्या रोड, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) श्री विजय कुमार मेरहा, सुप्रति श्री रतन चन्द  
मेरहा, 356, कर्ता माधा, चान्दनी चौक, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पिछे का हिस्सा प्रथम भंजील मकान नं. बी-270, ग्रेटर  
कैलाश, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़-1, नई दिल्ली

तारीख : 18-8-1981  
मोहर :

प्रूप्र आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ('निरीक्षण')

अर्जन रज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्डप्रेस्थ,  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ सं. 3 नि. म. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एम-आर-3/12-80/2024—चूंकि मैं, आर. बी. एन. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. एम-219 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश में स्थित है, (जिसका अधिक दिस्तरा नितशण संस्थन अनमंची में स्थित गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से कार्यता महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कार्यी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री अरुण मित्तल सुप्रब्र वी. बी. मित्तल, ए-3, ग्रेटर कैलाश इनक्लेव-1, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)  
(2) श्रीमती रंजना कमार पत्नी श्री ओ. पी. कमार, डी-59, हैंड लास, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीय करता हूँ।।।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. एम-219, फ्लेट नं. 2, (ग्राउन्ड फ्लोर पिछले भाग) क्षेत्र 71 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-111, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त ('निरीक्षण')  
अर्जन रज-1, नई दिल्ली

तारीख : 18-8-1981  
मोहर :

प्रस्तुत आइटी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

- (1) मै. प्रेमिशर अपार्टमेंट, प्रा. लि., 1205, न्यू  
दिल्ली हाउस, 27 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) श्री बी. के. सिंघल सुपूत्र श्री आर. डी. सिंघल  
और श्रीमती उषा सिंघल पत्नी श्री बी. के. सिंघल,  
82/डी-1, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रँज, "एस" ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ,  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 अगस्त 1981

संदर्भ सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीशन-1/एस-आर-  
111/12-80/2056—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. बी-270 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश में स्थित  
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय  
में दिनांक दिसम्बर, 1980  
को पूर्णीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्ष) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूंह किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्य में कीमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छित्रबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**नमूना**

सामने का भाग प्रथम मंजिल मकान नं. बी-270, ग्रेटर  
कैलाश, नई दिल्ली-110048।

आर. बी. एल. अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रँज-1, नई दिल्ली

तारीख : 18-8-1981  
मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

धायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की  
धारा 269-वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 अगस्त 81

आदेश संख्या राज/सहा. आ. अर्जन/1040—यतः मझे  
एम. एल. चौहान,

धायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-वा के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. दंकान नं. 32 है तथा जो पीली बंगा में  
स्थित है, (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरतगढ़ में,  
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 9-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह गुणवत्ता से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में  
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक में दूई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयनकर प्रधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
प्रब-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में पविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के  
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के  
प्रधीन, निम्नलिखित अविनियोग, पर्याप्त —

(1) श्री प्रयोकरण पूज भीयाराम व म. संगती बेवाह  
चतुरनराम व म. राष्ट्रीय बेवाह मरलीराम व म.  
धारीर बेवाह श्री हर भजनराम अकवाम ब्रह्मण साकिन  
पीलीबंगा।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णकुमार पूज श्री गमजी बास जाति अग्रवाल सा  
मण्डी पीलीबंगा

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए आवंशक हिस्सा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचनाएँ के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दंकान नं. 32 का तीसरा हिस्सा प्राचीनी आबादी मण्डी  
पीलीबंगा जो उप पंजिक, सूरतगढ़ बाबरा विक्रय पत्र संख्या  
2099 दिनांक 9-12-80 में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान  
संकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 24-8-81  
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 अगस्त 81

आदेश संख्या राज/राहा.आ. अर्जन/1039—यतः मुझे, एम. एल. औहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. दंकान नं. 32 है तथा जो पीली बंगा में स्थित है, (और इससे उपावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरतगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्योकरण पुत्र भीयाराम व मृ. सुगनी बेवा चतुरराम मृ. रेशमी बेवा मुरलीराम व मृ. धारी बेवा हुरभगतराम अकवाम ब्रह्मण साकिन मंडी पीलीबंगा।

(अन्तरक)

(2) चिमनलाल पुत्र रामजी वास जाति अग्रवाल मंडी पीलीबंगा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्षमन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट द्वारा कभी संख्या 2098 दिनांक 9-12-80 पर पंजिकार्य विक्रम पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

मृदूसूची

दंकान नं. 32 का तीसरा हिस्सा साकिन मंडी पीलीबंगा पुरानी आवादी जो उप पंजिकार, सूरतगढ़ द्वारा कभी संख्या 2098 दिनांक 9-12-80 पर पंजिकार्य विक्रम पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. औहान  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, जयपुर

तारीख : 24-8-81

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 अगस्त 81

आदेश संख्या राज/सहा. आ. अर्जन/1038—यतः मूर्ख, एम. एल. चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. दंकान नं. 32 है तथा जो पीली बंगा में स्थित है, (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरतगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एकोकरण पूर्व श्री भींयाराम व मृ. सुगनी बेवाह चेतनराम मृ. रघुभी बेवा भुरलीराम व मृ. धारी बेवा हरभगत राम अकवाम ब्राह्मण साकिन मंडी पीलीबंगा।

(अन्तरक)

(2) श्री रामजी दास वल्द गीदीमल जाति अन्नवाल साकिन मंडी पीलीबंगा।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विषय कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

दंकान नं. 32 का तिसरा हिस्सा वाके पुरानी आवादी मंडी पीलीबंगा जो उप पंजियक, सूरतगढ़ द्वारा क्रम संख्या 2097 दिनांक 9-12-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 24-8-81  
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री धनश्यामलाल पिता नन्दलाल जी सौनी, भड़ भूजाघाटी उदयपुर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत  
269वाँ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री नन्दलाल पिता गोपी लाल जी सौनी, निवासी भड़ भूजाघाटी उदयपुर।

(अन्तरिक्षी)

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 अगस्त 81

आदेश संख्या राज/सहा. आ. अर्जन/1041—यतः मुझे,  
एम. एल. चौहान,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत  
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. 26-27/3 है तथा जो उदयपुर में स्थित है,  
(और इससे उपादान बनासूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, राजस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
9-12-1980  
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी  
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी भाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
दावीत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी भाय या किसी धन या जन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरीक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिक्षित:—

कों यह सूचना जारा करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं. 26-27/3 सहेलियों की बाड़ी के पास उदयपुर  
जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 3820 दिनांक  
9-12-80 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विव-  
रणित है।

एम. एल. चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 24-8-81

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) यूनाइटेड टार्यास (इंडिया) प्रा. लि. 5/5 मनो-  
रबा गंज इन्डॉर  
(अन्तरक)
- (2) श्री म- मना नाल प्रेम चंद 4/6 एम जी. रोड  
इन्वेर  
(अन्तरित)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 अगस्त 81

निर्देश सं. आई.ए.सी.अर्जन—अतः मुझे, विजय माथूर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वा (1) के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. 515 है, तथा जो इन्डॉर में स्थित है (और  
इसमें उपवदध अनुसन्धान में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्डॉर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-12-  
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिलित में  
वास्तुविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, बिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाशनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा (1) के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा (1) की उपभाषा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकतः—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में पौराणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या या है ।

प्लाट नं. 5/5 नवरत्न बाग मनोरमा गंज राजगढ़ कोठी  
इन्डॉर। क्षेत्रफल 9252 वर्गफीट

विजय माथूर  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोड, भोपाल

तारीख . 24-8-81  
मोहर:

प्रकल्प प्राई. ई० एव० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 24 अगस्त 81

निदेश सं. आई० ए. सी. अर्जन—अतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 115 एफ है, जो दबास में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय, दबास में भारतीय रजिस्ट्री-कूट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-12-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) कोमेल औंधरी पत्ती केलाश सिंह औंधरी म. न., 4/2 रोड़न सिंह भंजरी मार्ग, इन्दौर।  
(अन्तरक)
- (2) विनोदनी भार्गव, पुस्ती पी. डी. भार्गव 16-कोठी रोड़, उज्जैन।  
(अन्तरिती).

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अनुसूचिती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुटोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मं. नं. 115 फ्लेट नं. 2 सिविल लाइन्स दबास में है।

विजय माथुर  
सुकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः, उक्त अधिनियम, को आदा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आदा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन—

तारीख: 24-8-81  
मात्रुक ॥

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती पदमजा पति कमलाकर नाम् 186 पलसी-  
कर कालौनी, इन्दौर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना(2) अनन्त पिता गणेश लोढे 151 लोकमान्य नगर  
इन्दौर।

(अन्तरित)

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 अगस्त 81

निदेश सं. आई.ए.सी.अर्जन—अतः मुझे, विजय माथुर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 4 परमना मकान है, जो इन्दौर में स्थित है  
(और इससे उपबद्ध उन्सूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है),  
राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय राज-  
स्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-12-

80  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाप्तिक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन नार दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रदत्त नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (11)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित किए जा सके।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 4 पर बना मकान जो लोकमान्य नगर कालौनी में  
है।

तारीख : 20-8-81

मोहरः

विजय माथुर  
सक्षम अधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण  
अर्जन रंज, भोपाल

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 अगस्त 81

निदेश मं. आई० ए. सी. अर्जन—अतः मुझे, विजय  
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 181 ए. 181 ब. है, जो इन्दौर में स्थित  
है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
1-12-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाण्य गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसमें किसी आय की वावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के हायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सोहन दास लच्छोमल नारण 181 वैराठी  
कालौनी इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री परसराम सेवक राम 181 वैशठी कालौनी  
इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थमें लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रदूषित स्थदों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 181 अ 181 ब पर बना मकान जो वैशठी कालौनी  
नं. 2 इन्दौर में है।

विजय माथुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज, भोपाल

तारीख : 20-8-81

माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 अगस्त 1981

निवैशं सं. आई.ए.सी./अर्जन/भोपाल—अतः मृभे,  
विजय माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी मं. 331 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पृष्ठ ८४ में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-12-1980  
को गूर्वाकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इकरी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया  
को जिन्हे भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—246GI/81

- (1) श्री प्रभात कुमार पिता महादेव कार्बिक, विल्डर्स  
कालौनी, इन्दौर।  
(अन्तरक)
- (2) श्री नरेन्द्र कुमार जटाशंकर अग्रवाल, 331 साकेत  
कालौनी, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाबत में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा  
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेपः—
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्वय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**मनूसूची**

म. नं. 331, साकेत कालौनी, इन्दौर।

विजय माथूर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 24-8-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 24 अगस्त 1981

निवेदित सं. आई. ए. सी. अर्जन/भोपाल---अतः मुझे,  
विजय माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है, जो रत्नाम में स्थित है (और  
इससे उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
फर्टा अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-12-80  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों कथात् :—

(1) श्री एच. एच. महाराजा लोकेन्द्रसिंह, उत्तराम।  
(अन्तरक)

(2) श्री मिलन कुमार अम्पालाल जैन, उत्तराम।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास दिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पुराने राजमहल के बर्बीखाना का एक भाग रत्नाम में है  
जिसका क्षेत्रफल 1960 वर्ग फौट है।

विजय माथूर  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-8-1981  
मानुष

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 अगस्त 1981

निर्देश सं. आई.ए.सी.अर्जन—अतः मूँझे, विजय माथूर,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. . . . . है, तथा जो रत्नाम में  
 स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण के रूप से  
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में  
 भारतीय रजिस्ट्रीक्रित अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
 अधीन, 15-12-1980  
 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 आस्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
 में, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री एच. एच. महाराजा लोकेन्द्र सिंह, रत्नाम।  
 (अन्तरक)  
 2. श्री भारतनाथ खेम चन्द्र, रत्नाम।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या सत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
 है।

## अनुसूची

पूराने राजमहल के बनधीमाना का एक भाग रत्नाम में है।  
 क्षेत्रफल 1725 वर्गफीट।

विजय माथूर  
 सक्षम अधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-8-1981  
 माहेश

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री एच. एच. महाराजा लोकेन्द्र सिंह, रतलाम।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. मोती चंद नेमी चंद जैन, रतलाम।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ('निरीक्षण') .

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 अगस्त 1981

विदेश सं. आई.ए.मी. अर्जन/भोपाल---अन: मझे,  
विजय माथर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. . . . . है, तथा जो रतलाम में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से  
वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 15-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ-इं किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

अनुसूची

पूराने राजमहल के बग्गेखाना का एक भाग रतलाम में है।  
क्षेत्रफल 2052 वर्गफीट।

विजय माथर,

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त ('निरीक्षण')  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-8-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आइ० टी० एन० एस०-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सुन्ना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

અંગેન્ય વિસ્તાર ૧૫ અનુભવ

भौपाल, दिनांक 25 अगस्त 1981

निर्देश मं. आई. ए. सी. अर्जन/भोपाल---अत. मुझे,  
विजय माथूर,  
आग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति प्रियका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी मं. 19 है तथा जो इन्डौर में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अन्सची मं और पूर्ण के रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकॉर्टी अधिकारी के कार्यालय, इन्डौर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
8-12-1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री विष्वेश्वर पिता माहनलाल जी, इन्दौर।  
(अन्तर्रक)
  2. श्री भैफद्दीन पिता हाजी अब्दुल भाई संवारी,  
गाधीनगर, इन्दौर।  
(अन्तर्रसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औ उनके अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे व्यवहन में सुविधा के लिये; और/या

- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणने गें संविधान के लिए;

अनसखी

मकान नं. 19, जूना तुको गंज, इन्दौर, गिरी हालत में।

## विजय माधुर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज़, भोपाल

तारीख : 25-8-1981  
मोहर :

श्रेष्ठ प्राईंटी टी० एन० एस०—

आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 अगस्त 1981

निवैश सं. आई. ए. सी. अर्जन/भोपाल---अतः मेरे,  
विजय माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 787 है, जो इन्हीं में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्हीं में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पद्धति  
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया यथा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया यथा है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अनुरूप के वायिक बे कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधारत:—

1. श्रीमती जानकी बाई पत्नी चंद्रवदन ठक्कर,  
919 खातीवाला टैक, इन्हौर।

(अन्तरक)

2. सुरेन्द्र कौर पत्नी खेल सिंह, आर./ओ. 30 अ.  
प्रम नगर कालीनी, इन्हौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के घर्जन के लिए  
कार्यवाहिकां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी वारें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन भी अवधि या सत्संबंधी अविक्षयों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी  
में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य अपक्रित द्वारा, अघोषिताक्षरी  
के नाम लिखित में किए जा सकें।

हितवद्धण 1— इसमें प्रदृशत अव्योगी और पर्दों का, और उक्त  
अधिनियम के व्यवाय 20-क में  
परिचालित है, वही पर्यंत होगा जो उस  
व्यवाय में लिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 787 खातीवाला टैक, इन्हौर, क्षेत्रफल 5100 वर्ग  
फीट।

विजय माथूर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रौज, भोपाल

तारीख: 25-8-1981

मोहुड़ :

प्र० प्र० घा० दो० घन० एव०—

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर मूल्यांकन (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अगस्त 1981

निदेश सं. आई. ए. सी. अर्जन/भोपाल---अतः मुझे,  
विजय माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.  
से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, जो रत्नाम में स्थित है (और  
इससे उपाबूध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-12-80  
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बोर अन्तरिती  
(फ्रॅटरिटियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
अनुकूल।

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती शारदा पति इद्रनाथजी मलहोत्रा, महानिमच  
राड, रत्नाम।  
(अन्तरक)
2. श्री हाजी इसाकअली तामी तैयबअलीजी खातवाला,  
चांदनी चौक, रत्नाम।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहीशां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की  
गाम लिखित में चिन्ह लगा सकते।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता है जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

कस्बा रत्नाम की कृषि भूमि सर्वे नं. 1094/2 पैको  
रकबा 0.55 है।

विजय माथूर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, भोपाल

तारीख : 22-8-1981  
माहेश्वर :

प्रस्तुप आहू. टी. पन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 24 अगस्त 1981

निवेश सं. आहू. ए. सी. अर्जन—अत. मुझे, विजय माथूर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 39 है औ इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबृथ अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-12-80 को, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दे दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म- वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री केशर सिंह हीरा सिंह कनाडिया, इन्दौर।  
(अन्तरक)
2. (1) श्रीमती मनोरमा विज मोहन अग्रवाल  
(2) श्रीमती मालती देवी मुरलीधर, 49 अश्वधानद मार्ग, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण में है कि नी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आन्तरिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्लाट न. 39 उद्योग नगर द्वेग्नाडिया इन्दौर—क्षेत्रफल 22500 वर्गफीट के लगभग।

विजय माथूर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, भोपाल

तारीख : 24-8-1981

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 अगस्त 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. अर्जन—अतः मुझे, विजय माथुर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 35 है, तथा जो इन्हौंर में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्हौंर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-12-80  
को पूर्वोंकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकृत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आविहृत था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ३--

10—246GI/81

1. श्री केशर सिंह हीरा सिंह कनाडिया, इन्हौंर।  
(अन्तरक)
2. श्री सुन्वरलाल व प्रेम चन्द्र प्रश्नाण श्री असर दास,  
427 साथू वासवानी नगर, इन्हौंर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
सिद्धि में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों को, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 35—उद्योग नगर द्वेष गुराइया रोड, इन्हौंर—  
क्षेत्रफल 15875 वर्गफीट के लगभग।

विजय माथुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल,

तारीख : 24-8-1981  
मोहर :

प्रृष्ठ पाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 अगस्त 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी० अर्जन/भोपाल—अत. मुझे,  
विजय माथूर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं. 37 है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रीजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रिकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-12-80  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या;

बनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय वा किसी छन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया वा या किया जाना चाहिए वा, उपरोक्त  
में सूचिता के लिए;

1. श्री केशर सिंह हीरा सिंह कनाडिया, इन्दौर।  
(अन्तरक)
2. श्री राव कुमार नवरंग लाल, 57—न्यू अनाज  
मंडी, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यघारियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आवश्यक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना  
की दारीक से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्या-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

प्लाट नं. 37 उचोग नगर देव गुराडिया रोड, इन्दौर—  
क्षेत्रफल 25000 वर्गफीट।

विजय माथूर  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 24-8-1981  
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुति आई. टी. एन., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 अगस्त 1981

निदेश सं. आई. ए. सी. अर्जन/भोपाल—अतः मुझे,  
विजय माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. 35 है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-12-80  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि ग्राहक पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उच्चारण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री केशर सिंह हीरा सिंह कनाडिया, इन्दौर।  
(अन्तरक)
2. (1) श्रीमती तारा वेदी ओम प्रकाश बंसल  
(2) श्रीमती मनोरमा रमेशबन्द्र बंसल, 48  
46, रवीन्द्रनाथ टैगोर भार्ग, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्लाट. न. 35, उद्योग नगर देव ग्राहिया, इन्दौर—क्षेत्र-  
फल—11625 वर्गफीट के लगभग।

विजय माथूर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 24-8-1981  
मात्रारूप :

प्रकृष्ट प्राईटी एन० एस० —————

आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अगस्त 1981

निवेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) — उक्त मूल्य, विजय  
माथूर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यदि विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं. कृपी भूमि है, जो लोहार पिपल्या में स्थित  
है (और इससे उपावधि अनुसूची में और पूर्ण से रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, देवास में भारतीय  
रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
4-12-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
दृश्यमान से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
पाया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए  
की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों  
अधिति :—

1. मे. सिन्हा इण्डस्ट्रीज, 50-51, पोलो ग्राउंड,  
इंदौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री रमेश जवाहरलाल नन्दवानी, 19, पलसी-  
कर कालोनी, इंदौर।  
(2) श्री एम. के. शिखकर पिता रामाना शिखकर,  
74/2 मनोरमा गंज, इंदौर।  
(3) डा. के. जे. नरसुकर, 2, व्हाईट ब्रांच  
कालोनी, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरंगंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एवं दर्शावण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम लोहार पिपल्या, तह. जि. देवास स्थित खसरा नं.  
395 पैकी 5-00 एकड़ की कृपी भूमि।

विजय कुमार  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 22-8-1981  
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टो० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269वा(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रूज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अगस्त 1981

निवेदा सं. आई. ए. सी. (अर्जन्)—अनुसूचि मुझे, विजय  
माथूर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा  
के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है के स्थावर सम्पत्ति, नियमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट है, तथा जो गांधी मार्ग रायपुर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
17-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत प्रधित है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अनुसूची

प्लाट जो महात्मा गांधी मार्ग गग्पर, पर स्थित है। रुकड़ा  
1187 Sq.ft. Kh. No. 436.

विजय माथूर  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन् रूज़, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वा के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री निष्ठल वास वल्ड वाधूराम भासिजा, निवासी  
जवाहर नगर, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुन्वरीबाई जीजे भगवानदास, निवासी  
415, जवाहर नगर, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिए  
कार्यवाहियां करता है।

कह सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवृत्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

तारीख : 22-8-1981  
मोहूर

प्राप्त प्राई. टौ. एम. एस.—  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अगस्त 1981

निर्वेश स. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व(1) के प्रधीन तकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमें उचित बाजार मूल्य 25,000/- एपए से अधिक है

और जिसकी संभावना है, तथा जो कातूलबोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिसमें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के अनुसारण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्।—

1. श्री बलबीर किशन मलिक आत्मज स्वर्गीय एव. के. मलिक, 15 मोतीलाल नहर नगर, दुर्ग।  
(अन्तरक)
2. डा. पी. एम. वाही आत्मज के प्ल. वाही, कातूलबोड, दुर्ग।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमें किसी प्रभ्य अधिकता द्वारा, प्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्तसूची

मकान जो कातूलबोड, दुर्ग में, प्लाट रक्का 4000 Sq. ft. पर स्थित है। ख. न 104/55।

विजय माथूर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रँज, भोपाल

तारीख : 22-8-1981  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ——  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अगस्त 1981

निदेंदा सं. आई.ए.सी. (अर्जन)—अतः मर्फे, विजय माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं. मकान है, तथा जो लाखेनगर वार्ड में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अन्सूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक है से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मूलचन्द्र वल्द बड़ामल बुधवानी सा. बड़हपारा रायपुर, द्वारा दयालदास एण्ड संस, गोलबाजार, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती धापली देवी जौजे रामनिवास अग्रवाल सा. कांटाभाजी, त. कालाहडी, जिला वलोगीर (उडीसा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

पक्का मकान एक मंजला नं. 28/648/23 जो महादेवधाट रोड पर, लाखेनगर वार्ड में स्थित है, प्लाट रक्का 6318 वर्गफीट।

विजय माथूर  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 25-8-1981  
 मोहर :

प्रसूत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अगस्त 1981

निर्देश सं. आई.ए.सी. (अर्जन)---अतः मैंने, विजय  
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान है, तथा जो लाखनगर वार्ड में स्थित  
है (और इससे उपायदृष्ट अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
31-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है ॥--

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत--

1. श्री केवलराम वल्ल बेठामल बूधदानी, निवासी  
बड़हर्षपारा, दुवारा दयालदास एण्ड सन्स, गोलबाजार,  
रायपुर।

(अन्तरक)  
2. श्रीमती कलावती देवी जौधे मामनथन्द अग्रवाल,  
सा. काटांभाजी, त. कालाहडी, जि. बलांगीर,  
उडीसा।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेहै भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**सम्बोधकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ॥

जनतालयी

एकका मकान एक मंजला नं. 28/648/23 जो महादेवघाट  
रोड पर, लाखनगर वार्ड, में स्थित है, प्लाट नं. 6318  
वर्गफीट।

विजय माथुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख [ 22-8-1981  
मोहर [ ]

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) -----

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अगस्त 1981

निदेश सं. आर्द्ध. ए. सी. (अर्जन)---अतः मूर्ख, विजय माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट व मकान है, तथा जो स्टेशन रोड, दर्जा में स्थित है (और इससे ऊबवृथ अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, दर्जा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री जल्फेकार हसैन पुत्र फजल हसैन बोहरा, सदर बाजार, दर्जा।

(अन्तरक)

2. (1) श्री बलीराम सिह पूर्ण काजिम देव ठाकुर  
(2) श्री हरेन्द्र ठाकुर पुत्र काजिम देव ठाकुर,  
अस्सरा टाकीज के सामने, स्टेशन रोड,  
दर्जा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-ज में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं. 2/1, 3/1, 3/2 व उस पर दर्ने 3 कल्पे मकान जो अस्सरा टाकीज के सामने स्टेशन रोड, दर्जा पर स्थित है, प्लाट रक्कड़ा 8112 बर्गफीट।

विजय माथूर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 22-8-1981

मोहर :

अतः अन्, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रह्लप भाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 अगस्त 1981

निवेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अहा॒ मुझे, विजय माथूर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. मकान एवं प्लाट है, तथा जो रमेयापारा में  
स्थित है (और इससे उपावृथ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 31-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि ग्रथाधूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक्षम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
क्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
है गे निम्नत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृहृ किमी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/एवं

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय उक्त अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) द्वा॒ रुक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रगोजनार्थ अन्तिमी कृताग प्रकार नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अहा॒ अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४—

1. (1) श्री श्रीलाल सिंग निवासी पाहों (2) श्रीलाल  
सिंग मस्तियार (3) श्री सुखपाल कवर, निवासी  
कोनसा (4) जगराज कवर निवासी डाजिपर एवं  
अन्य के लिये।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विद्यादेवी पुत्री स्वर्गीय चन्द्रीका सिंग वैष्णव  
निवासी हीलामी मंजहगयाना, जि. उन्नाव (उ.  
प्र.)।

(अन्तरिती)

3. मार्केटीग फेलरेशन आफ इडिया, जगदलपुर।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मिलित है)

को यह सूचना आपै दृष्टि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तने लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उक्तने के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45  
दिन की अधिक या तारीखी वर्दिताये पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पास दिल्लित भा किए जा रखांगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान जो रमेयापारा जगदलपुर में प्लाट नं. 17/2 पर<sup>1</sup>  
स्थित है।

विजय माथूर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रँज, भोपाल

तारीख : 24-8-1981  
मोहर :

प्रूल्प आई. टी. एन. एस. -----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अगस्त 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय माथूर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
को धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का लाभ है (ि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी स. 1518, 1518/1, 1519/0 है, तथा  
जो राईट टाउन में स्थित है (जोर इससे उपावदध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 13-12-1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृष्यमान प्रतिफल की गई है और मुक्त यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृष्यमान प्रतिफल का अन्दर प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे प्रन्तरण हो तिए तथा या या प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रतरण निविदा में ज्ञासाक्षिता में लिया  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन हार देने हेतु अन्तर : के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या रुपया धन या द्रव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित:—

1. (1) श्री भोपाल सिंग (2) राजाराम हालके उर्फ विजय सिंग (3) बारेलाल (4) पुरनलाल (5) राम स्वरूप पुन्नगण राम सिंग नि. लूहारी, त. पाटन, जि. जबलपुर।

(अन्तरक)

2. डा. विनोदचन्द्र चौबे पुत्र श्री मनोहरचन्द्र चौबे, 1518, राईट टाउन, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्वंवदी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्राहक पदों का, जो उक्त ग्राहक नियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 1518, 1518/1, 1519/ जो प्लाट नं. 197 और 198 पर बना, राईट टाउन जबलपुर में स्थित है।

विजय माथूर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 22-8-1981

मोहर :

प्रसूत आई. टी. एन. एस —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
काश्यक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 अगस्त 1981

निवेदा सं., आई. ए. सी. (अर्जन)---अतः मुझे, विजय माथूर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपर्कित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. वनभूमि है, तथा जो चिक्कलोदकलान  
सिमरोदा से स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
गोहरगंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, 2-12-1980  
को पूर्वोक्त मपसिं के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्कित का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्रास किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती एच. एच. भेरताज नवाब साजिदा सुल्तान  
बेगम पुनी स्वर्गीय नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खान,  
नि. केसर-ए-सुलतानी, अहमदाबाद, पैलेस,  
भोपाल-(म. प्र.).

(अन्तरक)

2. श्री ताराचन्द शाह पुत्र कल्याणजी, नि. बी-। तारा-  
बाग, एस्टेट चारनी रोड, 'बम्बई'-400-004।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पराना ख. नं. 127, 128, 131/2, 132 में स्थित  
वनभूमि जिसका क्ल रकवा 97.07 एकड़ है और जो ग्राम  
चिक्कलोदकलान और सिमरोदा में स्थित है।

विजय माथूर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज, भोपाल

तारीख : 25-8-1981  
मोहरः

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 अगस्त 1981

निवेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)---अतः मृझे, विजय माथूर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. बन्मूलि है, तथा जो चिकिलोदकलान  
सिमरोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मोहरगंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, 1-12-1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रखमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरीरती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और या

(ब) उसी किसी जाय या उसी या अन्य जारिती  
को, जिहे भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्रीमती एच. एच. मेहरताज नवाब साजिदा सुल्तान  
बेगम पुत्री स्वर्गीय नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खान,  
नि. केसर-ए-सुलतानी, अहमदाबाद पैलेस  
भोपाल-(म. प्र.)।

(अन्तरक)

2. श्री इफितवार मोहम्मद खान पुत्र अफजल मोहम्मद  
खान, नि. अहमदाबाद पैलेस, भोपाल।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायदानिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमें—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदेश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

पूराना सं. नं. 119/2, 133/1, 126, 130/2 में  
स्थित बन्मूलि जिसका कल रकवा 98-87 एकड़ है और जो  
ग्राम चिकिलोदकलान और सिमरोदा में स्थित है।

विजय माथूर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 25-8-1981  
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रख्युप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अगस्त 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)---अतः मुझे, विजय  
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. सं अधिक है  
और जिसकी स. वनभीम है, तथा जो दावरोदेव शाहगंज में  
स्थित है (और इससे उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाहगंज में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
1-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितिय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में  
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आइ/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय दायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती एच. एच. महरताज नवाब साजिदा सुलतान  
बेगम पुत्री स्वर्गीय नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खान,  
नि. केसर-ए-सुलतानी, अहमदाबाद, पैलेस,  
भोपाल-(म. प्र.)।

(अन्तरक)

2. श्री हरिचंद शाह पुत्र कल्याणजी, नि. बी-1,  
ताराबाग एस्टेट, चारनी रोड, बम्बई-400-004।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्त्वावधि व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृक्ष  
कि सी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

नवीन खसरा नं. 140, 143, 222, 229, 231 एवं  
232 (एक भाग) में स्थित वन-भूमि, जिसका कुल रक्खा  
95-96 एकड़ है, और जो ग्राम दावरोदेव एवं शाहबाद में स्थित  
है।

विजय माथुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, भोपाल

तारीख : 22-8-1981  
मोहर :

प्र० श्री एच. एच. मोहरताज नवाब साहिबा सुल्तान  
गायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकरशाखा का (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 अगस्त 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय थार,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उन्नी अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ (अधीन समाप्त प्रविधियाँ को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थान भवीत, त्रिवेत उत्तिरा आजार मूल्य 25,000/- पर से अधिक है)

र जिसकी सं. वनभूमि है, तथा जो सिमरोदा, अमरथोन स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण के रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, गोहरगंज रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के शीन, 1-12-1980

मैं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास रखने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति जा उत्तिरा आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का यह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरण (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया या प्रतिकल निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में अस्तिकारण से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण में तुझे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती एच. एच. मोहरताज नवाब साहिबा सुल्तान बेगम पत्री स्वर्गीय नवाब मोहम्मद हमीदल्ला खान, नि. केसर-ए-सुलतानी, अहमदाबाद, पैलेस, भोपाल-(म. प्र.).

(अन्तरक)

2. श्री हितेन्द्र शाह पुत्र कल्याणजी, नि. बी-1, तारा-बाग एस्टेट, चारनी रोड, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

उपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अन्सूची

प्राना सं. नं. 1/1, 2/2, 2/3, 2/4, 4/2, 110/3, 111/1, 112, 113/3/2, 115/2, 125/2 में स्थित वनभूमि जिसका कुल रक्का 98.86 एकड़ है और जो ग्राम अमरथोन व सिमरोदा में स्थित है।

विजय भाथुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 25-8-1981

मोहर :

प्रलूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 अगस्त 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय माथुर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स वनभूमि है, तथा जो शाहबाद, अमरथोर  
में स्थित है (और इससे उपावद्धत अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोहरगंज  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 1-12-1980

को प्रवर्कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ अन्तरिती की आय की बाजत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उसका अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आविहाएँ था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

1. श्रीमती एच. एच. मोहरसाज नवाब साजिदा सल्ताना  
बेगम पत्री स्वर्गीय नवाब भोहम्मद हमीदुल्ला खान,  
नि. कोसर-ए-सलतानी, अहमदाबाद, पैलेस,  
भोपाल-(म. प्र.)।

(अन्तरक)

2. श्री नवीन शाह पूत्र कल्याणजी, नि. बी-1 ताराबाग  
एस्टेट, चारनी रोड, बम्बई-400-004।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

नवीन खसरा नं. 232 व पुराने खं. नं. 2/1 में स्थित  
वनभूमि जिसका कुल रकबा 95.33 एकड़ है और जो ग्राम  
शाहबाद व अमरथोर में स्थित है।

विजय माथुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 25-8-1981

मोहर

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 अगस्त 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी० (अर्जन)—अतः मैरु, विजय  
माथूर,  
श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के  
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० में प्रधिक है

और जिसकी मं. वनभूमि है, तथा जो चिक्कलोदकलान सिमरोदा  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोहूरांज मे  
रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
विनांक 1-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास  
अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में नक्षित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के प्राप्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-  
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त प्रधिनियम, को धारा 269-ष के अनुसरण  
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के  
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
12-246 GI/81

(1) श्रीमती ए० ए० मोहरताज नवाब साजिदा सूलतान  
बेगन सूप्रिया स्व॒. नवाब भोहमद हमीद लला खान नि॒.  
केसर-ए-सूलतानी, अहमदाबाद पैलेस, भोपाल।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमल कमारी बड्जात्या पत्नी श्री गेदालाल  
नि॒. इन्दौ॑-विला, खण्डवा रोड, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
प्रधिनियम', के प्रधाय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया  
गया है।

### अनसूची

पराना खसरा नं. 36, 117/2, 127/2, 128 में स्थित  
वन-भूमि जिसका काल रक्खा 94.86 है और जो ग्राम  
चिक्कलोदकलान और सिमरोदा में स्थित है।

विजय माथूर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 25-8-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयोग (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 अगस्त 1981

निवेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) — अतः मुझे, विजय  
माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. वनभूमि है, तथा जो चिकिलोदकलान सिमरोदा  
में स्थित है (और इससे उपावश्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोहरगंज मे-  
रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 1-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के  
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से छूर्झ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती एच. एच. महरताज नवाब साजिदा सुल्तान  
बेगन सूपूत्री स्व. नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खान निः  
केसर-ए-सुल्तानी, अहमदाबाद पैलेस, भोपाल।  
(अन्तरक)

(2) मावजी ठक्कर सूपूत्र वेलजी ठक्कर, 27/28,  
जमनादास इन्डस्ट्रीयल स्टेट, डाक्टर आर. पी. रोड,  
मुमुक्षु (वेस्ट), बम्बई-400080।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर  
सूचना की हासिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदृढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

नवीन ल. नं. 49, 85, 101, 141 में स्थित वनभूमि  
जिसका कुल रक्का 96.83 एकड़ है, और जो ग्राम चिकिलोद-  
कलान और दादरोद में स्थित है।

विजय माथूर  
सहायक आयकर आयोक्ता (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज़, भोपाल  
तारीख : 25-8-1981  
माहूर्ज

विजय माथूर  
सहायक आयकर आयोक्ता (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज़, भोपाल

प्रकल्प घासी० डी० एन० एस०—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269-ए (1) के पश्चान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रौज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1981

(1) श्री कृष्णलाल सूपूत्र सूमरमलजी, नि. भारपाड़ा,  
तह. भटापाड़ा, जि. रामपुर (म. प्र.).।

(अन्तरक)

(2) श्री शम्मनलाल सूपूत्र गूरनामलजी सिंधी, नि. डबुरा  
मण्डी, डबुरा, जि. ग्वालियर (म. प्र.).।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यान्वयित्वों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याख्या—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोंत व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण—इसमें प्रयुक्त सर्वों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत 20-ए में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अस्याय में दिया  
गया है।

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम, के अंतर्गत कर देने के अन्तरक के बाविश्व में कभी  
करने या उससे बचने में वृद्धिका के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उससे अधिनियम, या बन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिश्चा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ए के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-ए की उपचारा  
(1) के अंतर्गत, लिखनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

बनसूची

“अरुणा मिल, डबुरा” के नाम से विख्यात संपत्ति, जिसका  
मकान नं. 104 है, और जो वार्ड नं. 11, स्टेशन रोड, डबुरा  
में स्थित है।

विजय माथूर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रौज, भोपाल

तारीख : 28-8-1981  
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी एसेंसी—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1981.

निवैशं सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हप्ते पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 46/1185 है, तथा जो कम्प रोड, लश्कर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, गवालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्षित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से, ऐसे दूर्घात प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(र) अन्तरण से ही किमी आय की बावत, उक्त अधिनियम के व्रघीन कर देने के अन्तरक के वायित्र में कमी करने ग उसमें बचने में सुविधा के लिए;

(र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती को प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, धौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों पर विजय माथूर

(1) श्रीमती सुनिता देवी पत्नी कृष्ण स्वरूप श्रीबास्तव, एड्वॉकेट, नि. गोहव, जि. भिण (म. प्र.)।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती ग्यानी देवी पत्नी बिहारीलाल वर्मा (सर्टफ), द्वारा रमेश ज्वेलर्स, टोपी बाजार, सुराफा, लश्कर, गवालियर (म. प्र.)।  
(अन्तरिती)

(3) श्री बृजमोहन श्रीबास्तव, प्रो. अनुपम फोटो स्टूडिओ और (2) मदन मोहन गुप्ता, प्रो. आल इंडिया सेल्स एजेन्सी, दोनों, नि. कम्प रोड, लश्कर, गवालियर।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्वत के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्प. भवन नं. 46/1185, जो कम्प रोड, लश्कर, गवालियर में स्थित है—का एक भाग।

तारीख : 28-8-1981  
माथूर ।

विजय माथूर  
सकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, भोपाल

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आश्रुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1981

निवारेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) — अतः मूँझे, विजय माथूर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 26/97 है, तथा जो रतन कालोनी,  
लक्ष्मण में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 26-12-1980  
क्षे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भन, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजिंदर कौर पत्नी सरदार भगवानसिंहजी  
नागपाल, नि. सोहनलाल बत्रा का मकान, बी. ओ.-  
21, पश्चिम शालीमार बाग, देहली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लाजवंती बाई पत्नी श्री श्यामलाल कुकरजा  
बवारा मंटो फायर बर्क्स, गांधी बाजारके निकट,  
जनक गज, लक्ष्मण, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

(3) (1) श्री नंदलाल सुपत्र दालूराम मदान और (2)  
श्रीमती भांदीबाई पत्नी दालूराम मदान, दोनों नि.  
53, रतन कालोनी, लक्ष्मण, ग्वालियर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रष्टोकरण** :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मू. भवन नं. 26/97, जो कि प्लाट नं. 53, रतन  
कालोनी, जीवाजीगंज, लक्ष्मण, ग्वालियर में स्थित है—का  
एक भाग।

विजय माथूर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आश्रुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज़, भोपाल

तारीख : 28-8-1981  
मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1981

निवेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)---अतः मझे, विजय माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 26/97 है, तथा जो गतन कालोनी, लक्ष्मण में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1/2-1-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त आधानयम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजिंदर काँस पत्नी सरदार भगवानसिंहजी नागपाल, नि. सोहनलाल बत्रा का मकान, बी. ओ.-21, पैश्चम शालीमार बाग, दहली। (अन्तरक)

(2) श्रीमती लाजवंती बाई पत्नी श्री श्यामलाल कक्करेजा द्वारा मेंट्रो फायर वर्क्स, गांधी बाजारके निकट, जनक गंज, लक्ष्मण, ग्वालियर। (अन्तरिती)

(3) (1) श्री नंदलाल स्पूत्र दालूराम भदान और (2) श्रीमती भांदीबाई पत्नी दालूराम भदान, दोनों नि. 53, रतन कालोनी, लक्ष्मण, ग्वालियर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्य. भवन नं. 26/97, जो कि प्लाट नं. 53, रतन कालोनी, जीवाजीगंज, लक्ष्मण, ग्वालियर में स्थित है—का एक भाग।

विजय माथूर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़, भोपाल

तारीख : 28-8-1981  
नामूद

प्रकल्प आई० टी० एव० एस०--  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी० (अर्जन)---असः मैफे, विजय  
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी म मकान नं 46/1185 है, तथा जो कम्पू  
रोड, लश्कर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 8-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात्  
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और  
अभिरिती (प्रभारितियों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप में कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
दायित्व में कही करने या उससे बचने में सुविधा  
के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1952 (1952 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
आय किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती सुनीता देवी पत्नी कृष्ण स्वरूप श्रीवास्तव,  
एड्ज्होकेट, नि. गोहव, जि. भिण्ड (म. प्र.)।  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती मूलोदेवी पत्नी किशनलाल वर्मा सराफ़),  
द्वारा रमेश ज्वेलर्स, टोपी बाजार, सराफ़, लश्कर,  
ग्वालियर (म. प्र.)।
- (3) श्री यद्धपाल सिंह, 3प-संचालक, आयवैदेविक, नि.  
मकान न. 46/1185, कम्पू रोड, लश्कर,  
ग्वालियर (म. प्र.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के  
निए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अधिकारी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी अधिकता तारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन  
बद्द किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

म्य. भवत 46/1185, जो कम्पू रोड लश्कर, ग्वालियर  
में स्थित है—का एक भाग।

विजय माथुर  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

प्रस्तुप आई० ट्री० एन० एस०—  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

### 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अगस्त 1981

निवैष सं. आई० ए० सी० (अर्जन) —अस्त: मझे, विजय  
माथूर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और  
और जिसके सं. मकान नं. 51/184 है, तथा जो कम्पू, लश्कर  
में स्थित है (और इसमें उपावदध अन्सूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
24-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
दृश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिन में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में ही फिसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में हमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी फिसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना आहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धांशः—

(1) श्री शोभाराम, तूलसीराम और रूपचंद सभी पत्रग  
श्री देवीरामजी बाथम, नि. कम्पू रोड, तिराहा,  
लश्कर, ग्वालियर (म. प्र.)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मतारानी जैन पत्नी श्री अनिल कम्पार जैन,  
द्वारा पारस मेडीकल स्टोर्स, कम्पू रोड, तिराहा,  
लश्कर, ग्वालियर (म. प्र.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्वन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
पमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

संदर्भक्रमः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 वाँ में परिभाषित है,  
वही अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

एक मकान जो "नवाब कोठी, कम्पू रोड, तिराहा, लश्कर"  
ग्वालियर में स्थित है, और जिसका क. 51/184 है—का  
एक भाग—प्रथम तला का उत्तरी भाग।

विजय माथूर  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज, भोपाल

तारीख : 27-8-1981  
सील :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रूज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अगस्त 1981

निवेदित सं. आई० ए० सी० (अर्जन)—अतः मुझे, विजय  
माथूर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की भारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं. मकान नं. 51/184 है, तथा जो कम्पू, लक्षकर  
में स्थित है (और इससे उपावहूध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
16-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान  
प्रतिफल का पछाह प्रतिशत से अधिक है और पर्यावरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाठा गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
महों किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—  
13—246GI/81

(1) श्री शोभाराम, सूनसीराम और रूपचंद सभी पत्रगण  
श्री देवीरामजी बाथम्, नि. कम्पू रोड, तिराहा,  
लक्षकर, ग्वालियर (म. प्र.).

(अन्तरक)

(2) श्री अजय कुमार जैन सूपत्र श्री कलाश चंद्रजी जैन,  
द्वारा पारस मेडीकल स्टॉर्स, कम्पू रोड, तिराहा,  
लक्षकर, ग्वालियर (म. प्र.).

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के  
लिए कार्यालयहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की ताबील से 30 दिन भी अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोषस्ताकारी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसरण

एक मकान जो, "नघाब कोठी, कम्पू रोड, तिराहा, लक्षकर"  
ग्वालियर में स्थित है, और जिसका क. 51/184 है—का  
एक भाग—भूतल का दक्षिणी भाग और संपूर्ण तलघर  
(underground floor).

विजय माथूर  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रूज़, भोपाल

तारीख : 27-8-1981  
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अगस्त 1981

निदेश सं. आई.ए.सी. (अर्जन)---अतः मुझे, विजय माथूर,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है  
 और जिसकी सं. मकान नं. 51/184 है, तथा जो कम्पू, लश्कर  
 में स्थित है (और इससे उपावदध अन्सूची में और पूर्ण रूप से  
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में,  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
 24-4-1981  
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हृष्यमान  
 प्रतिकल के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृष्टिमान प्रतिफल से ऐसे हृष्यमान प्रतिफल का  
 पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
 फल निम्नलिखित उत्तरवेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (1) श्री शोभाराम, तुलसीराम और रूपचंद्र सभी पृथग्ण  
 श्री देवीरामजी वाथम, नि. कम्पू रोड, तिरहा,  
 लश्कर, ग्वालियर (म. प्र.).  
 (अन्तरक)
- (2) श्रीमती लता जैन सूपूत्री श्री सुभाषचंद्र जैन, नि. ग्राम  
 अटरो, तह. व जिला—भिंड (म. प्र.).  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्टि  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

मृत्युसूची

एक मकान जो “नवाब कोठी, कम्पू रोड, तिरहा, लश्कर”  
 ग्वालियर में स्थित है, और जिसका क्र. 51/184 है—का  
 एक भाग—प्रथम तल का दक्षिणी भाग।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण  
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

विजय माथूर  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज़, भोपाल

तारीख : 27-8-1981  
 माहूर

प्रस्तुत थाई० टी० एन० एस०—

उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के पर्वीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अगस्त 1981

निदेश सं. आई० ए० सी० (अर्जन)—अतः मझे, विजय  
माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है।

और जिसकी सं. मकान नं. 51/184 है, तथा जो कम्पू, लश्कर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध जनसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, न्यालियर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
19-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि प्रायपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
छेदों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है।—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन मा अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती बूवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रत: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में;  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः—

(1) श्री शोभाराम, त्रूलसीराम और रुपचंद सभी पूर्वगण  
श्री देवीरामजी बाथम, नि. कम्पू रोड, तिराहा,  
लश्कर, न्यालियर (म. प्र.)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री कलाशचंद्र जैन, बूवारा  
पारस मेडीकल स्टार्ट, कम्पू रोड, तिराहा, लश्कर,  
न्यालियर (म. प्र.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए  
कार्रवाहियाँ गुरु करता है।

उक्त नियम के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
न किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाकारी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

उपचारीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-  
नियम 1 अध्याय 20-व में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृती

एक मकान जो 'नवाब कोठी, कम्पू रोड, तिराहा, लश्कर' नामक  
न्यालियर में स्थित है, और जिसका क. 51/184 है—का  
एक भाग—दिवतीय तल और उसके ऊपर की छत, दोनों का  
दक्षिणी भाग।

विजय माथूर  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 27-8-1981  
मोहरः

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (नियोक्ता)

अर्जन रॉज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अगस्त 1981

निवेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)---अतः मृभे, विजय  
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 51/184 है, तथा जो कम्प., लश्कर  
में स्थित है (और इससे उपादवध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
19-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में की करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधृतः :--

(1) श्री शोभाराम, तुलसीराम और रूपचंद्र सभी पूत्रगण  
श्री देवीरामजी वाथम, नि. कम्प. रोड, तिराहा,  
लश्कर, ग्वालियर (म. प्र.).

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाशचंद्र जैन सुपत्र श्री उत्कृष्ट राम जैन, द्वारा  
पारस मेडीकल स्टोर्स, कम्प. रोड, तिराहा, लश्कर,  
ग्वालियर (म. प्र.).

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यधारियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर<sup>1</sup>  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित तर੍ह किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक मकान जो "नवाब कोठी, कम्प. रोड, तिराहा, लश्कर"  
ग्वालियर में स्थित है, और जिसका क. 51/184 है—का  
एक भाग—दिवतीय तल और उसके ऊपर की छत, दोनों का  
उत्तरी भाग।

विजय माथुर  
सक्षम प्राधिकार  
सहायक आयकर आयूक्त (नियोक्ता)  
अर्जन रॉज़, भोपाल

तारीख : 27-8-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अगस्त 1981

निवर्णा सं. आई.ए.सी. (अर्जन)---अतः मूल्य, विजय माथूर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. मकान नं. 51/184 है, तथा जो कम्पू, लश्कर में स्थित है (और इससे उपावहूष अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
11-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति:-

(1) श्री शोभाराम, तूलसीराम और रूपचंद सभी पूत्रगण श्री देवीरामजी बाथम्, नि. कम्पू रोड, तिराहा, लश्कर, ग्वालियर (म. प.).

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार जैन सुपत्र श्री कैलाशचंद्र जैन, द्वारा पारस मंडीकल स्टोरी, कम्पू रोड, तिराहा, लश्कर, ग्वालियर (म. प.).

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो "नवाब कोठी, कम्पू रोड, तिराहा, लश्कर" ग्वालियर में स्थित है, और जिसका क. 51/184 है—का एक भाग—भूतल का उत्तरी हिस्सा।

विजय माथूर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 27-8-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आई. टो. एन. एस.—

आयरुर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269वं (1) के अधीन मूल्यमा

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 1981

निदेश नं. ए एस आर/81-82/152—यतः मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इहके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269वं के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारब्ल है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. प्राप्ती बीना नगर में है तथा जो गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वरिण्ठ है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस आर गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक विसम्बर 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की बई है और मुझे यह विवास करने का कारब्ल है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उम्म पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित तदेश से उक्त अन्तरण निम्नत में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। प्रौर्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269वं के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की घारा 269वं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोगतः—

- (1) श्री विनेश ओहरी बकील अर्टनी आफ भदन माहन शर्मा पोस्ट बाक्स 379 स्काटो (नाईजीरिया) हाल वासी दीना नगर, तहसील और जिला गुरदासपुर।
- (2) श्री किशन चन्द्र पत्र दीना नाथ (1/4 हिस्सा) सुभाष चन्द्र, राज मनी पुत्रान सीतल प्रसाद (1/4 हिस्सा) चमन लाल पुत्र बुद्धा मल (1/8 हिस्सा) और तरलोक चन्द्र, पत्र कते चन्द्र (1/8 हिस्सा) सभी वासी दीना नगर, तहसील और जिला गुरदासपुर।
- (3) जैसा कि सं. 2 और कोई किरायेवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर निपति में हितबद्ध किसी प्रथम अन्तरिती द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20वं में परिभाषित है, वही अर्थ दोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 10 कनाल दीना नगर तहसील और जिला गुरदासपुर में जैसा कि सेल डीड नं. 57541 दिनांक 3-12-80 रजिस्ट्री-अधिकारी द्वारा गुरदासपुर में दर्ज है।

आनन्द सिंह  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, अमृतसर

तारीख: 27-8-81

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर व्याकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, विदाक 20 अगस्त 1981

निवेश नं. ए. पी. 2734—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो जालंधर में स्थित है (और इससे ऊपरवाध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक विदम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्तवेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीदित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की वावत उक्त सम्पत्ति अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविस्थयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरक्षन महाजन पूर्णी हस राज महाजन, वासी डब्ल्यू जे-26, बस्ती गुजार, जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री शीतल कुमार पूर्ण बस्ते प्रकाश, वासी एस-9, हन्डस्ट्रीयल एरिया, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिभाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 5494, दिनांक दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

आर. गिरधर  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख : 20-8-81

मोहर :

प्रस्तुप थाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालंधर

जालंधर, दिनांक 22 अगस्त 1981

निवेश सं. ए. पी. 2735—यतः मूझे, आर. गिरधर, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंचित्वाना गांव में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुकेरीआ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1980 कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरुत प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप में लिखित नहीं किया गया है

(क) अस्तरण से दूरी किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी व्यवय या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

(1) श्री बाबा सिंह, अमरीक सिंह, मोहिन्द्र सिंह पुत्र हन्द्र सिंह वासी गांव किंचित्वाना, पुलिस स्टेशन मुकेरीआ तहसील दसहां, जिला होशियारपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र खाजान सिंह, गांव भगारा, थाना मुकेरीआ, तहसील दसहां, जिला होशियारपुर।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पर्यन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर तदों का, जी उक्त प्रधिनियम के प्रव्याय 20-क में परिचालित है, वही प्रथम होगा, जो उन प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्प्रति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 1720, दिनांक दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मुकेरीआ में लिखा है।

आर. गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, जालंधर

तारीख : 22-8-81  
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, जालधर

जालधर, दिनांक 24 अगस्त 1981

निदेश सं. ए. पी. 2736—यतः मुझे, आर. गिरधर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
किंचित्ता गांव में स्थित है (और इससे उपाबृध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय मुकेरीओं में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वान्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
मौहर/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्रीमती सुरजीत काँव पत्नी उजागर सिंह, वासी  
किंचित्ता गांव मुकेरीओं, तहसील दसुहा, जिला होशियारपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र खाजान सिंह, गांव शंगारा,  
थाना मुकेरीओं, तहसील दसुहा, जिला होशियार-  
पुर।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उक्त नं. 2, में लिखा है  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 1721, दिनांक  
दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मुकेरीओं में लिखा  
है।

आर. गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, जालधर

तारीख : 24-8-81  
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—246GI/81

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 26 अगस्त 1981

निर्देश सं. ए. पी. 2737—यतः मूर्ख, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ दिक्षी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

(1) श्रीमती सवर्ण वर्षभी पत्नी बलदेव सहाए, वासी 203 साउथ एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वर्षन गुजराल पत्नी डी. सी. गुजराल, वासी कोठी मनोरमा, पोस्ट ऑफिस रोड, सिविल लाइन, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बाद में समाप्त होती हौं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेस नं. 5872, विनांक दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

आर. गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रँज, जालंधर

तारीख : 26-8-81  
मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०---

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-म(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 27 अगस्त 1981

निवेश नं. ए. पी. 2738—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-म के अधीन सम्बन्धीय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुमति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाधूक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पश्चरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुवारण लिखित में ग्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य मासितियों को जिसे भारतीय पायन-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अनुरिती द्वारा प्रष्ठट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, उपरोक्त सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुवारण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपराया (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुशील कुमार पुत्र हंस राज महाजन, वासी: इन्डिया जे 26, वस्ती गुजार, जालंधर  
(अन्तरक)

(2) श्री वीतल कुमार पुत्र बंसल प्रकाश, वासी: एस-9, इन्डस्ट्रीयल एरेया, जालंधर।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए जायावृद्धि करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीय अधिकारियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारियों में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**उपर्योगावशः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रारंभ व पदों का, आ। उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याय होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि लिखे नं. 2899, दिनांक जुलाई 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

आर. गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख : 27-8-81  
मोहर :

प्रश्नपत्र आहू. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 27 अगस्त 1981

निदेश नं. ए. पी. 2739—यतः मुझे, आर. गिरधर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थानीय संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक जून 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आद की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अत तब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ?---

(1) श्री मूलख राज महाजन पुत्र हंस राज महाजन, वासी  
डल्लू जू 26, बस्ती गुजारा, जालंधर

(अन्तरक)

(2) श्री शीतल कुमार पुत्र बसंत प्रकाश, वासी एस-9  
इन्डस्ट्रीयल एरिया, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन वाले अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विनेक नं. 2142, दिनांक  
जून 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

आर. गिरधर  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख : 27-8-81  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, जालंधर

जालंधर, दिनांक 28 अगस्त 1981

निवेश नं. ए. पी. 2740—यतः मुझे, आर. गिरधर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अन्यथा में लिखा है तथा जो  
फिरोजपुर छावनी में स्थित है (और इससे उपबद्ध अन्य-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
वन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा-  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यह अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ की अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः:—

(1) श्रीमती कमला वती जैन विश्वा जगमंदर दास, वासी  
फिरोजपुर छावनी

(अन्तरक)

(2) श्री बावा जसबीर सिंह पुत्र प्रीतम सिंह, वासी  
फिरोजपुर छावनी

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि उपर नं. 2, में लिखा है  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में राजि रखता हो  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना प्राप्ती करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त छोटी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्धुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि घिनेख नं. 5191, दिनांक  
दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर ने लिखा  
है।

आर. गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, जालंधर

तारीख : 28-8-81  
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी-इन-एस—

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 28 अगस्त 1981

निम्नेशं नं. ए. पी. 2741—यतः मुझे, आर. गिरधर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
घारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास  
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि प्रवापूर्वक सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय काया बया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उत्तर से उक्त प्रस्तुत अधिनियम में वास्तविक रूप से कथित  
वर्णी किए गया है—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्त्र आस्तियों  
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपकारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात्—

(1) श्री बलबीर सिंह पूर्ण भगत सिंह द्वारा करनैल सिंह.  
मुस्तबार, वासी महल्ला गुरु नानक पुरा, फगवाड़ा  
(अन्तरक)

(2) श्री सोभा राम पूर्ण देवी दिता राम, शीशन लाल पूर्ण  
सोभा राम, उत्तम बाई पत्नी सोभा राम, तिलक  
राज, बृजपाल पूर्ण शीशन लाल, वासी महली गंड,  
फगवाड़ा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कायेकाहियो भरता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यापे ।—

(क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य अविक्षय द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अन्तर्याम 20-व में परिचालित है, वही अर्थ हीया जो उस अन्तर्याम में दिया गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2189, दिनांक  
दिसम्बर 1980, के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

आर. गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख : 28-8-81  
मोहर : [ ]

प्रख्यूप आई० डी० एन० एप०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 28 अगस्त 1981

निदश नं. ए. पी. 2742--यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी अधिकारी को, यह विवाद करने का गारण है कि स्थावर प्रमाण, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- रु० पे प्रधिक है

और जिसकी सं। जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबूध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1980

को प्रौद्योगिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूझमान प्रतिकल के लिए अनुचित की गई है और मुझे यह विवाद करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे प्रतिकल के लिए तथा पाया या प्रतिकल, तिम्बलिक्षित उत्तेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से दूई किमो धारा की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रम्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी:—

(1) श्री बलबीर सिंह पुत्र भगत सिंह बवारा करनैल सिंह भाई, वासी महल्ला गुरु नानक पूरा फगवाड़ा (अन्तरक)

(2) श्री सोभा राम पुत्र देवी दिला राम, शीशन लाल पुत्र सोभा राम, उतम बाई पत्नी सोभा राम, तिलक राज बृज पाल पुत्र शीशन लाल, वासी महली गंड, फगवाड़ा। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाँटेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2194, दिनांक दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

आर. गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रौज, जालंधर.

तारीख : 28-8-81

माहूर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 28 अगस्त 1981

निष्ठेश नं. ए. पी. 2743—यतः मूर्ख, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यद् विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1981 का पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुर्ई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री करनैल सिंह पुत्र भगत सिंह, वासी महल्ला गुरु नानक पुरा, फगवाड़ा (अन्तरक)
- (2) श्री सोभी राम पुत्र वंचीदिता राम, शीशन लाल पुत्र मोभा राम, उतम बाई पत्नी सोभा राम, तिलक राज, बृजपाल पुत्र शीशन लाल, वासी महनी गढ़, फगवाड़ा (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उक्त नं. 2, में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के व्यक्ति के प्रमाणन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदनुसन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**उपलब्धीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2566, दिनांक दिसम्बर 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

आर. गिरधर  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख : 28-8-81

मोहर :

प्रस्तुप बाहूँ. टी. एन. एस.—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 28 अगस्त 1981

निदेश नं. ए. पी. 2744—यतः मूर्ख, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनमूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूर्खे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृँ किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर हैने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

15—246GI/81

(1) श्री करनैल सिंह पुत्र भगत सिंह, वासी मोहल्ला गुरु नानक पुरा, फगवाड़ा

(अन्तरक)

(2) श्री सोभा राम प्रत्त देवीदिता राम, शीशन लाल पुत्र सोभा राम, उत्तम बाहूँ पत्नी सोभा राम, तिलक राज बृज पाल पुत्र शीशन लाल, वासी मेहली गेट, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उक्त नं. 2, में लिखा है  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताम्रील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनूसनी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2588, दिनांक जनवरी 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

आर. गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख : 28-8-81  
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री सुजित दे।

(अन्तरक)

—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) लान्ड एण्ड कन्स्ट्रक्शन कं.

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 17 अगस्त 1981

निवैश सं. 932/एसीक्यू. आर-11/81-82—यतः,  
मुझे, आई. वी. जूनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 8 है, तथा जो अभय सरकार लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपादवध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहृताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

(क) अन्तरण में है किसी आय की वापन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

8, अभय सरकार लेन, कलकत्ता, 6 के—1 सीएच—35 वर्ग फाई जमीन पर मकान। (1/7 वा शेष)। वॉल्स से 6917।

आई. वी. एस. जूनेजा  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),  
अर्जन रेज-111, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 17-8-1981  
मोहूर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 22nd August 1981

No. A. 35014/2/80-Admn. II.—In continuation of this office Notification of even number dated 27-8-80, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. P. Jain, a permanent Section Officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to the *ex-cadre* post of Accounts Officer on an *ad-hoc* basis for a period of one year with effect from 10-9-81, or until further orders, whichever is earlier.

Shri M. P. Jain will be on deputation to the *ex-cadre* post of Accounts officer and his pay will be regulated in terms of the instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) OM No. F. 10(24)/E. III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

The 24th August 1981

No. P/1744-Admn. II (Vol. IV).—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Chand Kiran, a permanent Research Assistant (Hindi) of the office of Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) in the office of Union Public Service Commission for a period of three months w.e.f. 1-8-1981 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Chand Kiran will be on deputation to the post of J.R.O. (Hindi) and his pay will be regulated in terms of Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F. 1(11) E III/75 dated 7-11-1975 as amended from time to time.

P. S. RANA,  
Section Officer,  
for Secy.  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 17th August 1981

No. A. 38013/7/80-Admn.III.—The President is pleased to permit Sh. Vaid Prakash a permanent Section Officer of Central Secretariat Service Cadre and officiating in Grade I of Central Secretariat Service as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission to retire from Government Service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31st July, 1981.

Y. R. GANDHI,  
Under Secy. (Admn.)  
Union Public Service Commission.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 28th August 1981

No. A-19035/1/81-AD.V.—Shri S. Ramamurthy promoted as Office Superintendent on *ad-hoc* basis with effect from 13-7-1981 in the leave vacancy stands reverted as Crime Assistant with effect from 24-8-1981 forenoon.

Q. L. GROVER,  
Administrative Officer (E)  
C. B. I.

## DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110022, the 26th August 1981

No. O. II-1583/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. (Miss) Rajasri Naik as General Duty Officer Grade-II (Dy. S. P./Coy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st August 1981 subject to her being medically fit.

No. O. II-1596/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Rajendra Prasad as General Duty Officer Grade-II (Dy. SP/Coy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17th August 1981 subject to his being medically fit.

The 28th August 1981

No. O. II-1580/81-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. Indra Mohan Thakur GDO Gd-II of 19 Bn CRPF with effect from the afternoon of 11th July, 1981 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary services) Rule, 1965.

No. O. II-1597/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. H. D. Somanath as General Duty Officer Grade-II (Dy. SP/Coy. Comdr) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17th August 1981 subject to his being medically fit.

No. O. II-1455/79-Estt.—The Director General, C.R.P. Force is pleased to appoint Dr. Anil Kaushal as General Duty Officer Grade II in the C.R.P. Force on *ad-hoc* basis with effect from the Forenoon of 17th August 1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O. II-1598/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Narendra Nath Gavai as General duty Officer Grade-II (Dy. SP/Coy. Comdr) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17th August 1981 subject to his being medically fit.

A. K. SURI,  
Assistant Director (Estt)

## MINISTRY OF FINANCE

## DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

## BANK NOTE PRESS

Dewas, the 22nd August 1981

No. BNP/C/5/81.—Based on the recommendation of the D.P.C. (Group "B"), Shri D. O. Saxena, officiating as Stores Officer in the Bank Note Press, Dewas is appointed in a substantive capacity in the same post with effect from 31st August, 1976.

M. V. CHAR,  
General Manager

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNT DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR  
GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 28th August 1981

No. CA.I/299-69.—On his attaining the age of superannuation Shri M. R. Bhave, Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Western Region, Bombay has retired from service with effect from 31-7-1981 A. N.

M. A. SOMESWARA RAO,  
Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL  
REVENUES

New Delhi, the 26th August 1981

No. Admn.I/O.O.199.—The Director of Audit (CR), hereby appoints the following permanent Section officers of this office to officiate as Audit Officers in the Scale of Rs. 840-1200 with effect from the forenoon of 24-8-1981 until further orders :—

Sl. No. &amp; Name

1. Shri M. P. Mathur
2. Shri Y. S. Gupta
3. Shri K. K. Aggarwal

(Sd./.) ILLEGIBLE  
Joint Director of Audit (Admn.)

**OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
COMMERCE WORKS & MISC**

New Delhi, the 31st August 1981

O.O. No. Admn. I/101.—The following Audit Officers of this organisation are appointed in a substantive permanent capacity with effect from the dates given against each :—

*Sl. No., Name & Date of Confirmation*

S/Shri

1. D. D. Gupta—1-10-80
2. Bachan Singh—1-10-80
3. D. K. Chattarjee—1-1-81

M. S. SARNA,  
Director of Audit.

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,  
KARNATAKA**

Bangalore-560001, the 18th August 1981

No. ES. I/A4/81-82/524.—The Accountant General is pleased to promote Shri V. N. Parande, permanent Section Officer as Accounts Officer in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of his seniors, if any, with effect from the date of taking over charge.

V. A. MAHAJAN,  
Sr. Dy. Accountant General  
(Administration).

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT**

**OFFICE OF THE CONTROLLER OF DEFENCE  
ACCOUNTS**

**SOUTHERN COMMAND**

Poona-411001, the 25th August 1981

No. A/N/11310/NM.—Shri N. Madhavan, Son of Shri S. Narayan Chari, Q.Pt. Aud. (A/c No. 8302717) of this organisation absented himself without any report and has unauthorisedly been absent since 9-4-80. The memos issued to him at his known address have been received back undelivered. The charge-sheet for major penalty sent to him at his known address has also been returned undelivered by the Postal Authorities with the remarks 'Left' Shri N. Madhavan also failed to be present before the 'Inquiry Officer' and hence the inquiry was held *ex parte*. He is, therefore, considered as absconding. It has, therefore been decided by the disciplinary authority to remove him from service with effect from Eighteenth August 1981.

SMT. INDU LIBERHAN,  
Jt. Controller of Defence Accounts,  
Southern Command, Pune-1,

**MINISTRY OF COMMERCE**

**OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS**

New Delhi, the 25th August 1981

**IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)**

No. 6/428/56-ADMN(G)/5045.—On attaining the age of superannuation, Shri D. K. Khosla, relinquished charge of the post of Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of 31st March, 1981.

The 27th August 1981

No. 6/744/65-ADMN(G)/5041.—On attaining the age of superannuation, Shri P. C. S. Pissurencar relinquished charge of the post of Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of

Imports and Exports, Bombay, on the afternoon of the 31st July, 1981.

A. N. KAUL,  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
For Chief Controller of Imports and Exports

**(DEPARTMENT OF TEXTILES)**

**OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR  
HANDLOOMS**

New Delhi, the 3rd August 1981

No. A-12025(I)/6/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 10th April, 1981 and until further orders, Shri Prem Chand Jain, as Assistant Director Grade-I (Processing) in the Weavers Service Centre, Vijayawada.

P. SHANKAR,  
Addl. Development Commissioner for Handlooms.

**MINISTRY OF INDUSTRY**

**(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES**

New Delhi-110011, the 26th August 1981

No. A-19018/512/80-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Amresh Kumar Mitra, Asstt. Technical Adviser, Office of the Food & Nutrition Board, Eastern Region, Calcutta as Deputy Director (Food) at Small Industries Service Institute, Madras with effect from the forenoon of 24th July, 1981 until further orders.

No. A-19048/540/21-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Phool Singh as Programmer in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the forenoon of 7th August, 1981 until further orders.

C. C. ROY,  
Deputy Director (Admn)

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(ADMN. SECTION A-6)**

New Delhi-110001, the 25th August 1981

No. A-17011/196/81-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri M. Gnanananda Rao, Examiner of Stores (Met) in the Jamshedpur Inspectorate to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Inspecting Officer (Met) in the Bhilai Sub-office under same Inspection Circle with effect from the forenoon of 15th July, 1981 and until further orders.

No. A-17011/197/81-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri D. K. Sen Gupta, Examiner of Stores (Met) in the Burnpur Inspection Circle to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Inspecting Officer (Met) in the same Inspection Circle with effect from the forenoon of 27th July, 1981 and until further orders.

The 28th August, 1981

No. A-6/57(8)Vol.X.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoint the following officers substantively to the post of Assistant Inspecting Officers (Met-Chem) with effect from the dates mentioned against each :—

Sl. No.	Name of officer	Date of confirmation
1	2	3
S/Shri		
1.	R. K. Chakravorty . . . . .	4-6-77
2.	Sabalendu Das . . . . .	1-7-79
3.	P. X. Antony . . . . .	1-2-80

1	2	3
S/Shri		
4. Haripada Taraphadar	.	1-8-80
5. A. K. Chatterjee	.	20-1-81

P. D. SETH,  
Dy. Dir. (Admn.),  
For Dir. Gen. of Supp. and Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA  
(KHAN VIBHAG)  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 24th August 1981

No. 5091B/A-32013(SO)/80-19A.—Shri H. C. Srivastava, Stores Superintendent (Tech.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Stores Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 25-6-1981, until further orders.

The 25th August 1981

No. 5108B/2339(JKS)/19B.—Shri Jayanta Kr. Sircar, Asstt. Geophysicist, Geological Survey of India relinquished charge of the post of Asstt. Geophysicist of this Department w.e.t. 30-9-80 (A.N.) on resignation.

No. 5115B/A/19012 (1-SC)/80-19A.—Shri Shamir Chowdhury is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650 per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 1st June, 1981, until further orders.

No. 5128B/A-32013/(AO)/80/19A.—Shri N. Chatterjee, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Admn. Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 9th July 1981 until further orders.

No. 5140B/A-32014(1-Assstt.Geol.)/80-19A.—The following Senior Technical Assistants (Geology), Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Geologists in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the dates shown against each, until further orders:—

1. Shri M. S. Raman—1st June 1981 (F.N.).
2. Shri Anil Kr. Kacker—26th May 1981 (F.N.).
3. Shri Dinesh Kr. Srivastava—26th May 1981 (F.N.).

V. S. KRISHNASWAMY  
Director General,  
Geological Survey of India.

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-110001, the 27th August 1981

No. F. 12-2(A)/81-Estt.—On her reversion from deputation the Director of Archives, Government of India hereby appoints Shrimati Sasikala S. Parambath, Permanent Assistant Librarian to the Post of Librarian, (Class II) (Group B) (Gazetted) on a regular temporary basis w.e.f. 17th August 1981 (F.N.) until further orders.

B. S. KALRA  
Administrative Officer  
National Archives of India  
for Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES  
New Delhi, the 22nd August 1981

No. A-19018/20/81-CGHSL.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. K. K. Chaudhury Research Assistant Min. of H. & F. W. to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 2nd July, 1981.

T. S. RAO  
Dy. Director Admn. (CGHS. I).

MINISTRY OF AGRICULTURE  
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND  
COOPERATION)

DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 6th August 1981

No. F. 5-43/81-Estt (I).—On attaining the age of superannuation, Shri I. S. Chawla officiating Assistant Administrative Officer, Group 'B' (Gazetted) in the Directorate of Extension, Department of Agriculture & Cooperation, Ministry of Agriculture retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July 1981.

K. G. KRISHNA MOORTHY  
Director Administration.

MINISTRY OF IRRIGATION  
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER  
FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farakka Barrage, the 21st August 1981

No.E/P-51(pt)II/9173(8)—The undermentioned Civil/Electrical/Mechanical Overseers of this Project have been promoted as Assistant Engineer (Civil)/Assistant Engineer (Electrical)/Assistant Engineer (Mechanical) in the Farakka Barrage Project, Ministry of Irrigation, Government of India on ad-hoc basis for a period of one year with effect from the dates mentioned ag. inst each or till the posts are filled on regular basis which ever is earlier :—

Sl. No.	Name	Designation	Date from which promot- ed
1. T. N. Roy	Asstt. Engineer (Civil)	30-10-80	
2. S. Hazra	Do.	27-10-80 (A.N.)	
3. K. C. Basak	Do.	28-10-80	
4. I. K. Paul	Do.	27-10-80	
5. A. K. Pal	Do.	29-10-80	
6. P. K. Chowdhury	Do.	27-10-80	
7. S. Halder	Do.	27-10-80 (A. N.)	
8. S. K. Banerjee	Do.	5-3-81 (A.N.)	
9. P. K. Roy	Do.	5-3-81	
10. A. P. Agarwalla	Do.	5-3-81 (A. N.)	
11. S. C. Mitra	A. E. (Electrical)	27-10-80	
12. S. K. Hazra	Do.	24-6-81	
13. K. P. Palchowdhury	A. E. (Mechani- cal)	24-6-81	

Farakka, the 21st August 1981

No. E/D-8(Doctors)/9174/(9).—Dr. N. C. Reddy and Dr. (Mrs.) Subhra Gomes have been appointed as Medical Officers in the Farakka Barrage Project, Ministry of Irrigation, Government of India on ad hoc basis for a period of one year with effect from 15th December 1980 (F.N.) and 8th June 1981 (F.N.) respectively.

R. V. RANTHIDEVAN  
General Manager  
Farakka Barrage Project

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 13th August 1981

No. PA/76(3)/80-R-III(I).—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Tirunelveli Kalyanasundaram Ramamoorthy, officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on ad-hoc basis in this Research Centre with effect from the forenoon of June 1, 1981, until further orders.

No. PA/76(3)/80-R-III(I).—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Jayantilal Vanmalidas Panchal officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on ad-hoc basis in this Research Centre with effect from the forenoon of June 9, 1981, until further orders.

The 20th August 1981

No. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the following officials to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on ad-hoc basis for the period indicated against each

S. No.	Name	Present designation	Period
		From	To
S/Shri			
1. P. B. Karandikar	Assistant	1-7-81	11-8-81
2. A. K. Katre	Assistant	27-5-81	14-8-81
3. S. R. Pingre	S. G. C.	1-7-81	11-8-81

A SANTHAKUMARA MENON,  
Dy. Establishment Officer.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 27th August 1981

No. E(I)/05323.—Shri K. K. Mandal, Assistant Meteorologist, Regional Meteorological Centre, New Delhi, India Meteorological Department, retired voluntarily from the Government service with effect from the afternoon of 31st May 1981.

K. MUKHERJEE  
Meteorologist (Establishment)  
for Director General of Meteorology.

New Delhi-3, the 26th August 1981

No. A. 32013(Dir.)/4/80-E.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned Meteorologists Grade I, India Meteorological Department, to officiate as Director in the same Department, with effect from the dates indicated against their names and until further order

- |                            |           |        |
|----------------------------|-----------|--------|
| 1. Shri C. P. Rao          | 27-7-1981 | (A.N.) |
| 2. Shri A. K. Sen Sarma    | 28-7-1981 |        |
| 3. Dr. V. Venkateswarlu    | 27-7-1981 | (A.N.) |
| 4. Shri D. V. Subramanian. | 27-7-1981 | (A.N.) |
| 5. Shri S. R. Puri         | 28-7-1981 |        |
| 6. Shri S. J. Maske        | 27-7-1981 | (A.N.) |

S. K. DAS,

Additional Dir. Gen. of Meteorology (I)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th August 1981

No. A-12025/1/80-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the undermentioned two officers as Licensed Engineer in the office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi in an officiating capacity from the date shown against each and until further orders :—

1. Shri P. L. Johny with effect from 4th August 1981 (A.N.).
2. Shri Robert Michael Armstrong with effect from 1st August 1981 (A.N.).

J. C. GARG

Assistant Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 20th August 1981

No. A-32014/1/81-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Vishram Singh, Senior Fire Foreman to the grade of Assistant Fire Officer on ad-hoc basis for a further period of six months from 1st March 1981 to 31st August 1981 or till regular appointment to the grade of Assistant Fire Officer is made whichever is earlier.

2. The aforesaid appointment will not bestow on him a claim for regular appointment, and the service so rendered, will not count for purpose of seniority in the grade and eligibility for promotion to the next higher grade.

E. L. TRESSLER  
Assistant Director of Administration.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Pune, the August 1981

No. II/3-19/E.I/81/3641.—Shri P. J. Parkhi, Superintendent Central Excise Group 'B' in Pune C. Ex. Collectorate has expired on 18th April 1981.

H. M. SINGH

Collector of C. Ex., Pune

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT  
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 25th August 1981

(MERCHANT SHIPPING)

No. 6(3)CRA/81.—The Director General of Shipping, Bombay appoints Shri Subhash Chandra Gupta as Asstt. Director, Seamen's Employment Office, Bombay with effect from afternoon of the 24th July 1981 and until further orders.

B. K. PAWAR  
Dy. Director General of Shipping  
for Director General of Shipping.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 28th August 1981

22/1/81-Adm.I(B)—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints the following officials, belonging to the grade of Technical Assistant, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service w.e.f. the dates indicated against

each of the Central Electricity Authority in an officiating capacity, until further orders :—

S. No.	Name	Grade to which belong	Date of taking over charge
1.	Shri S. P. Chander	Technical Asstt.	13-7-81 (F. N.)
2.	Shri S. M. A. Usmani	Do.	29-6-81 (F. N.)
3.	Shri A. K. Mittal	Do.	27-6-1981 (F. N.)
S. BISWAS, Under Secy.			

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 21st August, 1981

No. 19012/914/81-Estt. V—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E. B-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the dates noted against their names —

Sl. No.	Name of officers, with designation	Date of assumption of charge as EAD/ posted AE	Where of charge as EAD/ posted AE
S/Shri			
1.	S. K. Kshatri, Supervisor	8-6-81 (Forenoon)	P&M Dte.
2.	Yogesh Kumar Handa, Design Assistant	10-7-81 (Forenoon)	C&MDD-I
3.	Kakkan Sambhamurti, Design Assistant	13-7-81 (Forenoon)	B&CD-II Dte.
4.	Joginder Singh (II), Supervisor	29-7-81 (Forenoon)	G&D-II Dte.

A. BHATTACHARYA,  
Under Secy.,  
Central Water Commission

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION  
DEPARTMENT OF SUPPLY  
NATIONAL TEST HOUSE  
Calcutta-27, the 1st July 1981

No. G-65/B(Con.)—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta has been pleased to appoint Shri N. Radhakrishnan, Scientific Assistant (Mechanical), National Test House, Alipore, Calcutta as Scientific Officer (Mechanical) in the Office of the National Test House, Madras Branch, Madras, on an ad-hoc basis w.e.f. 21st May 1981 until further orders.

Sl. No.	Name	From	To	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Shri T. N. Sreedharan Nair	ITI (on promotion as ITO, Gr. B.)	ITO, D-Wd. Palghat.	Vice Shri N. K. Vijayaraghavan t/d. Services placed at the disposal of the C. I. T., Trivandrum.
2.	Shri C. D. Hariharan	Do.		

The 5th August 1981

No. G-65/B(Con.)—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta has been pleased to appoint Shri S. N. Bhagwat, Scientific Assistant (Chemical), National Test House, Calcutta as Scientific Officer (Chemical) in the office of the National Test House, Madras Branch, Madras, on ad-hoc basis with effect from 10th July 1981 (F/N) until further orders.

A. BANERJEE  
Deputy Director (Admn.),  
for Director General,  
National Test House, Calcutta.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS  
COMPANY LAW BOARD  
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Himadri Foods Private Limited*

New Delhi, the 27th June 1981

No. 6668/5898/2747/12169.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Himadri Foods Pvt Ltd, has this day been struck off the name of Himadri Foods Pvt Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Navyug Sales (Agencies) Pvt. Limited*

New Delhi, the 14th August 1981

No. 5695.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Navyug Sales (Agencies) Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. B. SAXENA  
Asstt. Registrar of Companies  
Delhi & Haryana.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
Cochin-682016, the 4th August 1981  
ORDER

Subject :—Estt-ITO Group-B-Promotion Orders-Issue of—  
C. No. 2/Estt/Con/81-82.—The following promotions, postings and transfers are hereby ordered :—

## I. Promotions :

The following Inspectors of Income-tax are hereby appointed to officiate as Income-tax Officers, Group-B, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-E. B. -35-880-40-1000-E. B. -40-1200 with effect from the date(s) they take over charge and until further orders :

1. Shri T. N. Sreedharan Nair
2. Shri C. D. Hariharan.

They will be on probation for a period of two years.

2. The above appointments are made on a purely temporary and provisional basis and are liable to termination at any time without notice. The appointments are also subject to the outcome of Original Petition No. 4023 of 1978 filed before the High Court of Kerala.

## II. Transfers and Postings :



M. S. UNNINAYAR  
Commissioner of Income-tax,  
Cochin.

## INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 27th August 1981

No. F. 48-Ad(AT)/81(II).—Shri A. Ramakrishnan, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of three months with effect from 26th June 1981 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/81, dated 20th June, 1981, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis in a temporary capacity for a further period of 3 months with effect from 26th September, 1981 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri A. Ramakrishnan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

No. F. 48-Ad(AT)/81.—Shri M. K. Dalvi, Personal Assistant to President, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Pune Bench, Pune on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of three months with effect from 2nd May 1981 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/81, dated 5th May, 1981, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Pune Bench, Pune on ad-hoc basis in a

temporary capacity for a further period of 3 months with effect from 2nd August, 1981 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri M. K. Dalvi, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

2. Shri R. K. Ghosh, Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of three months with effect from 6th May, 1981 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/81, dated 5th May, 1981, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad on ad-hoc basis in a temporary capacity for a further period of 3 months with effect from 6th August, 1981 or till the post is filled up on regular basis whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri R. K. Ghosh, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA  
President.

FORM I.T.N.S.—

(1) Sujit De.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s. Land &amp; Construction Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 17th August 1981

Ref. No. 932/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 8 situated at Abhoy Sarkar Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/7th share 6 K 1 Ch 35 Sq. ft. of land together with structure being premises at 8, Abhoy Sarkar Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
16—246GI/81

Date : 17- 8- 1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Juthika Rane De.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Land &amp; Construction Co.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-III  
 CALCUTTA-7000 16

Calcutta-7000 16, the 17th August 1981

Ref. No. 933/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I,  
 I. V. S. JUNEJA,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8 situated at Abhoy Sarkar Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

2/7th share 6 K 1 Ch 35 Sq. ft. of land together with structure being premises No. 8, Abhoy Sarkar Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-III,  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 17-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

**FORM ITNS**

(1) Shri Susanta De.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s, Land &amp; Construction Co.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE-III**  
**CALCUTTA-7000 16**

Calcutta-7000 16, the 17th August 1981

Ref. No. 934/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8 situated at Abhoy Sarkar Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 8-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/7th share 6 K 1 Ch 35 Sq. ft. of land together with structure being premises No. 8, Abhoy Sarkar Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-III,  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 17-8-1981  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Amiya Kr. De.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA-7000 16

Calcutta-7000 16, the 17th August 1981

Ref. No. 935/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I,  
 I. V. S. JUNEJA,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. 8 situated at Abhoy Sarkar Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-12-1980  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/7th share in 6 K 1 Ch 35 Sq. ft. of land together with structure being premises No. 8, Abhoy Sarkar Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-III,  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 17-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM LT.N.S.—

(1) Shri Sudhir De.

(Transferor)

NOTICE UNDFR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Land &amp; Construction Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 17th August 1981

Ref. No. 936/Acq R-III/81-82—Whereas, I,  
I. V. S. JUNEJA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No 8 situated at Abhoy Sarkar Lane, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-12-1980  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/7th share 6 K 1 Ch 35 Sq ft of land together with structure being premises at 8 Abhoy Sarkar Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 17-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

**FORM ITNS**

(1) Shri Salil De.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s. I and Construction Co.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA**

Calcutta, the 17th August 1981

Ref. No. 937/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8 situated at Abhoy Sarkar Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

1/7th share in 6 K 1 Ch 35 Sq. ft. of land together with structure being premises at 8 Abhoy Sarkar Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) The Commercial Products Ltd.

(Transferor)

(2) The Titaghur Paper Mills Co. Ltd.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA**

Calcutta, the 25th August 1981

Ref. No. 939/Acq.R-III/81-82/Cal.—Whereas, I,  
I. V. S. JUNEJA,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Flat No. 21 situated at 1A, Ballygunge Circular Road,  
Calcutta-19  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Calcutta on 30-12-80  
for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid property,  
and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Flat No. 21 in the building known as 'Tivoli Court' situated  
at 1A, Ballygunge Circular Road with a garrage space,  
Calcutta-19, being 178 sq. mtr. as per deed No. 7428 re-  
gistered before the Registrar of Assurances, Calcutta on  
30-12-1980.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 25-8-1981

Seal :

**FORM ITNS**

(1) The Commercial Products Ltd.

(Transferor)

(2) The Titaghur Paper Mills Co. Ltd.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA**

Calcutta, the 25th August 1981

Ref. No. 940/Acq. R-III/81-82/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 21 situated at 1A, Ballygunge Circular Road, Calcutta-19

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 39 in the building known as 'Tivoli Court' situated at 1A, Ballygunge Circular Road Calcutta-19, with a garrage space, being 178 sq. mtr. as per deed No. 7428 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 30-12-1980.

L. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-8-1981  
Seal :

FORM ITNS

- (1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferee)
- (2) Mrs. Roma Neogi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 25th August 1981

Ref. No. 941/Acq.R-III/81-82/Cal.—Whereas, I, J. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flt 2C situated at 95 Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2C on the 2nd floor of the building situated at premises No. 95 Southern Avenue, Calcutta, being 873 sq. ft as per Deed No. 7299 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 24-12-1980.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
17—246GT/81

Date : 25-8-1981  
Seal :

## FORM ITNS -----

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferor)(2) Kshanika Sengupta.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 25th August 1981

Ref. No. 942/Acq.R-III/81-82/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNFJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flt 2C situated at 95 Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 6E on the 6th floor of the building situated at premises No. 95 Southern Avenue, Calcutta, being 1102 sq. ft. as per Deed No. 7299 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 24-12-1980.

I. V. S. JUNFJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-8-1981  
Seal :

**FORM I.T.N.S.**

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferor)  
(2) Anjali Chatterjee.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**

**OF INCOME-TAX.**  
**ACQUISITION RANGE-III**  
**CALCUTTA**

Calcutta, the 25th August 1981

Ref. No. 943/Acq R-III/81-82/Cal.—Whereas, I,  
I. V. S. JUNETA,  
being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
at Flt 9B situated at 95 Southern Avenue, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Calcutta on 24-12-1980  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No. 9B on the 9th floor of the building situated at premises No. 95 Southern Avenue, Calcutta, being 1284 sq. ft. as per Deed No. 7299 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 24-12-1980.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-8-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI**

New Delhi, the 16th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-80/1925.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing

No. Agr. land situated at Village Satbari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

(1) Shri Manohar Lal Atre  
S/o Pt. Lila Ram  
No. 279, Masjid Moth, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Shri H. K. Kapur  
S/o Late Thakur Dass Kapur  
2, Master Rajiv Kapur (Minor)  
U/G Shri H. K. Kapur  
C-12, Greater Kailash-I, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agr. lands mg. 1 bigha and 2 biswas K. No. 663/1(1-02) in Village Satbari.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Tilok Chand Sharma & Co.,  
Masjid Moth, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sunita R. Dass  
W/o Shri Ram Chand Dass  
D-12, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-80/1960.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Satbari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 3 bighas 10 biswas in Kh. No. 774 min (3-10) in Village Satbari

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 18-8-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDPR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-I,

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. 1A/1/Acq I/SR-III 12-80/1945—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Satbati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Hukam Chand, Tilok Chand, Dharam Singh, Chet Ram, Prem Raj and Manohar Lal  
S/o late Pandit Lila Ram  
R/o No. 279, Masjid Moth, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Satbhain Farm Owners' Association,  
115 Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr lands mg. 12 bighas and 4 biswas in K Nos. 497 min (1-09), 499 min (1-09), 502 min (1-09), 510 min (1-10), 511 min (1-18), 512 min (0-13), 807 min (0-13), 817 min (0-13), 813 min (1-06), 815 min (1-00) and 821 min (0-04) in Village Satbati.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-80/1936.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Satbari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Hukam Chand, Prem Raj and Manohar Lal Atree S/o Pt. Lila Ram  
R/o 279, Masjid Moth, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Satbari Farm Owners Association,  
115 Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agr. lands mg. 5 bighas and 7 biswas in Kh. No. 680/1 min (1-09), 687 min (0-01), 678 min (0-13), 679 min (1-18), 672 min (0-13) and 671 min (0-13) in Village Satbari.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**  
**OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-III**

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
 NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-80/1932.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Satbari (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

((1) Shri Kishan Sahai s/o Pt. Tansukh Ram alias Mansukh Ram  
 1/o No. 279, Masjid Moth, New Delhi.  
 (Transferor)

(2) Satbari Farm Owners Association,  
 115 Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg,  
 New Delhi.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agr. land mg. 2 bighas and 2 biswas in Kh. No. 811 min 10-15), 812 min (0-13), 814 min (0-05) and 816 min (0-09) in Village Satbari.

R. B. L. AGGARWAL  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-8-1981  
 Seal :

## FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Khem Chand s/o Pt. Sheo Singh  
R/o E-69, Gautam Nagar, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Kusum Ansal w/o Shri Sushil Ansal,  
N-148, Panchshil Park, New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-80/1918.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Satbari, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at....on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 1 bighas and two biswas only in K. No. 702/3 min (1-02) in Village Satbari, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
18--246GI/81

**FORM LT.N.S.—**

- (1) Shri Chatar Singh s/o Man Singh  
R/o Village Aya Nagar, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) The Village Hut,  
H-39, Green Park Extension, New Delhi.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-80/2002.—Whereas, I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Agr. land situated at Village Aya Nagar, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at.....on  
December 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

1/6th share in agr. land area 38 bighas and 11 biswas  
Kh. No. 1460/2(2-3), 1463/1(3-10), 1484/1(2-2), 1485  
(3-4), 1486(4-16), 1496/1(3-11), 1509(4-16), 1519(3-0),  
1520/1(2-9), 1521(2-18), 1579(2-4), 1877/3(1-0), 1879/1  
(1-0), 1870/2(1-18), situated in village Aya Nagar, New  
Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) M/s. Akash Bhatta Co.  
Village Satbari Tehsil Mehrauli,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Urmil Narula w/o Shri Sukhdyal Narula  
E-158, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-80/1979.—Whereas, I,  
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Satbari, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at..... on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 10 bighas and 19 biswas Kh. No. 723 (1-07), 724(4-16) and 728(4-16) in village Satbari.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-8-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
NEW DELHI**

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-80/1955.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Satbari, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Hukam Chand, Trilok Chand, Dharam Singh, Chet Ram, Prem Raj and Manohar Lal  
S/o Late Pandit Lila Ram  
R/o 279 Masjid Moth, New Delhi.

(Transferor)

2) Shri D. S. Arora s/o Shri J. S. Arora,  
R/o C-7, DDA Flats, Bhim Nagri,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agr. land mg. 3 bighas only K. No. 819/1(3-00) in Vill. Satbari.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 18-8-1981  
Seal :

**FORM LT.N.S.—**

(1) Shri Khem Chand s/o Pt. Sheo Singh  
R/o E-69, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Satbari Farm Owners Association,  
115 Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-80/1914.—Whereas, I,  
R. B. L. AGGARWAL  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Agr. land situated at Village Satbari, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

**THE SCHEDULE**

Agr. land mg. 12 bighas and 8 biswas comprised in K. Nos.  
711 min (1-09), 795 min (0-13), 800 min (0-13), 806 min  
(0-13), 808 min (0-13), 704 min (1-09) [0-13 out of 706/1  
min (1-16) and 706/2 min (3-00) 708 min (1-18), 707 min  
(0-13), 789 min (1-19), 794 min (0-16), 791 min (0-06)  
and 793 min (0-13) in Village Satbari, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) S/Shri Hukam Chand, Trilok Chand, Dharam Singh, Chet Ram, Prem Raj and Manohar Lal Ss/o late Pandit Lila Ram  
R/o 279 Masjid Moth, New Delhi. (Transferor)
- (2) Satpaul Mehra c/o Shri Rattan Chand Mehra, W-64 Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
NEW DELHI**

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. JAC/Acq.I/SR-III/12-80/1952.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Satbari, New Delhi (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

**THE SCHEDULE**

Agr. land mg. 9 bighas 2 biswas K. Nos. 303 (4-06) and 509 (4-16) in Satbari.

**R. B. L. AGGARWAL**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

- (1) Shri Dhani Ram s/o Ranjit  
R/o Village Rajokri, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Bhagat Ram s/o Shri Dhani Ram  
R/o Village Rajokri, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-80/2043.—Whereas, I,  
R. B. L. AGGARWAL  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### **THE SCHEDULE**

Agr. land area 9 bighas and 1<sup>2</sup> biswas M. No. 18, Killa No. 16 (4-16) M. No. 19, Killa No. 20 (4-16) situated in Village, Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I(SR-III/12-80/-946).—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Satbari, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by morethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) S/Shri Hukam Chand, Trilok Chand, Dharam Singh, Chet Ram, Prem Raj and Manohar Lal  
S/o Late Pandit Lila Ram,  
No 279 Masjid Moh, New Delhi

(Transferor)

(1) M/s Ansal Housing & Estates (P) Ltd.,  
115 Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agt lands mg 5 bighas 12 biswas K Nos 303 (1-04) and 804 (4-08) in Village Satbari.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Sh. Chatar Singh s/o Sh. Man Singh  
r/o Village Aya Nagar, Teh. Meh., New Delhi.  
(Transferor)

(2) The Village Hut, H-39, Green Park Extn., New  
Delhi.  
(Transferees)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,**

**ACQUISITION RANGE I**  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI  
New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-80/2003.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, Teh. Meh., New  
Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at.....  
on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
19—246GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/6th share in agr. land area 38 bighas and 11 biswas Kh.  
No. 1460/2 (2-3), 1463/1 (3—10), 1484/1 (2-2), 1485 (3-4),  
1486 (4—16), 1496/1 (3—11), 1509 (4—16), 1519 (3-0),  
1520/1 (2—9), 1521 (2—18), 1579 (2—4), 1877/3 (1-0),  
1879/1 (1-0), 1870/2 (1—18) situated in Village Aya Nagar,  
Teh. Meh., New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Khem Chand s/o Pt. Sheo Singh,  
1/o E-69, Gautam Nagar, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri D. K. Himat Singh s/o Sh. Nathmal Himat  
Singha C/o Sh. P. D. Aggarwal, A-13, Vasant Marg  
New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE I

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-80/1916.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. Agr. land situated at Vill. Satbari  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at.....  
on Decmeber 1980  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Agr. lands mg. 8 bighas and 3 biswas K. Nos. 710 (4—16)  
and 711 min (3—07) in Village Satbari.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Shri Chatar Singh s/o Sh. Man Singh,  
r/o Vill. Aya Nagar, Teh. Meh., New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Village Hut H-39, Green Park Extn.,  
New Delhi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC[Acq-I]SR-III]12-80|1995.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Agr. land situated at Vill. Aya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at.... on December 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/6th share in agr. land area 38 bighas and 11 biswas Kh. No. 1460/2 (2-3), 1463/1 (3—10), 1484/1 (2-2), 1485 (3-4), 1486 (4—16), 1496/1 (3—11), 1509 (4—16), 1519 (3-0), 1520/1 (2—9), 1521 (12—18), 1579 (2—4), 1877/3 (1-0), 1879/1 (1-0), 1870/2 1—18), situated in village Aya Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 18-8-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Sh. Manohar Lal Atree s/o Pt. Lila Ram No. 279,  
Masjid Moth, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Singh Paintal s/o late Sh. Jagiוד Singh  
c/o M/s Iron Craft, No. 5, Panch Kuan Road, New  
Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE I**

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-80/1928.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Satbari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at..... on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agr. lands mg. 2 bighas 16 biswas K. No. 668/1 (2—16) in Vill. Satbari.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981

Seal :

**FORM ITNS—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri Chatar Singh s/o Shri Man Singh  
r/o Vill. Aya Nagar, New Delhi.  
(Transferor)  
(2) The Village Hut, H-39, Green Park Extn.,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE I  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI**

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-80/1996.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immoveable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, Teh. Meh.  
New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi  
on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immoveable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes  
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/6th share in agr. land area 38 bighas and 11 bighas Kh.  
No. 1460/2 (2-3), 1463/1 (3-10), 1484/1 (2-2), 1485  
(3-4), 1486 (4-16), 1496/1 (3-11), 1509 (4-16), 1519  
(3-0), 1520/1 (2-9), 1521 (2-18), 1579 (2-4), 1877/3  
(1-0), 1879/1 (1-0), 1870/2 (1-18), situated in village Aya  
Nagar, Teh. Meh., New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981

Seal \*

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

**FORM ITNS**

- (1) Shri Chatar Singh s/o Sh. Man Singh  
r/o Village Aya Nagar, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) The Village Hut, H-39, Green Park Extn.,  
New Delhi.  
(Transferees)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE I  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI  
New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-80/1997.—Whereas, I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. Agt. land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Meh. New  
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi  
on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transfer for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
**(27 of 1957);**

**THE SCHEDULE**

1/6th share in agr. land area 38 bighas and 11 biswas Kha.  
No. 1460/2 (2-3), 1463/1 (3—10), 1484/1 (2-2), 1485  
(3-4), 1486 (416), 1496/1 (3—11), 1509 (4—16), 1519  
(3-0), 1520/1 (2—9), 1521 (2—18), 1579 (2-4), 1877/3  
(1-0), 1879/1 (1-0), 1870/2 (1—18), situated in village Aya  
Nagar, Teh. Meh., New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

**FORM ITNS**

- (1) Shri Chatar Singh s/o Man Singh  
r/o Vill. Aya Nagar, Teh. Meh., New Delhi.  
(Transferor)
- (2) The Village Hut, H-39, Green Park Extn.,  
New Delhi.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-****TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE I  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI**

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-80/1998.—Whereas, I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the Immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No Agr. Land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Meh., New  
Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi  
on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/6th share in agr. land area 38 bighas and 11 biswas Kha.  
No 1460/ (2-3), 1463/1 (-10), 1484/1 (2-2), 1485 (3-4),  
1486 (4—16), 1496/1 (3—10), 1509 (4—16), 1519 (3-0),  
1520/1 (2—9), 1521 (2—18), 1579 (2—4), 1877/3 (1-0),  
1879/1 (1-0), 1870/2 (1—18), situated at village Aya Nagar,  
Teh. Meh., New Delhi.

**R. B. L. AGGARWAL**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date 18-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Sh. Pt. Hukam Chand s/o Pt. Lila Ram No. 279,  
Masjid Moth, ND.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Avind Sharma s/o Pt. Hukam Chand, No. 282,  
Masjid Moth, ND.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE I  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-80/1922.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Agr. land situated at Vill. Satbari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 7 bighas and 2 biswas in K. Nos. 488 min (3-18) and 487 min (3-04) Eastern side in Vill. Satbari.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-8-1981  
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh. Pt. Hukam Chand s/o Pt. Lila Ram No. 279,  
Masjid Moth, ND.  
(Transferor)
- (2) Sh. Rajesh Sharma s/o Pt. Hukam Chand No. 282,  
Masjid Moth, ND.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE I

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II/12-80/1923.—Whereas, J.  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. Agr. land situated at Vill. Satbari  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer  
on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 7 bighas and 2 biswas in K. Nos. 484 (4—  
16) and 487 min (2—06) Western side in Vill. Satbari.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
20-246GI/81

## FORM ITNS

- (1) Sh. Manohar Lal Atree s/o Pt. Lila Ram No. 279,  
Masjid Moth, ND.  
(Transferor)
- (2) Satbari Farm Owners Association,  
115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, ND.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI  
New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-80/1924.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. Agr. land situated at Village Satbari  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
on December 1980  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. Lands mg. 1 bighas and 17 biswas K. Nos. 514 mln  
(0—14), 656 min (0—07), 657 min (0—03) and 658 min  
(0—13) in vill. Satbari.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 18-8-1981  
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh. Kishan Sahai s/o Pt. Tansukh Ram alias Mansukh Ram r/o No. 279, Masjid Moth, ND.  
(Transferor)
- (2) Sh. Prabhu Dayal Agarwal and 2, Sh. Govind Agarwal ss/o Sh. Satya Narain Agarwal B-13, Vasant Vihar, ND.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-80/1934.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Satbari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 1 bigha and 17 biswas Kh. No. 816 min (1--17) in Village Satbari.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-8-1981  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) S/Shri Hukam Chand, Trilok Chand, Dharam Singh Chet Ram, Prem Raj and Manohar Lal ss/o Late Pandi Lila Ram, r/o No. 279, Masjid Moth, ND.  
(Transferor)
- (2) 1. Sh. Govind Agarwal, 2. Sh. Prabhu Dyal Agarwal B-13, Vasant Marg, Vasant Vihar, ND.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE I

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-80/1959.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Agr. land situated at Vill. Satbari  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
on December 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

## THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 2 bighas and 12 biswas K. No. 821 min (2-12) in Village Satbari.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
Seal :

Date : 18-8-1981  
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh. Khem Chand s/o Pt. Sheo Singh,  
r/o E-69, Gautam Nagar, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Divya Ansal w/o Sh. Deepak Ansal  
r/o 57, Jor Bagh, New Delhi.  
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI  
New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-80/1917.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Satbari, Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer  
on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more than  
fifteen per cent of each apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 17 bighas and 18 biswas K. Nos. 795 min  
(4—03), 796 (4—16), 799 (4—16) and 800 min (4—03)  
in Vill. Satbari, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

- (1) Sh. Kunwal Kumar w/o late Sh. J. D. Gorawara, Sh. Mohinder Kumar and Sh. Dipendra Kumar s/o Sh. J. D. Gorawara D/120, West Patel Nagar, N.D. (Transferor)
- (2) Sh. Deepak Construction (Delhi) Pvt. Limited Delhi through Sh. Surdeep Singh s/o late Sh. Ajab Singh A-30-D, DDA Flats, Munerka, New and Smt. Parveen Kaur. (Transferees)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE I  
II BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No IAC/Acq.I/SR-II/12-80/1850.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-74, situated at Greater Kailash II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. 74, Block-M mg. 247 sq. yd. situated in the Residential Colony as Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 18-8-1981  
Seal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

- (1) Sh. Dhan Raj s/o Sh. A. R. Gupta  
1/o C-50, Greater Kailash-I, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Sh. Ranjan Roy s/o Sh. A. K. Roy  
r/o C-162, Defence Colony, New Delhi.  
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I  
II BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II/12-80/1872.—Whereas I,  
R. B. L. Aggarwal  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

No. C-50 situated at Greater Kailash-I, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
on December 1980

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

7/8 undivided share in Plot No. C-50, Greater Kailash-I,  
New Delhi measuring 500 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated 18-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

- (1) Sh. Dhan Raj s/o Sh. A. R. Gupta  
r/o C-50, Greater Kailash-I, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Rina Roy w/o Sh. Ranjan Roy  
r/o C-162, Defence Colony, N.D.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI  
New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-80/1842.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act')  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. C-50 situated at Greater Kailash-I, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Delhi on December 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/8 undivided share in Plot No. C-50, Greater Kailash-I,  
N. D. measuring 500 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 18-8-1981  
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Hassa Ram s/o Sh. Karan Chand Gulbani,  
II-O/19, Lajpat Nagar, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Sh. S. Jagmohan Singh s/o S. Bhagwant Singh r/o  
3/15A, New Double Storey, Lajpat Nagar, N.D.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI  
New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-80/1871.—Whereas I,  
R. B. L. Aggarwal,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 3/15 & 15A, New Double Storey, situated at Lajpat  
Nagar-IV, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on December 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 3/15 & 15A, New Double Storey, Lajpat  
Nagar-IV, Nw Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
21 —246GI/81

Dated: 18-8-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Sh. Kidar Nath s/o Sh. Labha Ram,  
2/28, Kalkaji Extension, New Delhi-19.  
(Transferor)
- (2) Sh. Dr. K. K. Baweja s/o Sh. Chiman Lal Baweja  
r/o 2/28, Kalkaji Extension, New Delhi.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I**

H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-80/1875.—Whereas I,  
R. B. L. Aggarwal,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/28, situated at Kalkaji Extension, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Delhi on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in said immovable  
property, within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA, of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Residential House No. 28, Block No. 2, Kalkaji Extension,  
New Delhi-19, measuring 200 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-J, New Delhi.

Dated : 18-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No IAC/Acq.I/SR-III/12-80/2060.—Whereas I, R. B. L. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Qr. No. II-D/33, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1980 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dayal Dass Kalra s/o Sh. Nebh Raj Kalra r/o II-E/14-A, Lajpat Nagar, New Delhi as attorney of Sh. Atma Ram, Siri Ram, Madan Lal.

(Transferor)

(2) M/s. Kailash Opticals, 1464, Kotla Mubarakpur, New Delhi through its partner Smt. Kanchan Kalra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Qr. No. II-D/33, mg. 200 sq. yd. situated at Lajpat Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 18-8-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE I  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-80/1852.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-71, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Bir Sein Anand s/o late Lajpat Rai Anand r/o No. 9, Cannal Road, Jammu through attorney Shri Kanwar Sain Anand s/o Sh. Bir Sain Anand r/o 9, Cannal Road, Jammu.

(Transferor)

(2) Shri L. N. Jaggi s/o Gurdas Ram, Kuldip Sarna s/o Jiya Ram Sarna Lal Mandi, Sri Nagar and Shri Rajesh Gulati s/o Jagdish Gulati r/o 32, Bunglow Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property No. B-71, Greater Kailash-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 18-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

- (1) M/s. Premier Apartments Pvt. Ltd., 1205, New Delhi House, 27, Barakhamba Road, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Capt. S. P. Anand s/o Sh. M. R. Anand, 1238, Sec. 18C, Chandigarh.  
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE I  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, J. P. ESTATE, NEW DELHI  
New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/12-80/2054.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No B-270 (ground floor) situated at Greater Kailash, New  
Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Delhi on December 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of the such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes  
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in the  
Chapter.

**THE SCHEDULE**

Back portion of ground floor of house No. B-270, Greater  
Kailash New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 18-8-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE I

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-II/12-80/2055.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing  
No. B-270 (first floor) situated at Greater Kailash, New  
Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at New Delhi on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (1) Shri Premier Apartments Pvt. Ltd., 1205, New  
Delhi House, 27 Barakhamba Road, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar Mehra s/o Sh. Rattan Chand  
Mehra, 336, Katra Naya, Ch. Chowk, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Back portion of first floor of House No. B-270, Greater  
Kailash, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 18-8-1981  
Seal :

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Shri Arun Mittal s/o Sh. V. B. Mittal  
r/o A-3, G. K. Enclave-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ranjana Kumar w/o Sh. O. P. Kumar  
r/o D-59, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE I**

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-80/2024.—Whereas I,

R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-219, (ground floor back side) situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Portion of property No. M-219 bearing flat No. 2 (ground floor back side) measuring 71 sq. yd. Greater Kailash-II, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 18-8-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) M/s Premier Apartments Pvt. Ltd., 1205, New Delhi House, 27 Barakhamba Road, New Delhi-1.  
(Transferor)

(2) Shri B. K. Singhal s/o Sh. R. D. Singhal & Mrs. Usha Singhal w/o Sh. B. K. Singhal r/o 82/D1, Chanakyapuri, New Delhi .  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE I  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI  
New Delhi, the 18th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-80/2056.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-270 (first floor) situated at Greater Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Front portion of first floor of House No. B-270, Greater Kailash, New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, New Delhi.

Dated : 18-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 24th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1040.—Whereas, I M. L. Chauhan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 32 situated at Pilibanga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suratgarh on 9-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sheokaran S/o Bhiya Ram & Smt. Sugani Wd/o Chetan Ram & Smt. Reshma Wd/o Murliram & Smt. Dhapi Wd/o Shri Harbhajanram Akvam Brahman Sakin Pilibanga.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Kumar S/o Shri Ramji Das Jati Agarwal Sakin Mandi Pilibanga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/3rd portion of Shop No. 32 situated at Purani Abadi Mandi Pilibanga & more fully described in the sale deed registered by S.R., Suratgarh vide registration No. 2099 dated 9-12-80.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—246GI/81

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 24-8-81  
Seal :

**FORM I.T.N.S.—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 24th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1039.—Whereas, I,  
M. L. CHAUHAN,  
being the Competent Authority under Section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. Shop No. 32 situated at Pilibanga  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Suratgarh on 9-12-1980  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) Shri Sheokaran S/o Bhiya Ram & Smt. Sugani  
Wd/o Chetan Ram, Reshma Wd/o Murli Ram &  
Smt. Dhapi Wd/o Harbhagat Ram Akwam  
Brahman, Sakin Mandi, Pilibanga.  
(Transferor)
- (2) Shri Chiman Lal S/o Ramjidas Jati Agarwal  
Mandi Pilibanga.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/3rd portion of Shop No. 32 at Sakin Mandi Pilibanga  
Purani Abadi & more fully described in the sale deed registered  
by S.R., Suratgarh vide his registration No. 2098 dated  
9-12-80.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 24-8-81  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 24th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1038.—Whereas, I,  
M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 32 situated at Pili Banga  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suratgarh on 9-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (1) Shri Sheo Karan S/o Bhiya Ram & Smt. Sugani Wd/o Chetan Ram, Smt. Reshma Wd/o Murli Ram & Smt. Dhayi Wd/o Harbhagat Ram Akwam Brahman, Sakin Mandi, Pilibanga.  
(Transferor)
- (2) Shri Ramjidas S/o Gondi Mal Jati Agarwal Sakin Mandi Pili Banga.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/3rd Part of Shop No. 32 at Purani Abadi Pilibanga &amp; more fully described in the sale deed registered by S.R., Suratgarh vide his registration No. 2097 dated 9-12-80.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 24-8-81  
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**FORM I.T.N.S.**

(1) Shri Ghanshyam Lal S/o Nand Lal Ji Soni,  
Bhadbhuj Ghati, Udaipur.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

(2) Shri Nand Lal S/o Gopi Lal Ji Soni,  
Niwas Bhadbhuja Ghati, Udaipur  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 24th August 1981

Ref. No IAC\$Acq , 1041 --Whereas, I,  
M L CHAUHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No 26 27/3 situated at Udaipur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Udaipur on 9-12-1980  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No 26 27/3 near Saheliyon Ki Bari, Udaipur & more  
fully described in the sale deed registered by S R, Udaipur  
vide his registration No 3820 dated 9-12-80

M L CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 24-8-81  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) M/s. United Tyres (Indore) P. Ltd.,  
5/5 Manoramaganj, Indore.  
(Transferor)

(2) M/s. Mannalal Piemchand,  
4/6 M. G. Road, Indore.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 24th August 1981

Ref. No IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 5/5 situated at Navratan Bag, Manoramaganj, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-12-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 5/5 situated at Navratan Bag, Manoramaganj Indore. (9252 Sq. ft.).

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 24-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Smt. Komal Choudhary W/o Kailash Singh,  
R/o 4/2 Dr. Roshan Singh Bhandari Marg,  
Indore.  
(Transferor)

(2) Smt. Vinodani Bhargava,  
W/o P. D. Bhargava,  
R/o 76, Kothi Road, Ujjain.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 24th August 1981

Ref No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 115-F situated at Civil Lines, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on 2-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No. 115-F at Civil Lines, Dewas.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-8-1981  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Smt. Padamja W/o Kamlakar Natoo,  
186, Palsikar Colony, Indore.  
(Transferor)
- (2) Shri Anant S/o Ganesh Lande,  
151, Lokmanya Nagar, Kesharbagh Road,  
Indore.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House on Plot No. 4 situated at Lokmanya Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 3-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on plot No. 4 at Lokmanya Nagar, Kesharbagh Road, Indore.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-8-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mohandas Lachhomal Narang,  
181, Bairathi Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Parasram Sevakramji,  
181, Bairathi Colony, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPI.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House on plot No. 181 A & B situated at Bairathi Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House on plot No. 181 A & B, situated at Bairathi Colony, Indore.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons (namely :—

Dated : 20-8-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Prabhat Kumar S/o Mahadev Kainik,  
R/o Builders Colony, Indore.  
(Transferor)
- (2) Shri Narendra Kumar S/o Jethashanker Agrawal,  
R/o 331, Saketh Colony, Indore.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 331, situated at Saket Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 8-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 331 constructed on plot No 332, situated at Saketh Colony, Indore.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Date 24-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
23—246GI/81

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri H. H. Maharaja Lokendra Singh of Ratlam.  
(Transferor)  
(2) Shri Milam Kumar Champalal Jain,  
Ratlam.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of 'Baghi Khana' situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Ratlam on 15-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Part of 'Baghi Khana' of Old Rajmahal situated at Ratlam. (measurement 1860 Sq. ft.).

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-8-1981  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri H. H. Maharaja Lokendrasingh Ratlam.  
(Transferor)
- (2) Shri Bharathnath Khemchand, Ratlam.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of 'Baghi Khana' situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 15-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of 'Baghi Khana' of Old Rajmahal at Ratlam.  
(Measurement 1925 Sq. ft.).

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 24-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Shreemant H. H. Maharaja Iokendra Singh,  
Ratlam.  
(Transferor)

(2) Shri Motichand Nemichand Jain, Ratlam.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPI.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Part of Old Baggikhana situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 15-12-1980

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

A part of Old Baggikhana of old Palace Ratlam. 2052 Sq. ft.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 24-8-1981

Seal :

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

- (1) Shri Visheshwar S/o Mohanlal,  
Indore.  
(Transferor)
- (2) Shri Saluddin S/o Haji Abdul Bhai Khambati,  
Gandhi Nagar, Indore.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th August 1981

Ref No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 19 situated at Old Tukoganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 8-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House No. 19 situated at Old Tukoganj, Indore. (Open Plot).

**VIJAY MATHUR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 24-8-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Janki Bai W/o Chandra Badan Thakkar,  
919, Khatiwala Tank, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Surendra Kaur W/o Ravelsingh  
R/o 30-A, Prem Nagar Colony, Indore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(i) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 25th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 787 situated at Khatiwala Tank, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Indore on 27-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. 787 at Khatiwala Tank, Indore. 5100 Sq. ft.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-8-81  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Kesharsingh S/o Hirasingh,  
R/o Kanadia, Indore.

(TransfeROI)

(2) Smt. Manorma Devi W/o Brijmohan,  
2 Smt. Malti Devi W/o Murlidhar,  
49, Shradha Nand Marg, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 39 situated at Udyog Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 4-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

Plot No. 39 situated at Udyog Nagar, Indore (22500 Sq. ft.).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-8-1981

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Sharda W/o Indernath Malhotra,  
R/o Mhow Neemuch Road, Ratlam.  
(Transferor)

(2) Shri Haji Ishaq Ali S/o Haji Tyabali Rawatwala,  
Chandni Chowk, Ratlam.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Survey No. 1094/2 situated at Ratlam (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ratlam on 8-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land Survey No. 1094/2, 0.550 Hectors or 59176 Sq. ft. situated at Ratlam.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-8-1981.  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Kesharsingh S/o Hirasingh,  
R/o Kanadia.

(Transferor)

(2) Shri Sunderlal S/o Asardasji,  
(2) Piemchand S/o Asardasji,  
427, Sadhu Vaswani Nagar, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI, AHMEDABAD

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 35 situated at Udyog Nagar, Indore (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 4-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No 34 situated at Udyog Nagar, Dev Guradia Road, Indore.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 24-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

**FORM ITNS**(1) Shri Kesharsingh S/o Hirasingh,  
R/o Kanadia.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

Bhopal, the 24th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 37 situated at Udhog Nagar, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 4-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. 37 situated at Udyog Nagar, Devguradic Road, Indore.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 24-8-1981

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Kesharsingh S/o Hira Singh,  
R/o Kanadia.

(Transferor)

(2) Smt. Taradevi W/o Omprakash Bansal.

2. Smt. Manorama W/o Rameshchand Bansal.  
48 & 46, Ravindra Nath Tagore Marg,  
Indore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th August 1981

Ref. No. JAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 35 situated at Udyog Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. 35 situated at Udyog Nagar, Devguradia Road, Indore.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 24-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

1. M/s. Sympro Industries,  
50-51, Pologround, Indore.  
(Transferor)
2. (1) Ramesh Jawaharlal Nandwani,  
19, Palsikar Colony, Indore.  
(2) M. K. Shirwagar,  
74/2, Manoramaganj, Indore.  
(3) Dr. K. K. Nawalkar,  
2, White Church Colony, Indore.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Village Lohar Piplaya, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dewas on 4-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 5 acres at Village Lohar Piplaya, Teh : Dewas.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 22-8-1981.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Nichaldas S/o Wadhuram Makija,  
R/o Jawahar Nagar, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Sunderi Bai W/o Bhagwandas,  
R/o 415, Jawahar Nagar, Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. Kh. No. 436 situated at M. G. Road, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 17-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot measuring 1187 Sq. ft. bearing Kh. No. 436, situated on M.G. Road, Raipur near Mira Lodge.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 22-8-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

- (1) Shri Balbir Kishan Malik,  
S/o Late H. K. Malik,  
R/o 15, Motilal Nehru Nagar, Durg.  
(Transferor)
- (2) Dr. P. M. Wahi S/o K. L. Wahi,  
R/o Katul Bond, Durg.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double Storeyed house situated at Katulbond Colony, Durg (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 16-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Double storeyed building situated in Katulbond Colony, Area—4000 Sq. ft. Kh. No. 104155.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 22-8-1981.  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Mulchand S/o Bedhamal Budhwani,  
R/o Bodhaipara, C/o Dayaldas & Sons,  
Gole Bazar, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Dhopali Devi W/o Ramniwas Agarwal,  
R/o Kata Bhanji, Teh. Kalahandi,  
Distt : Balangir, Orissa.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 22nd August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of House No. 28/648 situated at Lakha Nagar, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 31-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Part of House No. 28/648, situated in Lakanagar on Mahadeo Goyal Road, Raipur.

**VIJAY MATHUR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-8-1981.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,**

Bhopal, the 22nd August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPI —Whereas, I,  
**VIJAY MATHUR,**  
 being the Competent Authority under Section  
 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
 referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
 that the immovable property, having a fair market value  
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. Part of H. No. 28/648 situated at Lakhengar, Raipur  
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),  
 been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908  
 in the office of the Registering Officer  
 at Raipur on 31-12-1980

for an apparent consideration which is less than the  
 fair market value of the aforesaid property and I have  
 reason to believe that the fair market value of the property  
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
 that the consideration for such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument  
 of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kewalram S/o Bedhamal Budhwani,  
 R/o Badhaipara, C/o Dayaldas & Sons,  
 Cole Bazar, Raipur.  
 (Transferor)
- (2) Smt Kalawati W/o Mananchand Agarwal,  
 R/o Kata Bhanji, Tch Kalathandi, Distt. Bulangir  
 (Orissa)  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
 property within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** — The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee by  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act 1957 (27 of 1957)

**THE SCHEDULE**

Part of House No 28/648, situated at Lakhengar on  
 Mahadeo Ghol Road, Raipur (Area 6318 Sq. ft.)

**VIJAY MATHUR,**  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
 Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 22-8-1981.  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Zhulfekar Hussain,  
S/o Hazal Hussain,  
R/o Sadar Bazar, Durg.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri Baliram Singh Thakur  
S/o Kajeemde Thakur.  
(2) Shri Harendra Thakur S/o

Kajeemde Thakur, R/o Station Road, Durg.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE,

Bhopal, the 22nd August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I,

VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot &amp; House situated at Station Road, Durg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 31-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot (Nazul) measuring 8112 Sq. ft. and three Kachha houses (Huta) thereon. Sheet No. 10, plot No. 2/1, 3/1, 3/2 situated on Station Road in Front of Aposari Cinema Talkies, Durg.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—246GI/81

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 22-8-1981,

Seal ;

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE.**

Bhopal, the 24th August 1981

Ref. No. I.A.C./ACQ/BPL.—Whereas, I,  
**VIJAY MATHUR,**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House &amp; Plot situated at Ramaiyapara, Jagdalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on 31-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforementioned exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Lal Singh R/o Pahh.  
 (2) Shri Lal Singh power of attorney for  
     (i) Sukpal Kunwar of Konsa  
     (ii) Jugrajkunwar of Hajipur  
     (iii) Nirmala of Hajipur,  
     (iv) Urmila of Baigual Kheda, Brijendra Pratap Singh, Mridula, Sarala, Birla, Pratima, Sadhana, Mahendrapratap Singh of Hajipur, Shrikant Singh, Shri Harisingh, Shushila, Kamala, Shanti, Prakash Singh of Konsa, Bomala Devi of Ajmatpur, Pramila of Hajipur, Distt. Raiberalli, Unnav & Fatchpur in U.P.

(Transferor)

- (2) Smt. Vidhiya Devi D/o Late Chandrika Singh Baisha, R/o Village. Hilagi Majh Gayana, Distt. Unnav. U.P.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 17/2 area 2341.16 Sq. meter in Sheet No. 62, Mohalla Ramaiyapra, Jagdalpur Nazul Town, District : Bastar M. P. (House and Plot).

**VIJAY MATHUR,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 24-8-1981.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Bhopal, the 22nd August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1518, 1518/1, 1519 situated at Wright Town, Jabalpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrar Officer at Jabalpur on 13-12-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Bhopal Singh  
(2) Rajaram Vijaysingh,  
(3) Barela S/o Puranlal  
(4) Ramswaroop S/p Ramsingh,  
R/o Lohari, Teh; Paten, Jabalpur.  
(Transferor)
- (2) Dr. Vinodchandra Choubey S/o Shri Manohar-chandra, Choube, 1518, Wright Town, Jabalpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

House No. 1518, 1518/1, 1519, constructed on plot No. 197 & 198 at Wright Town, Jabalpur.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-8-1981.  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 25th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I,  
VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Forest land situated at Chiklod Kalan, Goharganj.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goharganj on 2-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri H. H. Mher Taj Nawab Sajeda Sultan Begum of Bhopal, Qasr-i-Sultani, Bhopal.  
(Transferor)

(2) Shri Tarachand Shah, S/o Kalyanji, R/o B-I, Tarabagh Estate, Charni Road, Bombay 400 004.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice to the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Forest Land old Kh. No. 127, 128, 131/2 & 132 situated at Vill. Chiklod Kalan & Simrod-measurement—97.07 Acres.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-8-1981.  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

- (1) Shri H. H. Mehr Taj Nawab Sajeda Sultan Begum  
of Bhopal, Qasr-i-Sultani, Bhopal.  
(Transferor)
- (2) Mr. Iqtidar Mohammed Khan,  
1, Ahmedabad, Bhopal.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 25th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I,

VIJAY MATHUR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Forest Land situated at Chiklod Kalan, Misroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goharganj on 1-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Forest land old Kh. No. 119/2, 133/1, 126, 130/2, situated at Vill. Chiklod Kalan &amp; Simroda-measurement 98.89 Acres.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-8-1981.  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri H. H. Mehr Nawab Sajeda Sultan Begum of Bhopal, Quasi-i-Sultani, Bhopal.  
(Transferor)
- (2) Mr. Harichand Shah, S/o Kalyanji, R/o B-I, Tarabag Estate, Charni Road, Bombay-400 004.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I,

VIIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Forest Land situated at Dadrod and Shahabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goharganj on 1-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Forest land New Kh. No. 140, 143, 222, 229, 231 & 232 (One portion) situated at Vill. Dadrod & Shahabad-measurement 9.96 Acres.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

VIIJAY MATHUR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 22-8-1981.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 25th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I,  
VIJAY MATHUR,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.Forest Land situated at Amarthon & Simroda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Goharganj on 1-12-80for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property, and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the considera-  
tion for such transfer as agreed to between the parties has  
not been truly stated in the said instrument of transfer with  
the object of :—

- (1) Shri H. H. Mehr Taj Nawab Sajeda Sultan Begum  
of Bhopal, D/o His Highness Nawab Hamidullah  
Khan, R/o Qasri-i-Sultani, Ahmedabad Palace,  
Bhopal.  
(Transferor)
- (2) Shri Hetendra Shah, S/o Kalyanji,  
R/o B-I, Tarabag Estate, Charni Road, Bombay-  
400 004.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this Notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Forest Land Old Kh. No. 1/1, 2/2, 2/3, 2/4, 4/2, 110/3,  
111/1, 112, 113/1, 113/3/2, 115/2, 125/2 situated at Vill :  
Amarthon & Simroda-measurement 98.86 Acres.VIJAY MATHUR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, BhopalNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to following persons  
namely :—Date : 25-8-1981.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) H. H. Mehr Taj Nawab Sajeda Sultan Begum of Bhopal, R/o Qasr-i-Sultani, Ahmedabad Palace, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Navin Shah S/o Kalyanji, R/o B-I, Tarabag Estate, Charni Road, Bombay-400 004.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 25th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I,

**VIIJAY MATHUR,**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Forest Land situated at Shahabad &amp; Amarthen (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Goharganj on 1-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Forest Land New Kh. No. 232 &amp; New Kh. No. 2/1 situated at Vill. Shahabad &amp; Amarthen—measurement 95.33 Acres.

**VIIJAY MATHUR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) H. H. Mehr Taj Nawab Sajeda Sultan Begum of Bhopal. Qasr-i-Sultani, Bhopal. (Transferor)
- (2) Smt. Kamal Kumari Badjatiya, W/o Gendalal, R/o Indu Vila, Khandwa Road, Indore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 25th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I,  
**VIIJAY MATHUR,**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Forest Land situated at Chiklod Kalan, Simroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Goharganj on 1-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Forest Land Old Kh. No. 36, 117/2, 127/2, 128 situated at Vill. Chiklod Kalan & Simroda—measurement 94.86 Acres.

**VIIJAY MATHUR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 25-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
26—246GL/81

## FORM ITNS

(1) H. H. Mehr Taj Nawab Sajeda Sultan Begum of Bhopal, Qasr-i-Sultani, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Mawji Thakkar, S/o Velji Thakkar, 27/28, Jamnadasji Industrial State, Dr. R. P. Road, Muland (West), Bombay-400080.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 25th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I,  
VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Forest Land situated at Chiklod Kalan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Goharganj on 1-12-1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Forest Land New Kh. No. 49, 85, 101, 141 situated at Vill. Chiklod Kalan &amp; Dadrod—measurement 96.93 Acres.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-8-1981

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Krishnalal S/o Soomermalji,  
R/o Bhatapada, Tah. Batapada, Raipur.  
(Transferor)
- (2) Shri Shammanlal S/o Gurnamalji Sindhi,  
R/o Dabra Mandi, Dabra, Distt, Gwalior.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 28th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property named as "Aruna Mill-H. No. 104 situated at Station Road, Dabra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dabra on 1-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or .

## THE SCHEDULE

Property named as "Aruna Mill, Dabra" situated in Ward No. 11, bearing house No. 104 at Station Road, Dabra—1/2 part thereof.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-8-1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
Bhopal

Bhopal, the 28th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of House No. 46/1185 situated at Kamboo Road, Lashkar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 1-12-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Sunita Devi W/o Krishna Swaroop Shrivastava, Advocate, R/o Gohad, Distt. Bhind.

(Transferor)

(2) Smt. Gyani Devi W/o Biharilal Verma, R/o Utarkhana, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Part of House situated at Kamboo Road, Lashkar, bearing No. 46/1185.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-8-1981  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Rajinder Kaur W/o Sardar Bhagwan Singhji Nagpal, R/o in the House of Sohanlal Batra-B.C. 21, Paschim Shalimar Baag, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Lajwanti Bai W/o Shri Shyam Lalji Kukreja C/o Metro Fire Works, Chawdi Bazar, Near Gandhi Market, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 28th August 1981

Ref. No IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 26/97, situated at Ratan Colony, Lashkar, Gwalior, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 26-12-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of House bearing No. 26/97, situated at Ratan Colony, Lashkar, Gwalior, on plot No. 53.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-8-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
Bhopal**

Bhopal, the 28th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 26/97 situated at Ratan Colony, Lashkar, Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 1/2-1-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Rajinder Kaur W/o Sardar Bhagwan Singhji, Nagpal, R/o in the House of Sohanlal Batra, B.O. 21, Paschim Shalimar Baag, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Lajwanti Bai W/o Shri Shyam Lalji Kukreja C/o Metro Fire Works, Chawdi Bazar, Near Gandhi Market, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

(3) Nandlal S/o Daluram Madan and Smt. Badi Bai W/o Daluram Mada, Both R/o 53, Ratan Colony, Lashkar.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Mul. House No. 26/97, on Plot No. 53, situated at Ratan Colony, Jivaji ganj, Lashkar, Gwalior. (portion)

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-8-1981  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL.**

Bhopal, the 28th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 46/1185 situated at Kampoo Road, Lashkar, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 8-12-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Sunita Devi W/o Krishna Swaroop Shrivastava, Advocate, R/o Gohad, Distt. Bhind.  
(Transferor)

(2) Smt. Moolo Devi W/o Kishanlal Verma, R/o Utarkhana, Lashkar, Gwalior.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Part of House situated at Kampoo Road, Lashkar, Gwalior, bearing No. 46/1185.

**VIJAY MATHUR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-8-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL**

Bhopal, the 27th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 51/184 situated at Kampoo, Lashkar, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 24-4-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Sobharam.  
2. Tulsiram, and  
3. Roopchand, All S/o Deviramji Bathm, R/o Kampoo Road, Tiraha, Lashkar, Gwalior.
- (2) Smt. Manita Rani Jain W/o Shri Anil Kumar Jain, C/o Paras Medical Stores, Kampoo Road, Tiraha, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 51/184 situated at Nawab Kothi, Kampoo Road, Tiraha, Lashkar, Gwalior (Portion).

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 27-8-1981  
Seal

**FORM ITN3 —****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
Bhopal.

Bhopal, the 27th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 51/184, situated at Kampoo, Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 16-12-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Shri Sobharam.  
2. Tulsiram, and  
3. Roopchand, All S/o Shri Deviramji Batham,  
R/o Kampoo Road, Tiraha, Lashkar, Gwalior.  
(Transferor)
- (2) Shri Ajay Kumar Jain, S/o Shri Kailashchand Ji  
Jain, C/o Paras Medical Stores, Kampoo Road,  
Tiraha, Lashkar, Gwalior.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House No. 51/184 situated at Nawab Kothi, Kampoo Road, Tiraha, Lashkar, Gwalior (portion).

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 27-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27-246GI/81

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL**

Bhopal, the 27th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 51/184 situated at Kampoo, Lashkar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 24-4-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Shobharam.  
2. Tulsiram, and  
3. Roopchand, All S/o Shri Deviramji Batham, R/o Kampoo Road, Tiraha, Lashkar, Gwalior.  
(Transferor)
- (2) Smt. Latha Jain D/o Shri Subhashchandra Jain, R/o Vill. Atar, Tch. Bhind.  
(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House No. 51/184 situated at Nawab Kothi, Kampoo Road, Tiraha, Lashkar, Gwalior (portion).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 27-8-1981  
Seal :

**FORM I.T.N.S.—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
Bhopal**

Bhopal, the 27th August 1981

Ref. No. IAC/ACO/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 51/184 situated at Kampoo, Lashkar, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 19-12-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Shobharam,  
2. Tulsiram, and  
3. Roopchand, All S/o Shri Deviramji Batham,  
R/o Kampoo Road, Tiraha, Lashkar, Gwalior.  
(Transferor)
- (2) Smt. Kamla Devi W/o Shri Kailashchand Jain,  
C/o Paras Medical Stores, Kampoo Road, Tiraha,  
Lashkar, Gwalior.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 51/184 situated at Nawab Kothi, Kampoo Road, Lashkar, Gwalior (Portion).

**VIJAY MATHUR**  
**Competent Authority**  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-8-1981  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 27th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 51/184 situated at Kampoo, Lashkar, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 19-12-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

(1) 1. Shri Shobharam,  
2. Tulsiram, and  
3. Roopchand.  
All S/o Shri Devirasji Batham, R/o Kampoo Road, Tiraha, Lashkar, Gwalior.  
(Transferor)

(2) Shri Kailashchandra Jain, S/o Shri Ulfathram Jain C/o Paras Medical Stores, Kampoo Road, Tiraha, Lashkar, Gwalior.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 51/184 (portion) situated at Nawab Kothi Kampoo Road, Tiraha, Lashkar, Gwalior.

**VIJAY MATHUR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 27-8-1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) 1. Shri Shobharam,  
2. Tulsiram,  
3. Roopchand, All S/o Shri Deviramji Batham,  
R/o Kampoo Road, Tiraha, Lashkar, Gwalior.  
(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Jain S/o Shri Kailashchand Jain,  
C/o Paras Medical Stores, Kampoo Road,  
Lashkar, Gwalior.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
Bhopal, M.P.

Bhopal, the 27th August 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 51/184, situated at Kampoo, Lashkar, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 11-12-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

One very huge 4-storeyed building known as "Nawab-Kothi" situated at Kampoo Road, Tiraha, Lashkar and bearing No. 51/184.

**VIJAY MATHUR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-8-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR**

Amritsar, the 27th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/152.—Whereas I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property at Dina Nagar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on December 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Danesh Ohri, Advocate Gurdaspur attorney of Shri Madan Mohan Sharma, P.O. Box 379 Sokoto, Chief Architect (M.O.W.) (Nigeria), Presently on overseas leave, Originally resident of Mohalla Banian, Dinanagar, Tehsil & Distt. Gurdaspur, Panjab, India, for the management of all the properties situated at Dinanagar, Teh. Gurdaspur.  
(Transferors)

(2) Shri Kishan Chand s/o Dina Nath r/o Dina Nagar (1/4 share), Shri Subash Chander, Raj Mani s/o Sital Parshad (1/4 share each), Chaman Lal s/o Budha Mal, Dina Nagar (1/8 share) and Shri Tarlok Chand s/o Fateh Chand (1/8 share) all residents of Dina Nagar, Teh. and Distt. Gurdaspur.  
(Transferees)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 10 kanals situated in Dina Nagar, Teh. & Distt Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 5754/ dated 3-12-80 of the registering authority Gurdaspur.

**ANAND SINGH, IRS**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Date : 27-8-1981

Seal :

FORM ITNS

- (1) Sudershan Mahajan D/o Shri Hans Raj Mahajan R/o WJ-26, Basti Guzan, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Shital Kumar S/o Shri Basant Parkash r/o S-9, Industrial area, Jullundur. (Transferee)
- (3) As. S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 20th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2734.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule, situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5496 of dated December 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-8-1981

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE  
JULLUNDUR**

Jullundur, the 22nd August 1981

Ref. No. A.P. No. 2735.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Kichiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mukerian in December 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Bawa Singh, Amrik Singh, Mohinder Singh S/o Shri Inder Singh r/o Vill. Kichiana, Police Station Mukerian, Tehsil Dasuya, Distt. Hoshiarpur. (Transferor)

(2) Shri Joginder Singh S/o Shri Khazan Singh r/o Vill. Bhagaran P.O. Mukerian Tehsil Dasuya, Distt. Hoshiarpur. (Transferee)

(3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1720 of dated December 1980 of the Registering Authority, Mukerian.

R. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 22-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR**

Jullundur, the 24th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2736.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at Vill. Kachiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mukerian in December 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Surjit Kaur W/o Shri Ujagar Singh R/o V. Kichiana Police Station Mukerian, Tehsil Dasuya, Distt., Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh S/o Shri Khazan Singh r/o Village Bhagaran P.O. Mukerian, Tehsil Dasuya Distt., Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 721 of dated 12/80 of the Registering Authority, Mukerian.

R. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 24-8-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

**ACQUITION RANGE,  
JULLUNDUR**

Jullundur, the 26th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2737.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Swaran Verma, Wife of Shri Baldev Sahai, R/o 203, South Extension, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shrimati Darshan Gujral, Wife of Shri D. C. Gujral, R/o Kothi Manorma, Post Office Road, Civil Lines, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) L.M.L. Mabb.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned, knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5872 of dated December 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-8-1981  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Sushil Kumar S/o Sh. Hans Raj Mahajan, W.J. 26, Basti Guzan, Jullundur.  
 (Transferor)
- (2) Shri Shital Kumar S/o Sh. Basant Parkash r/o Industrial area 9/5, Jullundur.  
 (Transferee)
- (3) As s. No. 2 above  
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property  
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
 OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 27th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2738.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jullundur on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2899 of dated July, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Jullundur.

Date : 27-8-81

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mukh Raj Mahajan S/o Sh. Hans Raj resident of WJ-26, Basti Guzan, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Shital Kumar son of Sh. Basant Parkash r/o S-9, Industrial area, Jullundur.

(Transeree)

(3) As s. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 27th August 1981

Ref. No A.P. 2739.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2142 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 27-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2740.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ferozepur Cantt.  
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Dec., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Kamla Wati Jain Wd/o Shri Jagmandar Dass r/o Ferozepur Cantt.  
(Transferor)
- (2) Shri Bawa Jasbir Singh S/o Shri Pritam Singh r/o Ferozepur Cantt.  
(Transferee)
- (3) As s. No. 2 above  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5191 of dated 12/1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 28-8-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR  
Jullundur, the 28th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2741.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Dec. 1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Shri Balbir Singh S/o Sh. Bhagat Singh through Karnail Singh Mukhtiar r/o Mohalla Guru Nanak Pura, Phagwara.  
(Transferor)
- (2) Shri Sobha Ram S/o Sh. Deviditta Ram, Sh. Shishan Lal S/o Sh. Sobha Ram, Shmt. Uttam Bai W/o Sh. Sobha Ram, and S/Shri Tilak Raj, Brij Pal S/o Sh. Shishan Lal r/o Mehli Gate, Phagwara.  
(Transferee)
- (3) As s. No. 2 above  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2189 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 28-8-81  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR  
Jullundur, the 28th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2742.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule, situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Dec., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Balbir Singh S/o Sh. Bhagat Singh through Sh. Karnail Singh, his brother, r/o Mohalla Guru Nanak Pura, Phagwara.  
(Transferor)

(2) Shri Sobha Ram S/o Deviditta Ram, Sh. Shishan Lal S/o Sh. Sobha Ram, Smt. Uttam Bai w/o Sh. Sobha Ram and S/Shri Tilak Raj, Brij Pal S/o Sh. Shishan Lal R/o Mehli Gate, Phagwara.  
(Transferee)

(3) As s. No. 2 above  
(Person in occupation of the property)  
(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**THE SCHEDULE**

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2194 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 28-8-81  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2743—Whereas, I R. GIRDHAR, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kartarp Singh S/o Sh. Bhagwan Singh r/o Mohalla Guru Nanak Pura, Phagwara. (Transferor)
- (2) Shri Sobha Ram S/o Sh. Devditta Ram, Sh. Shishan Lal S/o Sh. Sobha Ram, Smt. Uttam Bai W/o Sh. Sobha Ram, and S/Shri Tilak Raj, Brij Pal S/o Sh. Shishan Lal r/o Mehli Gate, Phagwara. (Transferee)
- (3) As sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2566 of January, 81 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 28-8-81  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2744.—Whereas, I R. GIRDHAR, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Phagwara on Jan., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Karnail Singh S/o Sh. Bhagat Singh r/o Mohalla Guru Nanak Pura, Phagwara.  
(Transferor)

(2) Shri Sobha Ram S/o Devidi Ram, Sh. Shishan Lal s/o Sh. Sobha Ram, Smt. Uttam Bai W/o Sh. Sobha Ram and S/Shri Tilak Raj & Brij Pal S/o Sh. Shishan Lal R/o Mehli Gate, Phagwara.  
(Transferee)

(3) As. Sr. No. above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2588 of January, 81 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 28-8-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

